3 बस्तर संभाग
राइस मिलों के डस्ट से ग्रामवासी हुए परेशान, एसडीएम से की...

6 अभिमत
रक्षा मुद्दों पर सरकार की नीति

10 संस्कारधानी
मार्ट से निगम को घाटा, एक तो किराया नहीं मिला रहा ...

11 छत्तीसगढ़
मंत्री अकबर ने नपं बोड़ला में 122 लोगों को बांटे ...

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655

पायनियर

www.dailypioneer.com रायपुर, शुक्रवार 20 मई 2022 पृष्ठ-12 वर्ष-06, अंक- 269 मूल्य 3.00 ₹

विक न्यूज

अमृतसर-जामनगर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर 2023 सितंबर तक होगा पूरा : गडकरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अमृतसर-जामनगर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर अगले साल सितम्बर तक पूरा हो जाएगा। गडकरी ने गुरुवार को कहा कि अमृतसर-भटिंडा-जामनगर कॉरिडोर 1,224 किलोमीटर लंबा है और इस पर 26 हजार करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान लगाया गया है। यह कोरिडॉर हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और पंजाब के अमृतसर, बठिंडा, संगरिया, बीकानेर, सांचौर, समाखियाली और जामनगर जैसे आर्थिक शहरों को जोड़ेगा। इस कॉरिडोर को राष्टीय राजमार्ग प्राधिकरण-एनएचएआई विकसित कर रहा है।

अंकिता ने जीता बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड

नई दिल्ली। भारत की टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने एशिया/ओसनिया ग्रुप एक से बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड जीत लिया है। सानिया मिर्जा के बाद यह अवार्ड जीतने वाली वह दूसरी भारतीय बनी हैं। यह अवार्ड उन खिलाड़ियों को मान्यता देने के लिए है जिन्होंने प्रतिष्ठा के साथ अपने देश का नेतृत्व किया है, कोर्ट पर अतुलनीय साहस दिखाया है और बिली जीन किंग कप के दौरान टीम के प्रति अद्भुत प्रतिबद्धता दिखाई है।

कमजोर वैश्विक रुख से शेयर बाजार में हाहाकार

मुंबई। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में हाहाकार मच गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट पर रहे। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स ने 1416.30 अंक का गोता लगाकर 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52792.23 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 430.90 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15809.40 अंक पर रहा। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हावी रही। इस दौरान मिडकैप 2.66 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,069.73 अंक और स्मॉलकैप 2.29 प्रतिशत टूटकर 25,801.04 अंक पर आ गया।

K.G.F. कोयला की सबसे बड़ी चोरी का वीडियो वायरल

मचा हड़कम्प, आईजी ने आनन-फानन में दिए जांच के आदेश

सवालों के घेरे में अफसर

- यदि यह वीडियो छत्तीसगढ़ का है तो सरकारी राजस्व की देश में शायद सबसे बड़ी चोरी साबित होगी।
- यदि वीडियो सही साबित हुआ तो माइनिंग विभाग तथा जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होना लाजमी है।
- आखिर कोयला खनन के बाद कहां खपाया जाता है कौन है इसका सरगना?
- एसईसीएल के अधिकारियों ने अब तक क्यों साध रखी है चुप्पी?
- घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कुछ माह पहले रिलीज हुई फिल्म **K.G.F.** का हुबहू दृश्य एक वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है। जिसमें हजारों की तादात में लोग कोयले की खान में काम करते हुए दिखाई देते है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में भारी मात्रा में कोयले की चोरी हो रही है। हजारों की तादात में गांव वालों से कोयला चोरी कर सरगनाओं द्वारा माल को ठिकाने लगाया जाता है। वीडियो वायरल होने के बाद चारों ओर हड़कम्प मचा हुआ है। वीडियो कहां का है अभी तक इसकी कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल बिलासपुर आईजी रतनलाल डांगी ने आनन-फानन में जांच के आदेश दिए है।

छत्तीसगढ़ में कोयले की चोरी होना आम बात है और उसके तरीके भी अलग-अलग है मगर कोयला चोरी का जो वीडियो वायरल हुआ है वह कोयला चोरी करने और कराने वाले का साहस हुबहू **K.G.F.** फिल्म से मिलता-जुलता है। फिल्मों की घटनाओं को आम तौर पर काल्पनिक माना जाता है। लेकिन जब घटना का हुबहू वीडियो आपके सामने हो तो निश्चित ही शासन-प्रशासन के ऊपर सवाल खड़ा होना लाजमी है।

इस वीडियो को जिसने भी देखा यही प्रश्न उनके जेहन में है कि क्या ऐसा संभव है? और जो लोग ऐसा करवा रहे है वे आखिर कौन है? जिनको शासन-प्रशासन का तनिक भी डर या भय नहीं है। बड़ा प्रश्न यह कि वीडियो में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है खुले हुए जगह में हजारों की संख्या में लोग बोरियो में भरकर कोयला ले जा रहे है। ऐसा काम आखिर कौन करवा रहा है? जो फिल्मी दुनिया से रियल लाइफ तक हुबहू दिखाई दे रही है। एक तरफ देश में कोयले की भारी किल्लत की खबरें मीडिया की सुर्खिया बनी हुई है। रेलवे दिन रात कोयले की ही ढुलाई में लगा है तो दूसरे तरफ हजारों की संख्या में लोग कोयले की चोरी करते दिख रहे है। अब सवाल यह उठता है इसके पीछे आखिर किसका हाथ और उसे किसका संरक्षण प्राप्त है? संगठित गिरोह की तरह कोयला चोरी का यह दृश्य पहली बार देखने को मिला है।

सूत्र बताते है कि चोरी का माल सबसे ज्यादा वेस्ट बंगाल, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश के छतरपुर छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, राजधानी रायपुर समेत कई जगहों पर खपाया जाता है। बहरहाल पुलिस महानिरीक्षक रतन लाल डांगी ने कोयला चोरी का वीडियो वायरल होने के बाद आनन फानन में मामले के जांच का आदेश दिया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारी कई बिंदुओं पर कोयला चोरी के वीडियो और स्थान की जांच करेंगे। बताया जा रहा है कि यह वीडियो एसईसीएल की गेवरा/दीपिका खदान का है। इस जगह को कोरबा से कुसमुंडा रोड पर होना बताया जा रहा है। उधर कोयला चोरी की घटना पर सीआईएसएफ के जवान देर से सही सड़कों पर उतरे। भिलाई बाजार से लगे ग्राम भटोरा जो कुसमुंडा की ओर जाता है की सड़कों पर सुबह से ही सीआईएसएफ के जवान बड़ी संख्या में पैदल मार्च करते दिखे । बताया गया कि ये जवान कोयला चोरी रोकने सड़कों पर उतरे है। एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट बिलासपुर के प्रभारी को जांच अधिकारी बनाया गया है। जाँच अधिकारी तस्दीक़ करेगा कि कोयला चोरी का यह वायरल वीडियो किस खदान एवं जिले का है। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि लोगों को इतनी बड़ी संख्या में खदान में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बल क्यूँ नहीं रोक पा रहे है। एसईसीएल खदानों की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों एवं ज़िला पुलिस में कैसा तालमेल है। पूर्व में कोयला चोरी की रिपोर्ट एसईसीएल के अधिकारियों के द्वारा कब-कब थानों में की गई एवं उस पर पुलिस के द्वारा क्या-क्या कार्यवाही की गई । यदि नहीं की गई हो तो क्यूँ नही की गई । चोरी का यह कोयला ख़रीद करने वाले सरग़ना कौन-कौन है और वे किस किसको बेच रहे है! इसको रोकने के लिए क्या क्या कदम उठाए जाने होंगे ? आईजी ने इन सब बिंदुओं की जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

भारत पूरी दुनिया के लिए उमीद की किरणः मोदी

वार्ता ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नये भविष्य के लिए तत्पर देश के रूप में उभर रहा भारत पूरी दुनिया के लिए उम्मीद की किरण है। मोदी ने गुजरात के वड़ोदरा में गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से एक युवा शिविर को संबोधित करते हुए कहा, भारत आज दुनिया की नई उम्मीद है। हम पूरी मानवता को योग का रास्ता दिखा रहे हैं, आयुर्वेद की ताकत से परिचित करवा रहे हैं। हम सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस तक, एक नए भविष्य के लिए तत्पर देश के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों को मिलकर ऐसा भारत बनाना है जो पूरी मानव जाति को नयी दिशा प्रदान करें। उन्होंने कहा, ÷ हम सबको ऐसा नया भारत बनाने का संकल्प लेना है, जो नई सोच और सदियों पुरानी संस्कृति दोनों को एक साथ लेकर आगे बढ़े, पूरे मानव जात को दिशा दे। कोरोना काल के संकट के बीच दुनिया को वैक्सीन और दवाइयाँ पहुंचाने से लेकर बिखरी हुई आपूर्ति श्रृंखला के बीच आत्मनिर्भर भारत की उम्मीद तक,वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच शांति के लिए एक सामर्थ्यवान राष्ट्र की भूमिका तक, भारत दुनिया की उम्मीद है। उन्होंने नये भारत के निर्माण के लिए युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज हम नये भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प ले रहे हैं, प्रयास कर रहे हैं।

देश में महंगाई ने दिया एक और झटका, रसोई गैस के फिर बढ़े दाम

वार्ता ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

देश में पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को एक और झटका देते हुए गुरुवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 3.50 रुपये प्रति सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 8 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। बढ़ी हुई कीमतों के बाद अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें देश के सभी बड़े शहरों में 1,000 रुपये से अधिक हो जाएंगी। कीमतों में हुए इस संशोधन को आज से ही लागू कर दिया जाएगा। 14.2 किलोग्राम के बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत अब नयी दिल्ली में 1003.00 रुपये, कोलकाता में 1029.00 रुपये, मुंबई में 1002.50 रुपये और चेन्नई में 1018.50 रुपये होगी। यह इस

महीने दूसरी दफा है जब घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़े हैं। इससे पहले 7 मई को 50 रुपये बढ़ाए गए थे। घरेलू सिलेंडर के साथ कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में भी पहले से इजाफा हुआ है। इनमें आठ रुपये तक की वृद्धि की गई है। अब दिल्ली में एक 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 2,354 रुपये, कोलकाता में 2,454 रुपये, मुंबई में 2,306 रुपये और चेन्नई में 2,507 रुपये होगी।

दाम बढ़ने से महिलाएं सबसे ज्यादा त्रस्त : महिला कांग्रेस

कांग्रेस ने कहा है कि रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी से सबसे ज्यादा महिलाएं त्रस्त हैं और सरकार से बराबर इसके दाम घटाने की मांग की जा रही है, लेकिन वह दाम घटाने की बजाए बढ़ा रही है। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने दाम घटाने की बजाय आज एलपीजी सिलेंडर के दाम 3.50 रुपए बढ़ा दिए हैं। देश की गृहणियां गैस सिलेंडर की भारी कीमत के कारण चूल्हे की तरफ आने को मजबूर हो रही हैं और गांव में अब लकड़ी का इस्तेमाल भोजन बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर हर घर से जुड़ा मुद्दा है और महिला कांग्रेस की सदस्य तथा देश की अन्य महिलाएं सरकार से पूछती हैं कि एलपीजी के दाम कब कम होंगे।

सिद्धू को 1 साल की कैद

वार्ता ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को 34 साल पुराने एक गैर-इरादतन हत्या के मामले में एक साल कैद की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की पीठ ने शीर्ष अदालत के 2018 के फैसले पर पुनर्विचार के बाद सजा बढ़ाने संबंधी आदेश पारित किया। पीठ ने मृतक के परिजन की ओर से दायर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद सिद्धू को यह सजा सुनाई है। पंजाब के पटियाला निवासी गुरनाम सिंह के परिजनों ने अपनी याचिका में सिद्धू को मात्र 1000 रुपए की आर्थिक दंड पर रिहा करने को नाकाफी करार देते हुए दंड बढ़ाने की गुहार अदालत से लगाई थी। शीर्ष अदालत ने सजा में संशोधन की मांग वाली पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद 25 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 1988 में सड़क पर हुए झगड़े में सिद्धू एवं अन्य के मुक्का मारने के बाद 65 वर्षीय गुरनाम सिंह की मृत्यु हो गयी थी।

पीड़ित पक्ष की ओर से आरोप लगाए गए थे कि सिद्धू द्वारा मुक्का मारने से गुरनाम की मौत हो गई थी। इस मामले में शीर्ष न्यायालय ने 15 मई 2018 के अपना फैसला दिया था। तब इस अदालत ने सिद्धू को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 के तहत दोषी ठहराया था, जिसमें अधिकतम एक साल की सजा, या आर्थिक दंड या दोनों का प्रावधान है। सिद्धू को मात्र 1000 रुपए का जुर्माना लगाने के बाद बाद रिहा कर दिया गया था।

सुकमा में बहुत बदलाव आया है, आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण के स्तर में वृद्धि हुई है

आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन का अधिकार दिलाने राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत : भूपेश बघेल

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि हमारा निरंतर प्रयास है आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन का अधिकार मिले, जिन्हें परेशानी है, उनसे चर्चा के लिए द्वार खुले हैं। जिन्हें भारतीय संविधान पर विश्वास नहीं, उनसे संवाद करना मुमकिन नहीं है। मुख्यमंत्री सुकमा में प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सुकमा में बहुत बदलाव आया है। आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण के स्तर में हुई है वृद्धि। आदिवासियों की आय में वृद्धि हो रही है, क्षेत्र में लघु वनोपज खरीद बढ़ी है। अंदरूनी क्षेत्रों में राशन दुकान खोले जा रहे हैं, बंद पड़े स्कूलों का पुनः संचालन हो रहा है। सुकमा, जहां से नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी, आज वहां नक्सलवाद बहुत पीछे जा चुका है। ग्रामीण जो पहले सुरक्षा कैंप का विरोध करते थे, आज सुरक्षा कैंप की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों और सुरक्षा बलों के मध्य मैत्री संबंध स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक हितग्राहियों को वन अधिकार मान्यता पत्र मिल रहा है, जिसमें वे कृषि के साथ, पशुपालन, मछलीपालन, मुर्गीपालन आदि कार्य कर रहे हैं। गौठानों में रोजगारमूलक गतिविधियों से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है, महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री ने सुकमा जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभ की गई सुविधा शिविरों के आयोजन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस अनूठी पहल से अंदरूनी गांव के निवासियों को भी आधार, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड मिल रहे हैं। जिले में 31 हजार से अधिक बच्चों को घर पहुंचाकर जाति प्रमाण पत्र दिए गए हैं।

राज्य सरकार आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के कर रही हर संभव प्रयास

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा आदिवासियों की गौरवशाली संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में आदिवासियों की आस्था और श्रद्धा के केन्द्र देवगुड़ी के जीर्णोद्धार और परिसर के सौन्दर्यीकरण तथा बुनियादी सुविधाओं के विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा देवगुड़ी के विकास के लिए 5 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की जाती है। मुख्यमंत्री बघेल ने आज भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान बीजापुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत आवापल्ली की देवगुड़ी में आयोजित कार्यक्रम में बीजापुर जिले के 2 विकासखण्ड आवापल्ली (उसुर) व भोपालपट्टनम की 40 देवगुड़ियां के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने के अवसर पर देवगुड़ी के पुजारियों और ग्रामीणों से चर्चा करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किए। इन देवगुड़ियों में कराए जा रहे कार्यों की लागत 4.46 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री ने देवगुड़ी परिसर में आम का पौधा भी रोपा। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, लोकसभा सांसद दीपक बैज, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आवापल्ली के माँझीपारा स्थल पर स्थित देवगुड़ी के दर्शन किये। उन्होंने यहाँ देवगुड़ी में विराजी माता निलउँगा व मड़वी देवी के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पेरमा, वड्डे (पुजारी) द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कराई गई।

भाजपा में शामिल हुए सुनील जाखड़

एजेंसी ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जाखड़ को अंगवस्त्रम पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि राष्टीय सोच और विचारधारा के लोगों का भाजपा में स्वागत है। श्री जाखड़ ने कांग्रेस नेतृत्व की शैली पर गहरे सवाल उठाते हुए पिछले दिनों पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया था।

जाखड़ ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुले दिल और आत्मीयता से उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह निजी स्वार्थ की राजनीति नहीं करते लेकिन जिस तरह उनकी पिछली पार्टी कांग्रेस ने पंजाब को वहां की आबादी में, जात-पात और धर्म के प्रतिशत (अनुपात) के नाम पर बांटने की कोशिश की, वह उनके लिये पीड़ादायक था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस तरह की राजनीति का विरोध किया और इसलिये उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पंजाब में कोई दोयम दर्जे का नागरिक नहीं है। पंजाब ने देश की सेवा में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने उसूलों से हट चुकी है, इसलिये उन्होंने सोचा कि अब 50 साल पुराने संबंध को तोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि सुनील को पद से हटाया जा सकता है, उसकी आवाज़ को बंद नहीं किया जा सकता। श्री जाखड़ ने कहा कि पंजाब गुरु, संतों और पीरों की धरती है, और राष्टीयता की भावना परस्पर एकता के भाव से पनपती है।

कार एवं बोलेरो के टकराने से पांच भाइयों की मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के पहाड़ी थाना क्षेत्र के बरखेड़ा के पास कार एवं बोलेरो की टक्कर में पांच भाइयों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये लोग शादी के मौके पर खरीदी नई कार में बुधवार देर रात घूमकर वापस अपने गांव खंडेवला जा रहे थे कि करीब ग्यारह बजे उनकी कार बोलेरो से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इन पांचों भाइयों की मृत्यु हो गई जबकि बोलेरो में सवार सात लोगों के भी चोटें आई। मृतकों की पहचान वासिम (18), आशिक (17), अरबाज (22), परवेज (16) और आलम (19) के रुप में की गई है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची।

गोबर की चौकीदारी : जब मंटूराम ने मुख्यमंत्री को बताया कि पत्नी संग रातभर करता हूं गोबर की चौकीदारी

- मैं और मेरी पत्नी रातभर दो शिफ्ट में टॉर्च लेकर रखते हैं गोबर पर नजर
- गोधन न्याय योजना में गोबर बेचकर मिले 28 हजार रुपये तो मकान कराया रिपेयर, अब नहीं टपकती छत

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

गोबर की चौकीदारी। जी हां, सुनने में अटपटा जरूर लगेगा लेकिन ये सच है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के कुटरू में रहने वाले किसान मंटूराम कश्यप गोबर की चौकीदारी करते हैं, और ये बात मंटूराम ने स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बतायी। मौका था बीजापुर जिले के कुटरू में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम का। मुख्यमंत्री को मंटूराम ने बताया कि मैं रात में टॉर्च लगा कर गोबर की चौकीदारी करता हूं, और इस काम मे मेरी पत्नी भी मेरा साथ देती हैं। उन्होंने बताया कि वे छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना के तहत गोबर बेचते हैं। मंटूराम ने बताया कि अब तक उन्होंने लगभग 14 हजार किलो गोबर करीब 28 हजार रु में बेचा है। बकौल मंटूराम पहले गोबर को कोई नहीं पूछता था लेकिन अब हर किसी की नजर गोबर पर लगी रहती है। कुछ दिन पहले उनके इकट्ठे किये गोबर को गांव के कुछ लोग उठा ले गए थे। इसके बाद उन्होंने तय किया कि पत्नी के साथ रात में गोबर की निगरानी करेंगे।

पत्नी के साथ शिफ्ट में चौकीदारी- मंटूराम गोबर की चौकीदारी रातभर करते हैं। उनके इस काम मे उनकी पत्नी भी साथ देती हैं। वे कहते हैं कि रातभर जागना संभव नहीं है। इसलिए वे और उनकी पत्नी दो शिफ्ट में गोबर की देखरेख करते हैं। रात में कुछ देर मैं फिर मेरी पत्नी टॉर्च लेकर गोबर की निगरानी करते हैं।

आखिर क्यों पड़ी चौकीदारी की जरूरत

मंटूराम बताते हैं कि रात में टॉर्च लेकर वे कई बार देखने जाते हैं कि गोबर कोई ले तो नहीं गया। वे कहते हैं कि जब से गोबर की कीमत मिलने लगी है, तब से गोबर सहेजकर रखना पड़ता है। एक दिन इकठ्ठा किया हुआ गोबर कुछ लोग चुपचाप उठा ले गए। इसके बाद से गोबर की निगरानी करने लगा। गोधन न्याय योजना से मिले रुपयों से रिपेयर कराया मकान-मंटुराम कश्यप ने बताया कि उनके पास 15 गाय- भैंसे हैं। अब तक गोधन न्याय योजना से गोबर बेचकर करीब 28 हजार रुपये मिले हैं। उन्होंने बताया कि उनके मकान से पानी टपकता था। जिसे बहुत दिन से रिपेयर कराना चाहते थे। गोबर बेचकर मिले पैसे से उन्होंने मकान रिपेयर करा लिया है। मकान में प्लास्टर भी करा लिया है। अब छत से पानी टपकने की समस्या भी।

हैकरों ने दो-ढाई घंटे के भीतर दो बार राज्यपाल का आधिकारिक हैंडल हैक कर लिया

रायपुर। राज्यपाल अनुसूईया उइके के आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर लगातार साइबर हमला हो रहा है। हैकरों ने दो-ढाई घंटे के भीतर दो बार उनका आधिकारिक हैंडल हैक कर लिया। राजभवन के अधिकारियों का कहना है, तकनीकी टीम अभी काम पर लगी हुई है। जल्दी ही इसे सुरक्षित कर लिया जाएगा। राजभवन इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने की भी तैयारी कर रहा है। गुरुवार को ट्वीटर पर अमेरिकी-कनाडाई कारोबारी एलन मस्क ने एक पोस्ट डाली। उसमें उन्होंने लिखा, क्रिप्टोकरेंसी कई स्तरों पर एक अच्छा विचार है और हमें विश्वास है कि इसका भविष्य आशाजनक है। emy-crypt.com का लिंक डालते हुए उस पोस्ट में कहा गया था आओ सब मिलकर इसका समर्थन करें।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में लगेगी प्रदर्शनी

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई 2022 के अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ में पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान हुए विकास एवं उपलब्धियों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी रायपुर में एक महीने तक चलने वाली आयोजित इस प्रदर्शनी में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं पर विशेष रूप से फोकस किया जाएगा। साढ़े तीन वर्ष पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने के संकल्प के साथ सरकार ने कामकाज शुरु किया था। इस दौरान सरकार ने किसानों, आदिवासियों, मजदूरों और ग्रामीणों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए योजनाओं का निर्माण कर उन्हें क्रियान्वित किया। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के अनुरूप छत्तीसगढ़ के गांवों का निर्माण करने के लिए सुराजी गांव योजना लागू की गई, जिससे राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। किसानों को उनके परिश्रम की सही कीमत दिलाने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शुरुआत की गई। समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाले लघु वनोपजों की संख्या भी 07 से बढ़ाकर 65 कर दी गई, इससे आदिवासियों को आय का नया जरिया मिला। गांव-गांव में गौठानों का निर्माण कर उन्हें ग्रामीण इंडस्ट्रीयल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। गौठानों में ही कृषि उत्पादों के वैल्यू एडीशन के जरिये रोजगार और आय के नये रास्ते खोले गए हैं। वनक्षेत्रों में वन धन केंद्रों और गौठानों में लघु वनोपजों का वैल्यू एडीशन किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना की शुरुआत के बाद अब हिंदी माध्यम के उत्कृष्ट स्कूल भी शुरु किए जा रहे हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना का सफल नवाचार किया गया है। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई-दीदी क्लीनिक और श्रीधन्वंतरी जैनेरिक मेडिकल स्टोर्स योजना जैसी योजनाएं संचालित की जा रही है।

जनसंपर्क विभाग द्वारा साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में लगाई जाने वाली राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में तस्वीरों को योजनाओं के अलग-अलग सेगमेंट में प्रदर्शित किया जाएगा। जिन प्राथमिकता वाली योजनाओं पर यह प्रदर्शनी केंद्रित रहेगी, उनमें राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई-दीदी क्लीनिक योजना, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल योजना, नरवा, गरवा, घुरवा और बारी, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, वनोपज संग्रहण, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन, राजीव युवा मितान क्लब योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, मुख्यमंत्री मितान योजना, राम वन गमन पर्यटन पथ आदि शामिल हैं।

3 सेमी की 'कीहोल' सर्जरी से दिल के 26 एमएम छेद को डॉक्टरों ने किया बंद

- मोवा स्थित श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में हुई सफल सर्जरी
- ओड़िशा के मरीज का बीएसकेवॉय से हुआ निःशुल्क इलाज

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

मोवा स्थित श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के डॉक्टरों ने महज 3 सेमी के कीहोल सर्जरी से ओड़िशा के एक मरीज के 26 एमएम छेद को बंद किया है। इस सर्जरी की सबसे खास बात ये है कि ऑपरेशन के महज 2 घंटे के अंदर मरीज वेंटीलेटर से बाहर आ गया और अगले दिन से चलना-फिरना शुरू कर दिया।

श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के चेयरमैन डॉ. देवेंद्र नायक ने बताया कि अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग ने ओड़िशा के 23 वर्षीय मरीज का ये सफल ऑपरेशन ओडिशा सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत निःशुल्क किया है।

ये है कीहोल सर्जरी के फायदें

कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों की टीम ने बताया कि कीहोल सर्जरी से हार्ट के छेद को बंद करने का सबसे बड़ा फायदा ये हुआ कि ऑपरेशन के लिए मरीज की छाती नहीं खोलनी पड़ी। वहीं मरीज 2 घंटे में वेंटीलेटर से बाहर आ गया और अगले दिन चलने फिरने लगा। वहीं तीन दिनों तक मॉनिट्रिंग करने के बाद डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। डॉक्टरों ने बताया कि मरीज को साइनस था। जिसकी वजह से उसे सास लेने में काफी तकलीफहोती थी। इस दौरान उसने चेकअप करवाया तो पता चला कि उसके हार्ट में 26 एमएम का छेद है। हालांकि ऑपरेशन के बाद मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ्य है।

डॉ. देवेंद्र नायक ने बताया कि इस ऑपरेशन को सफल बनाने में कार्जडियक सर्जर डॉ. विवेक वाधवा, कार्डियक एनस्थेटिस्ट और इंटेंसिविस्ट डॉ देवेंद्र पांडे और कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. निखिल मोतीरमानी और अस्पताल के अन्य ओटी स्टॉफ ने अहम भूमिका निभाई।

10 सूत्री मांगों को लेकर रविवि के कर्मचारियों का प्रदर्शन, काम रहा बंद

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में 10 सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारी संघ का अनिश्चिकालीन धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान सैकड़ों कर्मचारियों ने मांगों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में जमकर नारेबाजी की। दिन भर विश्वविद्यालय का कामकाज प्रभावित होते देखकर शाम को प्रबंधन ने कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की। प्रबंधन ने कर्मचारियों की मांगें पूर्ण करने का आश्वासन देते हुए धरना खत्म करने की बात कही। लेकिन पहले भी आश्वासन के बाद किसी तरह की कार्रवाई न होने से नाराज कर्मचारी मांगें पूरी होने के बाद ही प्रदर्शन समाप्त करने का निर्णय लिया है। कर्मचारियों ने प्रबंधन पर धरना समाप्त करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्रवण सिंह ठाकुर व सचिव प्रदीप मिश्रा ने बताया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, कर्मचारी धरने पर बैठे रहेंगे।

इधर विश्वविद्यालय में पदावनत हुए करीब 50 कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने मनमानी करते हुए 50 कर्मचारियों को पदावनत कर दिया है। ऐसे में मुख्यमंत्री से कर्मचारियों ने उचित कार्रवाई की मांग की है।

रायपुर स्टेशन में वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए निःशुल्क स्टॉल

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

रेलवे की व्यापक पहुंच और महत्व को ध्यान में रखते हुये स्थानीय उत्पादों को देशभर में लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना की घोषणा की गई है। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना की इस अभिनव पहल से जहां मेक इन इंडिया का सपना साकार हो रहा है वहीं स्थानीय लघुकार, कारीगरों, हस्तशिल्पों की आत्मनिर्भरता में वृद्धि भी हो रही है । इससे छत्तीसगढ़ के इस स्थानीय उत्पाद को वैश्विक पहचान दिलाने में भी मदद मिलेगी । इस योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल स्टेशन पर भारत सरकार के द्वारा घोषित वन स्टेशन- वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत स्थानीय लोगों को अपने उत्पाद की बिक्री बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला है। इसके तहत रायपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के मुख्य द्वार के निकट हर्बल मेडिसिनल प्रोडक्ट स्टॉल का शुभारंभ 09 अप्रैल 2022 को किया गया है। इस स्टॉल के प्रथम चरण का परिचालन दिनांक 9 अप्रैल 2022 से 23 अप्रैल 2022 तक किया गया । इस स्टॉल का द्वितीय चरण परिचालन दिनांक 24 अप्रैल 2022 से 08 मई 2022 तक किया गया इस स्टॉल का तीसरा चरण का परिचालन दिनांक 09 मई 2022 से 23 मई 2022 तक किया जा रहा है। वन स्टेशन- वन प्रोडक्ट स्टॉल से यात्री परिचित हो रहे हैं साथ ही आवश्यकतानुसार इसकी खरीददारी भी कर रहे हैं तथा इनकी कारीगरी की तारीफ भी कर रहे हैं । इस स्टॉल को आम जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

इस स्टॉल के चौथे चरण का परिचालन 24 मई 2022 से 07 जून 2022 तक किया जाना है । इस योजना में भाग लेने के लिये रायपुर स्टेशन पर निशुल्क स्टॉल दिया जा रहा है जिसमे हर्बल प्रोडक्ट अथवा रॉट आयरन के उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री किया जा सकता है। जिसका लाभ कोई भी आमजन ले सकते है। इसकी विस्तृत जानकारी के लिये स्टेशन डायरेक्टर से 9752877902 एवं मुख्य वाणिज्य निरीक्षक से 9752877961 फोन पर सम्पर्क किया जा सकता है।

गरीबों का राशन हजम करने वालों पर हो कड़ी कार्यवाही : कोमल हुपेंडी

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश की सरकारी उचित मूल्य की दुकानों में गरीबों के लिए राशन मुहैया कराने में भरी अनियमितता और बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हो रहा है। गरीबों के राशन पर इस प्रकार का डाका बिना राजनीतिक सरंक्षण के संभव नहीं है। इस पूरे खेल में सबका कमीशन बंधा हुआ है जिसके बिना यह सब मुमकिन नहीं है। कल ही सरकारी उचित मूल्य की सिर्फ तीन दुकानों में ही 10 करोड़ की अनियमितता खाद्य विभाग में हो रहे बड़े खेल की ओर इशारा करती है। राशन दुकानदार गरीबों को तौल में कम मात्रा में राशन दे रहे है और इस चावल को दुकान संचालक बाजार में बेच रहे हैं। ऐसे दुकान संचालकों के खिलाफसार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश.2016 के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कोमल हुपेंडी ने आरोप लगाया कि हर कार्ड पर 15 किलो कम राशन दिया जा रहा है। केंद्र सरकार से मिले राशन में इस सरकार ने अब तक जो भ्रष्टाचार किया है वह अनुमान से करीब 2 हजार करोड़ के आसपास मूल्य का दिखाई दे रहा है। गरीबों को प्रति राशन कार्ड में प्रति सदस्य 5 किलो अतिरिक्त राशन देना थाए जो नहीं दिया जा रहा उसमें भी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। कोमल हुपेंडी ने मांग की है कि पूरे प्रदेश में सभी दुकानों की जाँच की जानी चाहिए और त्वरित करवाही की जानी चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है की गरीबों के हितों की बात करने वाली कांग्रेस अब खुद गरीबों को ही लूट रही है। ऐसा आम आदमी पार्टी होने नहीं देगी।

तंबाकू हमारे पर्यावरण के लिए खतरा थीम पर मनाया जाएगा वर्ल्ड नो टोबैको डे

विश्व तंबाकू निषेध दिवस को मनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। तंबाकू या तंबाकू से संबंधित उत्पादों का सेवन करने वालों को कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। बावजूद इसके बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू (बीड़ी) सिगरेटए गुटखा आदि का सेवन करते हैं। इसलिए लोगों को तंबाकू के नुकसान के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने को प्रेरित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस आयोजन को मनाए जाने के संबंध में संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ नीरज बंसोड़ ने सभी जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत पूरे एक माह तक तंबाकू का सेवन न करने के प्रति जन.जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य नोडल अधिकारी तंबाकू नियंत्रण डा कमलेश जैन ने बताया तंबाकू युक्त पदार्थों का सेवन करने से ना सिर्फ हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है बल्कि कई गंभीर बीमारियों के होने का खतरा भी रहता हैए इसके अतिरिक्त तंबाकू अपने पूरे जीवनचक्र में पृथ्वी को प्रदूषित भी करती है। इसलिए इस वर्ष श्तंबाकू हमारे पर्यावरण के लिए खतराश् थीम पर 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाएगा। उक्त आयोजन के लिए भारत सरकार से प्राप्त निर्देश के अनुसार इस वर्ष तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के साथ ही पर्यावरण पर होने वाले नुकसान से अधिकारियों, विशेषकर बच्चों को अवगत कराने के लिए जिलों में खास गतिविधियां विभिन्न विभागों के समन्वय से आयोजित होंगी। इसी के संबंध में स्वास्थ्य संचालक छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में राज्य में भी इस दिवस पर विशेष जन.जागरूकता गतिविधियां आयोजित होंगी।

सभी विभागों के समन्वय से होंगे कार्यक्रम : भारत सरकार से प्राप्त निर्देश के अनुसार इस वर्ष तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के साथ ही पर्यावरण पर होने वाले नुकसान से अधिकारियोंए विशेषकर बच्चों को अवगत कराने के लिए जिलों में खास गतिविधियां विभिन्न विभागों के समन्वय से आयोजित होंगी। इसके तहत जन.जागरूकता कार्यक्रम रैली, रेडियो, माईकिंगए झांकी, साइकिलिंग, नुक्कड़ नाटक आयोजित होंगे। सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में नो तंबाकू की शपथ दिलाए जाने तथा योग शिविर भी लगाए जाएंगे। इसके साथ ही सोशल मीडिया जैसे. फेसबुक दैनिक अखबार के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही साथ जिला स्तर पर कार्ययोजना तैयार कर ब्लॉक स्तर पर तंबाकू निषेध कार्यक्रम चलाया जाएगा। स्कूलए कॉलेज एवं कार्यालयों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए अंतर्विभागीय समन्वय का और अधिक प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही तंबाकू निषेध संबंधी जागरूकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं चित्रकलाए निबंध एवं पोस्टर आयोजित होंगी तथा मई माह के प्रत्येक सप्ताह में प्रवर्तन दल द्वारा चालानी कार्यवाही कोटपा के विभिन्न धाराओं पर किया जाना मुख्य है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर होगा विशेष कार्यक्रम. स्वास्थ्य संचालक नीरज बंसोड़ की ओर से जारी निर्देश के अनुसार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष गतिविधियां पर्यावरण विभाग के साथ समन्वय कर आयोजित होंगी। साथ ही साथ मई के पूरे माह तंबाकू निषेध कार्यक्रम आयोजित कर सभी सरकारी कार्यालयए शैक्षणिक संस्थानए पंचायतए गांवए धूम्रपान या तंबाकू मुक्त घोषित कराने का प्रयास किया जाएगा।

प्रदेश की स्थिति चिंतनीय

वैश्विक युवा तंबाकू सर्वेक्षण 2019 के अनुसार छत्तीसगढ़ में 39.1 प्रतिशत लोग तंबाकू या तंबाकू युक्त पदार्थों का सेवन करते हैं। इनमें गुड़ाखू (तंबाकू युक्त नशीला पदार्थ) का सेवन करने वाली महिलाएं भी शामिल हैं। साथ ही साथ 13 से 15 वर्ष के स्कूल जाने वाले 8 प्रतिशत बच्चे भी तंबाकू या तंबाकू युक्त पदार्थों का सेवन करते हैं। प्रदेश के लिए यह चिंतनीय है इसलिए तंबाकू नियंत्रण की दिशा में और अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

तंबाकू के सेवन से कई बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञ बताते हैं कि तंबाकू के सेवन से कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों के होने का खतरा रहता है। इसमें फेफड़े का कैंसर, लिवर कैंसर, मुंह का कैंसर, कोलन कैंसर, गर्भाशय का कैंसर, इरेक्टाइल डिस्फंक्शन और हृदय रोग जैसी बीमारियां शामिल हैं। नशा सेवन छोड़ने के फायदे. धूम्रपान ना करने के कई फायदे है। धूम्रपान बंद करने पर उच्च हृदय गति और रक्त चाप में कमी आती है, खून में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर घटकर सामान्य हो जाता हैए शरीर के भीतर खून का प्रवाह और फेफड़ों की कार्य क्षमता बढ़ती हैए दिल से जुड़ी बीमारियां होने का खतरा धूम्रपान करने वालों की तुलना में आधा हो जाता है, मस्तिष्काघात का खतरा कम होगा, मुंहए गले, मूत्राशय, अग्नाशय,गर्भाशय और फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा कम हो जाएगा।

राइस मिलों के डस्ट से ग्रामवासी हुए परेशान, एसडीएम से की शिकायत

जांच के लिए पहुंची खाद्य विभाग व पर्यावरण संरक्षण मण्डल की टीम

पायनियर संवाददाता ◄ केशकाल
www.dailypioneer.com

केशकाल विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गौरगांव के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने विगत दिनों केशकाल एसडीएम डी.डी मण्डावी को लिखित आवेदन देकर गांव में स्थित मिलों से निकलने वाले धूल और भूसे के कारण आसपास के लोगों को होने वाली समस्याओं के सम्बंध में शिकायत किया था। ग्रामीणों का कहना था कि मिलों से निकलने वाली धूल और भूसे के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है, और यदि मिलर्स द्वारा जल्द ही व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो ग्रामीण अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रसित भी हो सकते हैं। वहीं मिलर्स का कहना है कि हमने पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारियों के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक सुधार कार्य शुरू कर दिए हैं, जल्द ही कार्य पूरा होगा और मिलों का धूल व भूसा बाउंड्रीवाल के बाहर नहीं जाएगा।

ग्राम गौरगांव के सरपंच पति मुकेश मरकाम ने बताया कि इस गांव में कुल 6 राइस मिल है, कुछ दिन पहले स्थानीय ग्रामीणों ने पंचायत आकर शिकायत किया था, कि ग्रामीणों को डस्ट के कारण अनेक प्रकार की परेशानी हो रही है। जिसके आधार पर हमनें केशकाल एसडीएम व सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया था। फलस्वरूप कुछ अधिकारियों के दल ने गांव आकर मिलों का निरीक्षण कर सम्बंधित मिल के संचालकों को धूल व भूसा बाहर न जाए इसके लिए 1 महीने के भीतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।

पर्यावरण संरक्षण मण्डल के आदेशों का पालन कर रहे हैं सभी मिलर्स– इस सम्बंध में सृष्टि राइस मिल के संचालक कमलेश कटारिया व रजा राइस मिल के संचालक रफीक रजा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारियों द्वारा गौरगांव के सभी मिलर्स को निर्देशित किया गया था कि जिन मिलों के आसपास घर है वे मिलर्स भूसा निकलने वाले स्थान पर शेड का निर्माण करवाएं। जिसके परिपालन में सभी मिलर्स ने काम शुरू कर दिया है तथा कुछ मिलर्स के द्वारा कार्य पूर्ण भी कर लिया गया है। चूंकि मिलों में कस्टम मिलिंग का कार्य चल रहा है ऐसे में शेड निर्माण करवाने में थोड़ा विलंब हो रहा है। आगामी 2 महीनों के भीतर सभी मिलों में कार्य पूर्ण हो जाएगा, तथा ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसका खास ध्यान रखा जाएगा।

सभी मिलर्स को दिए गए हैं आवश्यक दिशा निर्देश- एसडीएम

केशकाल एसडीएम दीनदयाल मंडावी ने बताया कि गौरगांव के ग्रामवासियों की शिकायत के आधार पर हमने मामले की जांच के लिए खाद्य विभाग एवं पर्यावरण संरक्षण मण्डल की संयुक्त टीम को भेजा था। जांच के दौरान मिलों की कमियां सम्बंधित मिलर्स को बताई गई थी। फलस्वरूप सभी मिलर्स के द्वारा वायु प्रदूषण रोकने के लिए डस्ट कलेक्टर सायक्लोन लगा लिया गया है। साथ ही शेड व दीवार ऊंची करने के निर्देश भी दिए गए थे जिसका निर्माण कार्य जारी है। जल्द ही ग्रामीणों को धूल व भूसे की समस्या से निजात मिल जाएगी।

गीदम समर कैंप में बच्चों ने बनाएं बस्तर व छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति के प्रतीक

■ प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को 15 विधाओं पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है

पायनियर संवाददाता ◄ गीदम/दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

संस्कृति सामाजिक रूपों, भौतिक लक्षणों, प्रथागत मान्यताओं और मानवीय घटनाओं का परिचय है। कला एक व्यक्ति के अनुभवों, भावनाओं और प्रतिभा गुणों की रचनात्मक अभिव्यक्ति है। जिला प्रशासन दंतेवाड़ा एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गीदम विकास खंड के गीदम एवं हउरनार संकुल स्तरीय समर कैंप शासकीय माध्यामिक शाला गीदम में आयोजित किया जा रहा है जो 24 मई तक संचालित होगा। प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को 15 विधाओं पर प्रशिक्षण दिया जारहा है। बच्चों ने अपने प्रतिभा व कौशल से बस्तर तथा छत्तीसगढ़ी कला एवं संस्कृति के प्रतीक पारम्परिक मटकी सजाव, धनुष व तीर, तुंबा सजाव, मिट्टी के मूर्तियां, छिंद पत्ते गुलदस्ता व बैग, घर सजाव आकृतियां, पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण चित्रकाल, बहुत ही सुन्दर और आकर्षक बनाए। गीदम विकास खंड शिक्षा अधिकारी शेख रफीक, सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी भवानी पूनेम, खंड स्रोत समन्व्ययक अनिल शर्मा ने बच्चों द्वारा बनाए चीजों का अवलोकन किया और प्रेरणा देते हुए शुभकामनाएं दी। ग्रीन केयर सोसायटी इंडिया के डायरेक्टर तथा भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, विज्ञान व प्रदौगिकी विभाग भारत सरकार के विशेषज्ञ अमुजुरी विश्वनाथ ने कहा कि देश व प्रदेश विकास में कला एवं संस्कृति का महत?वपूर्ण योगदान होता है। यह साझा दृष्टिकोण, मूल्य, प्रथा एवं एक निश्चित लक्ष्य को दिखाता है। सभी आर्थिक, सामाजिक एवं अन्य गतिविधियों में कला एवं संस्कृति रचनात्मकता का समावेश होता है। हाउरनार संकुल समन्व्ययक जितेंद्र चौहान एवं गीदम संकुल समन्व्ययक योगेश सोनी ने जरूरत सामग्री उपलब्ध कराए और गतिविधियों को संचालित किया। साजिद भारती, जितेंद्र यादव, विनोद शर्मा, त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा ने सांकृतिक, देश भक्ति, छत्तीसगढ़ी गीत, वादन, नृत्य, नाटक सूर ताल के साथ नन्हे कलाकारों को सिखाया। महादेव ठाकुर, शिल्पी चौहान, मनीषा सोनी, सरिता जैन, प्रभा मिश्रा, संजीता चौहान, आभा यादव, राज कुमारी सिन्हा, रीना जैन, गीता अवस्थी, गीता रानी मृगा, बिजली सोनी, शिव राम वेक ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिए बच्चों को घरेलू उपकरण, सजाव, पेंटिंग, कबाड़ से जुगाड़, गुलदस्ता, मूर्तिकला, पेपर क्राफ्ट पर बच्चों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान सर्व शिक्षक, शिक्षिका एवं 85 बच्चें उपास्थित थे।

खरीफ फसल पर 29 हजार टन उर्वरक की डिमांड

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

खरीफ फसल हेतु इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक उर्वरक की मांग देखी जा रही है। बीते वर्ष जहां 26 हजार 399 टन खाद की खपत थी। वहीं इस वर्ष 29 हजार100 टन की डिमांड है। अब तक पांच हजार 954 टन का भंडारण किया गया है। करीब एक लाख हेक्टेयर में धान की फसल ली जानी है।

ज्ञात हो कि बीते वर्ष उर्वरक की किल्लत के चलते इस सीजन में सरकार ने खाद के पर्याप्त भंडारण व वितरण के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को समय पर खाद की आपूर्ति की जा सके। जिले में किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरक व बीज का वितरण किया जा रहा है। इस खरीफ सीजन में बीते वर्ष की तुलना में अधिक खाद की मांग बनी हुई है। सबसे अधिक मांग यूरिया की हो रही है। बीते वर्ष 13 हजार 323 टन की खपत हुई थी जबकि इस वर्ष 14 हजार टन की मांग है। इसी प्रकार सुपर फास्फेट , पोटाश व डीएपी समेत कुल29 हजार 100 टन की मांग बनी हुई है। इसकी तुलना में 1909 टन का भंडारण किया गया है। इस प्रकार बीते वर्ष 26 हजार 399 टन की खपत हुई थी। इस वर्ष 29 हजार 100 टन की डिमांड है। इसके अलावा बीते वर्ष बीज 18 हजार 722 क्विंटल की खपत थी। वहीं इस साल 18 हजार 722 क्विंटल की मांग है।

अमानक खाद पर अंकुश के लिए टीम गठित– जिले में नकली व अमानक उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने तथा किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद-बीज उपलब्ध करवाने की मंशा से विभाग की ओर से मानीटरिंग टीम का गठन किया गया है। टीम के द्वारा शहर के कृषि केंद्रों में निगरानी रखी जाएगी। वहीं खाद व बीज का सैंपल लेकर परीक्षण करवाया जाएगा। हालांकि मांग के अनुरूप पर्याप्त भंडार अभी पर्याप्त नहीं है, लेकिन विभागीय अधिकारियों के अनुसार सीजन के पहले ही पर्याप्त मात्रा में खाद व बीज का भंडारण किया जाएगा।

पर्याप्त भंडारण होने की उम्मीद

जिले में किसानों के मांग के अनुरूप खाद व बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। सीजन के पहले पर्याप्त भंडारण होने की उम्मीद है।

सामाजिक भवन में लाइब्रेरी प्रारंभ करने का प्रस्ताव

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ कुर्मी क्षत्रिय समाज की महत्वपूर्ण बैठक हाटगुड़ा स्थित डॉ खूबचंद बघेल कुर्मी भवन में आहूत की गई थी। जिसमें सर्वसम्मति से सामाजिक भवन के एक हिस्से में वाचनालय प्रारंभ करने का प्रस्ताव लिया गया। वहीं समाज के वरिष्ठ सदस्य वीरेंद्र दिल्लीवार द्वारा सामाजिक भवन निर्माण खर्च का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित उपस्थित रहे। बस्तर जिला में निवासरत छत्तीसगढ़ कुर्मी क्षत्रिय समाज के सदस्यों ने आपसी सहयोग से हाटगुड़ा में डा. खूबचंद बघेल की स्मृति में 10 लाख 13 हजार 500 रुपये की लागत से सामाजिक भवन का निर्माण किया गया है। रविवार शाम इस भवन में समाज की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई थी। बैठक की शुरुआत डा. खूबचंद बघेल की तस्वीर पर पुष्पांजलि से हुई। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्य जगदीश कौशिक ने कहा कि बस्तर में कुर्मी समाज के लोग बड़ी संख्या में लंबे समय से निवासरत हैं। इसे देखते हुए ही सामाजिक भवन का निर्माण किया गया है। हमें भवन निर्माण के दूसरे चरण के लिए भी गंभीर होना होगा। बैठक में भवन निर्माण में पूरी तन्मयता से लगे रहे वरिष्ठ सदस्य वीरेंद्र दिल्लीवार ने बताया कि समाज के सदस्यों से कुल सात लाख 44 हजार 500 रुपये प्राप्त हुए हैं और भवन निर्माण में अब तक कुल 10 लाख 13 हजार 500 रुपये खर्च हुए हैं। लगभग दो लाख 70 हजार रुपये संचय से अधिक खर्च हुआ है, इसलिए समाज के सदस्यों से अपेक्षा है कि वे एक बार और स्वेच्छा से अंशदान करने आगे आएं।

कलेक्टर की अपील का असर प्रशासन की टीम ने रुकवाया बाल विवाह

पायनियर संवाददाता ◄ दन्तेवाड़ा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा बाल विवाह की रोकथाम के माध्यम से जारी अपील का हुआ असर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम को एक बाल विवाह रोकने में सफलता मिली। जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कुम्हाररास में बाल विवाह होने की सूचना चाइल्ड लाइन दन्तेवाड़ा को प्राप्त हुआ। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वरुण सिंह नागेश के मार्गदर्शन में जिले की संयुक्त टीम, जिसमें चाइल्ड लाइन, पुलिस थाना दन्तेवाड़ा एवं जिला बाल संरक्षण इकाई दन्तेवाड़ा के द्वारा विवाह कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर वर एवं वधु का आयु का सत्यापन किया। जिससे वधु द्वारा बताये गये आयु एवं घर के शैक्षणिक प्रमाण-पत्र में उल्लेखित जन्मतिथि के अनुसार दोनों की वैद्यानिक आयु, विवाह हेतु पूरी नहीं पाया गया। कम आयु होने पर प्रशासन की टीम द्वारा बच्चों के परिजनों को समझाइश दी एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियमों से अवगत कराये जाने के साथ आयु पूर्ण होने से पहले विवाह करने पर बालिका के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा होने वाले संतानों के कुपोषित होने के खतरों के बारे में बताया गया। इसके बाद पर पक्ष, बच्चों के विवाह की वैद्यानिक आयु पूर्ण होने से पहले विवाह नहीं कराए जाने पर सहर्ष राजी हो गए।

ग्राम वासियों द्वारा भविष्य में गाँव में अपनी ओर से बाल विवाह नहीं होने देने का वादा भी किया गया। विवाह कार्यक्रम स्थल पर वधु पक्ष के परिवार के लोग उपस्थित नहीं थे इसलिए प्रशासन की टीम द्वारा बालिका को अपने संरक्षण में लेकर बाल कल्याण समिति (बूब) के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया। जहाँ कार्यवाही के दौरान वधु पक्ष द्वारा प्रस्तुत शैक्षणिक दस्तावेज अनुसार बालिका की वर्तमान आयु 18 वर्ष 02 माह है परन्तु वर की आयु 21 वर्ष पूर्ण नहीं होने के कारण, समिति द्वारा दोनों पक्षों से परामर्श कर समझाइश देते हुए बताया कि बाल विवाह केवल सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि कानूनन अपराध भी है, ऐसे विवाह में शामिल माता-पिता, रिश्तेदार, पुरोहित सभी अपराधी माने जा सकते हैं तथा बाल विवाह करने और कराने वाले को दो वर्ष तक कारावास एवं एक लाख रूपए तक जुर्माना भी हो सकता है। समिति ने संबंधित प्रावधानों की जानकारी देते हुए दोनों बालक-बालिका का विवाह आयु पूर्ण होने के पश्चात् ही करने की समझाइश दिया गया दोनों पक्षों की सहमति से समिति द्वारा कार्यवाही पूर्ण कर वधु को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। समिति के द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समयानुसार, इस रोके गये बाल विवाह का फॉलोअप किया जाना सुनिश्चित किया जाये ।

व्यक्तित्व निर्माण शिविर का हुआ शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

गायत्री ग्राम उत्थान सेवा समिति द्वारा संचालित माता भगवती विद्यालय दंतेश्वरी आश्रम में बुधवार को 130 बच्चों व 50 कार्यकर्ताओं के साथ व्यक्तित्व निर्माण पांच दिवसीय आवासीय शिविर प्रारम्भ हुआ। जिसकी शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस दौरान चोलनार सरपंच भीमा मंडावी, पंजमी आर्सेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया से डॉ तेज प्रकाश प्रसांत राय, आजाद पटेल, डी पी डेहरिया, कामता डेहरिया बी आर सेन, तुलसीराम नेताम, राजेश निषाद, प्रताप बेसरा, अवधराम चन्द्रवंसी, मीनाक्षी नेताम प्रधानपाठक माता भगवती विद्यालय मेघराज कुंजाम छात्रवास अधीक्षक दन्तेश्वरी आश्रम चोलनार अन्य ग्रमीण उपस्थित थे।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार स्थापित करने 30 जून तक आवेदन पत्र आमंत्रित

पायनियर संवाददाता ◄ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

छ.ग. राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित एवं विकास निगम द्वारा संचालित नारायणपुर जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियां जो स्वयं के रोजगार स्थापित करना चाहते हो उनसे 30 जून तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवा जिनकी आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच हो वर्ष 2022-23 हेतु आवेदन करने के पात्र होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हितग्राहियों को आदिवासी स्वरोजगार योजनान्तर्गत रोजगार स्थापित करने हेतु विभिन्न व्यवसाय बेकरी कार्य, भोजन बनाना, चाट की दुकान, इंग्लिश कोचिंग क्लासेस एवं सहायता समूह का लेखा संधारण, हेयर कटिंग सेलून/ब्यूटी पार्लर, चाय केटिंग एवं नाश्ता केन्द्र, योग शिक्षा, बच्चों की देखभाल (झूलाघर) लॉडीकार्य, रफूगिरी एवं रंगाई कार्य, घड़ी साज, विद्युत यंत्र सुधारक, साइकल मरम्मत, स्कूटर मोपेड टू व्हीलर रिपेरिंग, घर की साज संभाल, बागवानी एवं नर्सरी, पशु पालन एवं मुर्गी पालन, फूटकर विक्रेता, मसाला उद्योग, सॉफ्ट टॉईज, कृत्रिम आभूषण निर्माण, आपाहिजों एवं बुजूगों की देखभाग, चाट निर्माण, मोमबत्ती निर्माण, स्टेशनरी, सिलाई कढ़ाई बुनाई, स्वेटर बुनाई, मसरूम उत्पादन, ईट खपरा निर्माण, डिर्टिजेंट पावडर निर्माण, लघु वन उपज, वनोषधि निर्माण एवं व्यवसाय, इलेक्ट्रिक मोटर पंप मरम्मत व्यवसाय, खनिज अधारित व्यवसाय, कम्प्यूटर हार्डवेयर मरम्मत व्यवसाय टाटपट्टी, दरी बुनाई व्यवसाय, रेडियो टी.वी. टेप रिपेरिंग व्यवसाय, कास्ट कला फर्नीचर व्यवसाय, दोना पत्तल निर्माण, स्टेशनरी फाईल मेकिंग व्यवसायों से संबंधित ऋष्ठ प्रदाय करने हेतु आवेदन लिया जाना है। कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति ने यह भी बताया कि योजना में आवेदन करने वाले उम्मीद्वार के पास आय, निवास जाति प्रमाण पत्र के साथ ही शैक्षणिक योग्यता, वार्षिक आय सीमा ग्रामीण क्षेत्र आय 40 हजार 500 शहरी क्षेत्र आय 51 हजार 500 सहित सभी वांछित दस्तावेजो के साथ 30 जून 2022 तक आवेदन लिये जाएंगे।

आत्मनिर्भर हो रहे हैं सुदूर क्षेत्र मरईगुड़ा के ग्रामीण

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे चरण के पहले दिन मुख्यमंत्री कोंटा विधानसभा पहुंचे। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल से मिलने सुकमा जिले के सुदूर ग्राम मरईगुड़ा के सरपंच हपका मारा के साथ कोरसा अर्जुन, मड़कम नागेश, माड़वी लक्ष्मण, सुन्नम रत्यैया समेत अनेक ग्रामीण पहुँचे थे। सरपंच के साथ आए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को अपने गांव की मिर्ची, अरहर और कपास के उत्पादन की जानकारी दी। साथ ही गांव में उत्पादित मिर्ची, कपास और अरहर के नमूने भी दिखाए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर बसे ग्रामीणों और किसानों के उत्साह को देखकर खुशी जाहिर की और मरईगुड़ा के सरपंच को बधाई दी। गौरतलब है कि सुकमा जिला मुख्यालय से 150 किलोमीटर दूर बसे मरईगुड़ा में कपास, मिर्च और अरहर की व्यापक खेती शुरू हो गई है। इन उत्पादों को ग्रामीण स्थानीय बाजार के साथ ही सीमावर्ती राज्य आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में विक्रय करते हैं। मरईगुड़ा कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित गांव था लेकिन मुख्यमंत्री बघेल के प्रयास और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं की वजह से यहां के किसान उन्नत खेती कर रहे हैं तथा भयमुक्त वातावरण में खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

दन्तेवाड़ा स्व-सहायता समूहों के महिलाओं के लिए वरदान बनी इमली

पायनियर संवाददाता ◄ दन्तेवाड़ा
www.dailypioneer.com

दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा का संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में एशिया की सबसे बडी इमली मंडी है। यहॉ से इमली देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ दूसरे देशो को भी भेजी जा रही है। बस्तर संभाग के जिला दंतेवाड़ा की आबोहवा इमली के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है, हर साल टनों इमली की पैदावारी और कारोबार दंतेवाड़ा में होता है।

दंतेवाड़ा जिले के ग्रामीण अंचलों में पर्याप्त संख्या में इमली के पेड़ हैं, यहां हजारों परिवार की आजीविका इमली के कारोबार पर निर्भर है। अंचल के ग्रामीण हर साल गर्मी के सीजन में लघु वनोपज इमली का संग्रहण कर स्थानीय व्यापारियों और कोचियो को औने-पौने दाम पर ब्रिकी करते थें, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों/संग्राहकों को उचित लाभ प्राप्त नहीं होता था। जिला प्रशासन एवं वन विभाग दंतेवाड़ा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति को जिले में क्रियान्वयन करते हुए लघु वनोपज (इमली) का समर्थन मूल्य पर खरीदी, मूल्य संवर्धन की दिशा एवं स्व-रोजगार योजना के तहत महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार देने के उद्धेश्य से ÷इमली संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन÷ परियोजना प्रारंभ किया गया।

जिला यूनियन अंतर्गत वर्ष 2021-22 में इमली के समर्थन मूल्य 33 रूपयें प्रति किलो की दर से महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 15421.53 क्विटल इमली की खरीदी गई। जिससे क्षेत्र के लगभग 12400 ग्रामीण परिवारों को राशि रू. 509.00 लाख पारिश्रमिक भुगतान किया गया। इमली संग्राहकों ने बताया कि समर्थन मूल्य पर इमली खरीदी से उनकी और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। इमली खरीदी में 78 महिला स्व-सहायता समूहों को रू. 8.31 लाख का आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ।

÷प्रसंस्करण÷ केन्द्र के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण उपरांत इमली प्रोसेसिंग का कार्य कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले के 05 प्रसंस्करण केन्द्रों में संलग्न 75 महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा कुल 22000 क्विंटल इमली का प्रसंस्करण कर 11000 क्विटल फूल इमली निर्मित किया जा चुका है। फूल इमली से चपाती इमली, इमली सॉस एवं अन्य खाद्य उत्पाद निर्माण से वनोपज का मूल्यवर्धन कर विक्रय जा रहा है। प्रसंस्करण कार्य में संलग्न स्व-सहायता समूहों को 146.25 लाख रूपये का आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ है।

महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा निर्मित फूल इमली (बीज रहित इमली), चपाती इमली, इमली सॉस आदि की मार्केटिंग राज्य स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ अधिकृत छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांडिंग के माध्यम से किया स्थानीय संजीवनी मार्ट, एन.डब्ल्यू. एफ.पी. मार्ट एवं आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा राज्य के व्यापारियों के माध्यम से विक्रय किया जा रहा है। इमली संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन से जिले के इमली संग्राहको को आर्थिक लाभ एवं महिलाओं को सतत् रोजगार प्राप्त हो होने से उनका जीवन खुशहाल हो रहा है।

ग्राम जमावाड़ा 1 के माता मेला मंडई में शामिल हुए संसदीय सचिव रेखचंद जैन

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव (नगरीय प्रशासन एवं श्रम विभाग) रेखचंद जैन ने ग्राम पंचायत जमावाड़ा 1 के माता मेला एवं मंडई में शामिल हुए एवं परदेसिन माता एवं जलनी माता की विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ बस्तर के सुख शांति समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा की हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी बस्तर की आस्था के केंद्र माता गुड़ियों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं इस हेतु मांग अनूरूप बस्तर आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मद से राशि स्वीकृत की जा रही है आज माता के आशिर्वाद से बस्तर में वामपंथ हिंसा पर काबू पाकर पुनः विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है हमारी सरकार बनने के बाद से आदिम संस्कृति एवं मान्यताओं को संरक्षित करने का कार्य लगातार किया जा रहा है माता के आशिर्वाद से आज बस्तर कोरोनावायरस संक्रमण जैसी महामारी से निजात पाने में सफल हो गया है पिछले दो वर्षों से कोरोनावायरस संक्रमण के कारण मेला मंडई का आयोजन वृहद स्तर पर नहीं हो पाया था पर इस वर्ष यह आयोजन वृहद स्तर पर हो रहा है जलनी माता एवं परदेसिन माता से कामना है की कोरोना यदि अगले वर्ष तक खत्म हो जाएगा तो इस मेले मंडई को और वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

वन अधिकारियों ने वस्तुस्थिति की ली जानकारी

मैनपुर के नजदीक जंगल में 25 हाथियों का दल पुनः पहुंचा, क्षेत्र के लोगों में दहशत

पायनियर संवाददाता < मैनपुर
www.dailypioneer.com

तहसील मुख्यालय मैनपुर के नजदीक ठेमली पथर्री जंगल में लगभग 25 हाथियों का दल पुनः पहुंच है, जिसे लेकर क्षेत्र के लोगों में दहशत है। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के बाद सामान्य वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहे लगभग 25 हाथियों के दल ने बुधवार को मैनपुर परिक्षेत्र के ठेमली, पथर्री, कन्हारपारा ग्राम के आसपास किसानों की फसलो को रौंदते हुए ठेमली जंगल कक्ष क्रमांक 1066 मे डेरा जमाए हुए है। हाथियों का दल सिकासेर क्षेत्र के जंगलों से होकर मैनपुर वन परिक्षेत्र में दाखिल हुआ है एवं मैनपुर मुख्यालय क्षेत्र के नजदीक पहुंचने से वन विभाग हाथी विचरण क्षेत्र के ग्रामों में लगातार मुनादी कराते हुए सतर्क रहने अपील कर रहा है। मंगलवार को देर शाम ग्राम ठेमली पथर्री, कन्हारपारा जंगल क्षेत्र में सुबह हाथियों का दल अठखेलियां कर रहे थे। जिन्हे ग्रामीणों ने देख वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग परिक्षेत्र अधिकारी संजीव मरकाम अपने वन कर्मयों एवं गज दल के साथ मौके पर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने की जानकारी पर प्रभावित किसानों का मुआवजा प्रकरण तैयार करने निर्देश जारी किया है। वन प्रशासन लगातार लोगों की जान माल की सुरक्षा को लेकर सक्रिय है और वन अफसर व कर्मी हाथियों के पल-पल की खबर रखने हाथियों के झुंड के पीछे दुरियां बनाकर चल रहे हैं। बुधवार सुबह मैनपुर से महज आठ किलोमीटर दूर ठेमली पथर्री के जंगल मे छोटा डबरी में हाथियों का जलक्रीडा आज पूरे दिन इंटरनेट मिडिया पर जमकर वायरल होते रहा। वन परिक्षेत्र मैनपुर के कक्ष क्रमांक 1066 में दल है और जिस-जिस गांव को पार कर हाथियों का दल गुजरा उन ग्रामों व रास्तों में हाथियों के मल व पैर के निशान देखे गए। हाथियों ने फसलों के साथ पेड़ों को नुकसान पहुंचाया है। जानकारी पर एसडीओं राजेंद्र सोरी, वन परिक्षेत्र अधिकारी संजीव मरकाम व वन अमला लगातार हाथियों वाले जंगल क्षेत्र मे डटे रहे। ठेमली पथर्री के किसान मगन सिंह, जगन्नाथ, छगन, रामसिंह जिनके खेत में आज रात लगभग 9 से 10 बजे के आसपास लगभग 25 हाथियों के दल ने सात किसानो के फसलो को रौंद कर नुकसान पहुंचाया है। ट्यूबवेल के सहारे रबी की खेती कर रहे किसान फसलो को बचाने लगातार जद्दो जहद कर रहे हैं। फसलों की रखवाली कर रहे किसान हाथियों के दल के बीच बाल-बाल बचे।

वन परिक्षेत्र अधिकारी संजीव मरकाम ने बताया कि लगभग 25 हाथियों का दल सिकासेर के जंगल से होते हुए मैनपुर वन परिक्षेत्र के ठेमली पथर्री जंगल में है। ठेमली, पथर्री, बोईरगांव, बरदूला, नहानबिरी, भाठीगढ़, हरदीभाठा, मैनपुरकला, फुलझर, भठगांव, साह्लेभाठ, कोदोभाठ, बड़े गोबरा, छोटे गोबरा समीपस्थ समस्त ग्रामों के ग्रामीणों को अलर्ट किया जा रहा है। वन मार्गो का प्रयोग न करने हाथी विचरण क्षेत्र मे नही जाने अपील किया जा रहा है।

प्रदूषित पानी में निस्तारी कर रहे भटगांव के रहवासी

पायनियर संवाददाता < भटगांव
www.dailypioneer.com

भटगांव के तालाबों में नालियों का गंदा पानी जा रहा है जिसके चलते पानी प्रदूषित होने लगा है। वहीं नगर के लोग इसी प्रदूषित पानी में निस्तारी करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। भटगांव में मुख्य रूप से दो तालाब हैं, जहां कई नालियों का गंदा पानी जा रहा है। वहीं एक तरफ अडबंधा तालाब में सुंदरीकरण-चौपाटी निर्माण कार्य 50 लाख के बजट से कराया जा रहा हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश उसी तालाब में नाली का गंदा पानी भर रहा है।

नगर भटगांव की आबादी लगभग 20 हजार हैं, उसमे से आधी आबादी रोजाना दोनों तालाबों में निस्तारी करते हैं, लेकिन नाली का पानी जाने के बाद लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त हैं। लोगों को मजबूर होकर उसी पानी में निस्तारी करना पड़ रहा है। बरसात में इन्हीं दोनों तालाबों के माध्यम से भटगांव के कई छोटे तालाबों व सैकड़ों किसानों के खेतों को पानी मिल पाता है, लेकिन कई नालियों के गंदे पानी का तालाब में आकर मिलने से नगर में भयंकर महामारी व बीमारी का खतरा नगरवासियों के लिए बन सकता है। रोजाना नगरवासियों के द्वारा इन्हीं पानी से निस्तारी करना पड़ता है जिससे नगरवासी ही नहीं मवेशियों व किसानों के फसलों को भी नुकसान होने का खतरा बना हुआ हैं। वहीं नगर के सत्ताधारी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी इस बात की जानकारी होते हुए भी कुंभकर्णी निंद्रा में सोए हुए हैं।

24 मई को होगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

बलौदाबाजार। रोजगार विभाग द्वारा जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु जिला मुख्यालय स्थित रोजगार कार्यालय परिसर में 24 मई को सुबह 11:00 से 3:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेन्ट कैम्प में नियोजक समृद्ध किसान बायों प्लांटेक बिलासपुर द्वारा ग्रुप लिडर के 20 पद,योग्यता 12वीं, स्नातक उम्र 20 से 35 वर्ष (पुरूष), 01 से 03 वर्ष का अनुभव वेतन 15 हजार से 20 हजार तक देय होगा। सेल्स आफिसर के 25 पद, योग्यता 12वीं, स्नातक, उम्र 20 से 30 (पुरूष) वर्ष, अनुभव 0 से 01 वर्ष, वेतन 10 हजार से 15 हजार तक देय होगा। एफओई के 2 पद, योग्यता बी काम, टेली, उम्र 20 से 35 वर्ष (महिला/पुरूष),अुनभव 01 से 03 वर्ष, वेतन 6 हजार से 10 हजार तक देय होगा। समस्त पदों हेतु कार्यक्षेत्र बेमेतरा,कवर्धा, बिलासपुर, मुगेली होगा। इच्छुक आवेदक अनिवार्य रूप से समस्त प्रमाण,पत्र आधार कार्ड दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय से या दूरभाष न. +91-7727-299443 से सम्पर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बलौदाबाजार को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अन्य वर्ग के हितग्राहियों को लाभान्वित करने हेतु बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 20 लक्ष्य के विरूद्ध इच्छुक हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित किया जाना है।

योजनांतर्गत स्वयं का उद्यम स्थापित करने उद्योग गतिविधि हेतु अधिकतम 25.00 लाख, सेवा उद्योग हेतु अधिकतम 10.00 लाख एवं व्यवसाय हेतु अधिकतम 2.00 तक का ऋण राष्ट्रीयकृत बैंको के माध्यम से उपलब्ध कराया जावेगा अनु. जाति/अनु. ज. जाति के द्वारा स्थापित इकाई को 25 प्रतिशत अधिकतम 1.50 लाख रू0 तक अन्य पिछड़ा वर्ग महिला / अल्पसंख्या/ विकलांग को 15 प्रतिशत अधिकतम 1.50 लाख रू0 तक एवं सामान्य वर्ग के द्वारा स्थापित इकाई को 10 प्रतिशत अधिकतम 1.00 लाख तक अनुदान की पात्रता है।

इच्छुक हितग्राही कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते है। विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र,आधार कार्ड, ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र, भूमि/भवन की दस्तावेज, अनुभव प्रमाण पत्र, न्यूनतम कक्षा आठवीं अंकसूची, पासपोर्ट आकार का फोटो एवं शपथ पत्र के साथ आवेदन दो प्रतिया में 15 जून 2022 तक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सयुक्त जिला कार्यालय बलौदाबाजार के कक्ष क्र. 71 में जमा कर सकते है।

योजना की विस्तृत जानकारी कार्यालय से एवं हेल्प डेस्क नं. प्रबंधक एस. बी. राम,मो.नं. +91-83199-22678 एवं सहायक वर्ग 2 धर्मेन्द्र कुमार साहू मो. नं. +91-75663-01284 से भी संपर्क कर सकते है।

शिक्षक राजेश घृतलहरे की सुपुत्री निधि रानी ने 12वीं बोर्ड में 77 फीसदी अंक अर्जितकर अंचल को गौरवान्वित किया

पायनियर संवाददाता < लवन
www.dailypioneer.com

बलौदाबाजार जिला मुख्यालय के तहसील लवन अन्तर्गत ग्राम पंचायत डोंगरीडीह निवासी शिक्षक राजेश कुमार घृतलहरे जो कि वर्तमान में डोंगरीडीह से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा मे बसा ग्राम पंचायत तिल्दा के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ हैं। बताते चलें कि शिक्षक राजेश कुमार घृतलहरे की सुपुत्री निधि रानी 12वी बोर्ड परीक्षा में 77 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। इससे पहले भी 10वी बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होकर माता पिता परिवार, अंचल, शिक्षक सभी का नाम रोशन किये। इस बार भी

सभी के उम्मीदों पर खरा उतरते हुए बहुत ही अच्छे अंको के साथ परीक्षा उत्तीर्ण किये हैं। इस उपलब्धि पर परिवार के लोगों, रिश्तदारों, विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं में हर्ष का माहौल है। गौरतलब हो कि निधि रानी बलौदाबाजार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ आरक्षक अशोक घृतलहरे की भतीजी है। निधि रानी की उपलब्धि पर परिवार में पिता राजेश घृतलहरे, माता निर्मला घृतलहरे ,चाचा अशोक घृतलहरे सहित सरपंच प्रतिनिधि पंकज घृतलहरे, छोटे लाल घृतलहरे, हुसैन कठोत्रे, पत्रकार गोलू कैवर्त, भगदन कैवर्त, रामावतार कुर्रे, प्रेमसागर, धर्मेंद्र खूंटे, संजय कुर्रे के अलावा टी आई राजेश जांगड़े ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किये।निधि रानी के सफलता पर परिवार के लोगों के अलावा गांव के लोगों ने मिठाई खिलाकर निरन्तर सफलता अर्जित करने की शुभकामनाएं दिये।यह भी बताना जरूरी है कि निधि रानी वर्तमान में कक्षा12 वी की पढ़ाई बलौदाबाजार स्थित गुरुकुल अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में पढ़ाई कर यह सफलता प्राप्त किये हैं, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कर 77 प्रतिशत लेकर आना कोई आसान नहीं था ,लेकिन निधि रानी ने लगन एवं दृढ़ निश्चय के साथ लक्ष्य बनाकर पढ़ाई कर यह सफलता प्राप्त कर साबित कर दिया कि दृढ़ निश्चय एवं एकाग्रता के साथ पढ़ाई करने से कोई भी सफलता असम्भव नहीं है। निधि रानी ने वरिष्ठ पत्रकार गोलू कैवर्त से चर्चा करते हुए बताया कि उनकी इस सफलता के पीछे प्रमुख योगदान उनके माता पिता, विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओ में गुरुकुल की प्राचार्या वंदना तिवारी के अलावा चाचा अशोक घृतलहरे को बताया,आगे क्या बनना चाहते हैं कि बात पर कहा कि उनका शुरू से ही लक्ष्य है कि वह प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्य करना चाहती हैं। आगे यह बात भी कहा कि वह अपनी सफलता पर बहुत ही खुश हैं।

जिले में 43 शासकीय उचित मूल्य की दुकान के आबंटन के लिए पात्र एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित

- आवेदन की अंतिम तिथि 11 मई से बढ़ाकर की गयी 27 मई

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश के अनुसार जिले के बलौदाबाजार विकासखण्ड अंतर्गत 43 शासकीय उचित मूल्य की दुकान के आबंटन हेतु पात्र एजेंसियों से आवेदन लिया जाना है। जिसमें ग्राम पंचायत एवं महिला स्व-सहायता समूह, प्राथमिक कृषि समितियों, अन्य सहकारी समितियों एवं वन सुरक्षा समिति शामिल है। दुकान आबंटन के लिए पात्र एजेंसी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बलौदाबाजार कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेज सहित निर्धारित प्रारूप में कार्यालयीन दिवस में उपस्थित होकर आवेदन जमा किया जा सकता है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 मई तक निर्धारित की गयी थी। जिसे बढ़ाकर अब 27 मई तक कर दी गयी है। लउक्त तिथि के बाद जमा होने वाले आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। महिला समूह एवं सहकारी समितियों का पंजीयन आवेदन तिथि से 3 माह पूर्व का पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन गावों के दुकानों को के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है वह इस प्रकार है। लटुवा, सरकीपार, खम्हारडीह, हलवाई खपरी, ठेलकी कोलिहा, कंजी, चांपा, कोयदा, गोड़खपरी दशरमा, चंगोरी, भरसेला बड़ा, पुरेना खपरी, अमलीडीह, कुकुरदी, बिटकुली, सुनसुनिया, ताराशिव, कारी, अहिल्दा, अमलकुण्डा, भरसेला नया, खैन्दा खैंदा ड डोटोपार, चिचिरदा, सोनाडीह, खटियापाटी, पैंजनी, रसेड़ी, रवान, डोंगरीडीह, मोहतरा, पौसरी, करदा, मेढ़, मुण्डा, धाराशिव, देवरी, सिंघारी, सलौनी, हरदी शामिल है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के खण्ड (9) के उपखण्ड (4) के अनुसार किसी भी पात्र संस्था को अधिकतम 2 शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन के प्रावधान है। वर्तमान में बलौदाबाजार विकासखण्ड में 17 सेवा सहकारी समितियों द्वारा 76 उचित मूल्य दुकानों का संचालन किया जा रहा है।

20 लीटर देशी महुआ शराब के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

जिले में चल रहे मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर पुलिस ने 20 लीटर शराब के सात कोचिए को गिरफ्तार किया। सिंघोडा पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम कलेण्डा का एक व्यक्ति अपने बाड़ी में अवैध रूप से देशी महुआ शराब बिक्री हेतु छुपाकर रखा है कि सूचना मिलने पर हमराह स्टाफ के जाकर घेराबंदी कर शराब रेड कार्यवाही किया। श्रीराम बरिहा पिता नारायण बरिहा उम्र 45 कलेण्डा थाना सिंघोडा. बताया है जिसके पास से एक नीले सफेद रंग के पच्चीस

लीटर क्षमता वाली प्लास्टिक ड्रम मे भरी हुई लगभग20 लीटर हाथ भठ्ठी निर्मित देशी महुआ शराब कीमती 4000रूपये। को समक्ष गवाहन के जप्त कर आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से आरोपी को विधिवत गिरफ्तार न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। सम्पूर्ण कार्यवाही पुलिस अधीक्षक महासमुंद विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेम्भूरकर साहू एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सरायपाली विकास पाटले के निर्देशन मे थाना प्रभारी सिंघोडा निरीक्षक केशव राम कोशले, प्रधान आरक्षक 174 नवीन बारिक, आर0 873 धर्मेन्द्र साहू, के टीम के द्वारा किया गया।

अवैध कब्जा हटाने सरपंच ने तहसीलदार एवं थानेदार को ज्ञापन सौंपा

सिमगा। गौठान व ग्राम पंचायत भवन के सामने अवैध कब्जा हटाने एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने सरपंच ने तहसीलदार एवं थाना निरीक्षक को दिया ज्ञापन। ग्राम पंचायत चंदेरी के सरपंच विशाल मानिकपुरी ने गौठान व ग्राम पंचायत भवन के सामने अवैध कब्जा हटाने एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु अवैध कब्जा धारियों एवं असामाजिक तत्वों के नाम लिखित शिकायत किया है। शिकायत में सरपंच ने लिखा है कि ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने ही शराब के नशे में धुत्त होकर पंचायत के प्रतिनिधियों से शासकीय सेवको से अभद्रतापूर्वक व्यहवार करने के कारण पिछले एक सप्ताह से ग्राम पंचायत कार्यालय भी नहीं खुल रहा है जिससे ग्राम पंचायत का कार्य प्रभावित हो रहा है ।

निकली कलश यात्रा

श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा आयोजित

पायनियर संवाददाता < तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

बुधवार को श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। श्रीमद्भागवत कथावाचक पूज्य अशोक कृष्ण महाराज ज्योतिषाचार्य के सानिध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे के साथ सैकड़ों महिलायें मिट्टी कलश में जल लेकर भागवत स्थल तक पहुंचे।यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा आतिशबाजी एवं पूजन के साथ स्वागत किया गया। । इस शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने धर्म की जय हो, अर्धम का नाश हो आदि जयकारे व हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, हरे राम आदि कीर्तन करते भागवत कथास्थल तक पहुंचे। पारंपरिक वाद्ययंत्र व मंगलध्वनि के गूंजते रहने से आसपास का वातावरण भी भक्तिमय हो उठा। भागवत कथा आयोजन से तिल्दा नेवरा शहर में भक्ति व उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस कार्यक्रम का सफल संचालन के लिए श्री राधा कृष्ण महिला मानस मंडली एवं श्री राधा कृष्णमंदिर समिति तथा समस्त मोहल्ले वासियो का सराहनीय योगदान रहा है।अशोक कृष्ण महाराज ज्योतिषाचार्य जी ने कहा कि भागवत केवल एक पुस्तक ही नहीं है, अपितु साक्षात भगवान श्रीकृष्ण का ही स्वरूप है। यह बात स्वयं नारायण भगवान भागवत के 11 वें स्कंद में स्वीकार करते है।श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से कलियुग में सभी प्रकार के कष्टों का नाश होता है। वहीं पितरों को मुक्ति भी मिलती है।

डिप्टी रेंजर दीपक तिवारी की टीम ने पकड़ा अवैध लकड़ी

- अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर पर वनविभाग ने किया कार्रवाई

पायनियर संवाददाता < तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

जंगल में चल रहे पेड़ कटाई के खिलाफ अभियान चलाकर डिप्टी रेंजर की टीम ने अवैध लकड़ी परिवहन करते ट्रैक्टर को पकड़ा। सीसीएफ नायक रायपुर और वन मंडल अधिकारी रायपुर विश्वेश कुमार के निर्देशन में स.प.अ. तिल्दा दीपक तिवारी के नेतृत्व में इंदर चंद धनकर वनरक्षक, यदु कुमार साहू वनरक्षक, जागेश बांधे वनरक्षक, सनत कपूर, सौरभ, धर्मेंद्र, राधेश्याम, वाहन चालक रामेश्वर साहू एवं वन स्टॉप तिल्दा के द्वारा मुखबीर की सूचना पर लगातार घेराबंदी खरोरा से छड़िया मार्ग के पास एक ट्रैक्टर ट्राली सीजी04एमआर 8577 को रोका गया। जिसमें अवैध रूप से मिश्रित लकड़ी का लट्ठा बिना परिवहन अनुज्ञा पत्रक के परिवहन किया जा रहा था। जिसका मौका स्थल पर जप्तीनामा और पंचनामा बना कर उक्त वाहन को काष्ठागार खरोरा लाया गया। बताया जा रहा है उक्त लकड़ी शिवकुमार धीवर के द्वारा बिना कोई वैधानिक कागजात के परिवहन कर बेचने के लिए ले जाया जा रहा था।

खुर्सीपार जोन क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 51 में जल स्रोत के लिए भरपूर है कुएं

- **टैंकरों की भी जरूरत नहीं, वाटर रिचार्ज एवं कृत्रिम स्त्रोत का बड़ा माध्यम है कुआं**

गर्मी के दिनों में भी पानी की मात्रा में कमी नहीं

पायनियर संवाददाता < भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत एक ऐसा वार्ड जिसमें घर-घर में बहुतायत मात्रा में कुएं बने हुए हैं। जल स्त्रोत का बेहतर साधन इस वार्ड में दिखाई देता है। खुर्सीपार जोन क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 51 शहीद वीर नारायण सिंह नगर में घरों और सार्वजनिक स्थानों पर कुएं बने हुए है और इन कुवों में गर्मी के दिनों में भी आश्यकता के अनुरूप पानी की मात्रा भरपूर है। कुआं वाटर रिचार्ज का एक बेहतर जल स्त्रोत है। शहीद वीर नारायण सिंह नगर के काफी लोग इसी पानी का उपयोग निस्तारी एवं दैनिक उपयोग के लिए वर्षो से करते आ रहे हैं। ज्यादातर कुओं में नीचे मुरूम है जिससे पानी शुद्ध मिलता है। उल्लेखनीय है की मेयर नीरज पाल पेयजल को लेकर बेहद गंभीर है और निगम के सभी वार्डो पर पानी सप्लाई को लेकर प्रतिदिन फीडबैक ले रहे है। पेयजल व्यवस्था देखने पहुंचे निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड का घूम-घूम कर निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रकार के जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जो भी आवश्यक कदम है वह उठाया जाए। निगमायुक्त ने स्वयं कुआं से पानी निकाला और पानी का टेस्ट लेकर पानी की गुणवत्ता परखनी चाही, पानी शुद्ध और ठंडा मिला। कुछ लोगों के घरों के अंदर के कुएं का निरीक्षण भी इस दौरान किया गया। वहां के रहवासियों ने बताया कि अधिकतर लोगों के यहां कुआं है जिसमें आवश्यकता के अनुरूप पानी मिल जाता है और इसी पानी का उपयोग दैनिक क्रियाओं के लिए करते हैं। निगम के खुर्सीपार जोन के कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े ने आयुक्त को जानकारी देते हुए बताया कि इस वार्ड में कभी भी टैंकर की जरूरत नहीं पड़ी, इसका कारण है कि कृत्रिम जल स्रोत का एक बड़ा माध्यम इस वार्ड क्षेत्र में मौजूद है। लोगों ने बताया कि 15 से 20 कुआं इस वार्ड में निर्मित है, हालांकि अधिकतर लोग यहां पर पीने का पानी का उपयोग निगम द्वारा दिए गए नल कनेक्शन से ही करते हैं, इतना बड़ा वार्ड होने के बावजूद भी यहां पानी की समस्या उत्पन्न नहीं हुई, खुर्सीपार पानी टंकी से इस वार्ड क्षेत्रों के लोगों को पानी दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकार, उपअभियंता नितेश मेश्राम व बसंत साहू आदि मौजूद रहे।

बस स्टैंड सुलभ शौचालय की सेप्टिक टैंक हुई खराब

किरंदुल। किरंदुल बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक सुलभ शौचालय की सेप्टिक टैंक ख़राब होने के कारण उक्त स्थल से काफी दुर्गंध आती थीं। जिसे ध्यान में रखकर नगरपालिका परिषद द्वारा शौचालय को अस्थाई रूप से बंद करवाकर बाहर सूचना पत्र लगाया गया हैं। उक्त स्थल के दुकानदार गणेश गुप्ता, प्रभाकर बारीक एवं राकेश ने मीडिया से कहा कि 28 अप्रैल से शौचालय बंद पड़ी होने के कारण यात्रियों एवं दुकानदारों को शौच जाने में काफी परेशानी हो रहीं है। दूसरी ओर नगरपालिका सफाई दरोगा ने बताया कि नया सैप्टिक टैंक निर्माण कार्य जारी है ओर जल्द ही इस समस्या का निराकरण किया जाएगा।

निगम की तोड़ूदस्ता ने ढहाई दुकानदार की बनाई अतिक्रमित शेड

- **सड़क पर अतिक्रमण करने वाले अन्य 4 पर भी कार्रवाई**
- **जोन 5 की राजस्व और विशेष तोड़ूदस्ता की टीम ने की संयुक्त कार्रवाई**

पायनियर संवाददाता < भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने निगम की टीम द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त शहर को अवैध कब्जों से मुक्त करने के साथ ही स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने की दिशा में प्रयासरत हैं व इसके लिए वे निगम की गठित बेदखली टीम को निर्देश दे रखे हैं। वहीं आयुक्त ने निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कहीं भी अतिक्रमण की शिकायत आती है तो उनका निरीक्षण कर वास्तविकता का पता लगाए और जल्द बेदखली कार्रवाई की जाए। लोकेश साहू ने विजय लक्ष्मी सोनी पति पीके सोनी के विरूद्ध हुडको में बी मार्केट शॉप नं. 10 के पीछे लोहे की पाइप गड़ाकर टीन व पीव्हीसी सीट लगाकर कर अतिक्रमण करने की शिकायत की थी। तहसीलदार नजूल ने अतिक्रमणकर्ता से जवाब प्रस्तुत करने कहा था। जवाब में अस्थाई निर्माण कर शेड बनाना स्वीकार किया। जवाब व जांच उपरांत अतिक्रमणमुक्त का नोटिस दिया गया था। जोन 5 की राजस्व विभाग व विशेष तोड़ूदस्त टीम द्वारा नजूल तहसीलदार दुर्ग के आदेश पर सेक्टर 10 में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटाया गया। जोन आयुक्त जोन 5 के निर्देश पर हुडको निवासी विजय लक्ष्मी सोनी और अन्य 4 लोगों द्वारा सड़क मार्ग पर अतिक्रमण कर लिया गया था। इसे जोन 5 की राजस्व विभाग और विशेष तोड़ूदस्ता की टीम के संयुक्त प्रयास से हटाया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व्हीके सामुअल, शशांक सिंधु, दुर्योधन साहू, मंगल प्रसाद, गौकरण कुर्रे, चैतूराम यादव, खेमलाल यादव, विष्णु सोनी, मानसिंह जांगडे, डी मुसलैय्या, राहुल यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

भानुप्रतापपुर के मुख्य चौक पर परिवहन संघ ने किया चक्काजाम

- **जिला प्रशासन परिवहन संघ व ठेकेदारों के बीच सुलाह कराने कर रही मशक्कत यात्रियों को हो रही परेशानी**
- **घंटे अधिक चक्काजाम, प्रशासन असहाय**

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

ग्राम हाहालद्दी में स्थित मोनेट माइंस में परिवहन संघ व ठेकेदार में परिवहन राशि में बढ़ोतरी को लेकर आपस में ठन गई व मामला इतना तूल पकड़ किया है कि परिवहन संघ इस मुद्दे को लेकर चक्का जाम तक कर दिया है जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। वहीं जिला प्रशासन की लाख कोशिशों के बाद भी चक्का जाम अब तक बहाल नहीं हो पाया है जिससे राहगीरों व आम जनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में परिवहन की दर 15 प्रतिशत चल रही है जिस पर जिला परिवहन संघ 25 प्रतिशत अनुपात बढ़ाए जाने की मांग को लेकर तड़के 4 बजे से ही भानुप्रतापपुर व आसपास क्षेत्र को जाम कर दिया है। मुख्य चौक में ही टेंट, चटाई लगाकर प्रदर्शन कर रहे है। वही प्रशासन, ठेकेदार के प्रतिनिधि के व संघ के प्रतिनिधियों के साथ लगभग तीन बार बैठक करवा चुकी है उसके बाद भी बात नहीं बन पा रही है।

भानुप्रतापपुर परिवहन संघ पदाधिकारी, सदस्य भानुप्रतापपुर के मुख्य बाबा शतराम चौक पर वाहनों को आड़ा तिरछा खड़ी कर सड़क को पूरी तरह घेर कर सदस्य सड़क पर बैठे हुए है। भानुप्रतापपुर के चारों मार्ग अंतागढ़, दल्ली राजहरा, कांकेर एवं दमकसा पर बड़ी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद है। किसी भी प्रकार की अनहोनी न हो इसको लेकर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात है। जिला प्रशासन की ओर से एडीएम सुरेन्द्र वैद्य, तहसीलदार सुरेन्द्र उर्वशा, एसडीओपी प्रशांत पैकरा भी मौके पर पहुँचकर समझाने का प्रयास किया पर संघ के सदस्य नहीं माने। परिवहन ठेकेदार के प्रतिनिधि दीपेश चोपड़ा ने धरना स्थल में पहुँचकर कहा परिवहन ठेकेदार दिल्ली में है आने के बाद चर्चा किया जाएगा और सभी परिवहन संघ, समिति के साथ बैठकर तय किया जाएगा। इसके लिए एक सप्ताह समय लगेगा। वहीं दूसरी ओर परिवहन संघ अध्यक्ष गुरदीप सिंह ढींढसा ने सभी सदस्यों की राय जानने के बाद एलान किया कि अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगी। रात को भी राशन पानी के साथ प्रदर्शन जारी रहेगा।

जाम लगने से वाहनों की लगी लम्बी कतार लग गई है

भानुप्रतापपुर के दल्ली राजहरा, अंतागढ़, कांकेर संबलपुर दमकसा मार्ग के चारों ओर चक्का जाम होने से बड़ी संख्या में वाहनों की कतार लग गई वही सबसे ज्यादा परेशानी यात्रियों को झेलनी पड़ी यात्रियों को पैदल ही कई किलोमीटर चलकर अपने गंतव्य के लिए जाना पड़ा।

एसडीएम पर मारपीट का आरोप

एसडीएम जितेंद्र यादव पर परिवहन संघ के 3 सदस्यों ने चक्काजाम के पूर्व रात्रि में मारपीट किये जाने का आरोप लगाया है।

आरोप बेबुनियाद-एसडीएम

इस घटनाक्रम की जानकारी देते हुए एसडीएम ने बताया कि सड़क में चक्का जाम को हटाने फ्लैग मार्च किया गया था ताकि लोगों असुविधा न हो सके व परिवहन संघ व ठेकेदारों के बीच सुलाह कराने जिला प्रशासन भरसक प्रयास कर रही है साथ एसडीएम ने मारपीट के आरोप को बेबुनियाद बताया है।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के 6वें चरण में कार्यकर्ता घर-घर जाकर कर रहीं है मलेरिया जांच

पायनियर संवाददाता < दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के 6वी चरण की शुरूआत 17 मई को गई।इसके अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा घर-घर भ्रमण कर मलेरिया, टी.बी., मोतियाबिंद, एंव स्केबिज की जाँच एवं उपचार किया जायेगा।जिले के समस्त विकासखण्डो में उक्त अभियान के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु समस्त स्वास्थ्य दलों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है।बता दें इस अभियान के तहत आज आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताएँ वार्ड क्रमांक 01 में घर घर जाकर 70 लोगों का मलेरिया जांच किये।जिसमें कोई भी पॉजिटिव नहीं पाया गया।इस कार्य में प्रभाती दास, चन्द्रमणि साहू,देवती श्रीवास का योगदान रहा।

मछुआ कल्याण बोर्ड की अहम बैठक में शामिल हुए आदित्य

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

मछुआ कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ की आम बैठक 18 मई 2022 को जिला धमतरी के जिला पंचायत के गर्भ गृह में रखा गया उक्त बैठक में मछुआरों की छोटी-छोटी समस्याओं को सुनने के लिए मछुआ सहकारी समिति की भी समस्याओं से रूबरू होने के लिए यह बैठक हम थी उक्त बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष माननीय एम.आर. निषाद जी विशिष्ट अतिथि के रुप में मछुआ कल्याण बोर्ड के सदस्य आर .एन .आदित्य अधिवक्ता सराईपाली , बोर्ड के सदस्य दिनेश फुटान जी , देव निषाद जी , साथ ही साथ सभी सहकारी समिति के सदस्य, मछुआरा समूह के साथ-साथ जिला धमतरी के मत्स्य मत्स्य विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे , मछुआरों की समस्याओं से सम्माननीय निषाद जी रूबरू होकर उनके समस्याओं का तत्काल समाधान करते हुए अधिकारी को आने वाले भविष्य में अच्छे कार्य करने और समस्याओं को त्वरित निराकरण करने के लिए हिदायत दिए, अधिवक्ता आदित्य ने कहा कि वास्तव में छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुखिया सम्मानीय भूपेश बघेल जी के कार्य योजना से आज छत्तीसगढ़ के मछुआरा खुश है और अपने जियोकोपार्जन के लिए इन्हें कहीं भटकना नहीं पड़ रहा है, ये शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

विधवा पेंशन दिलाने आयुक्त ने आवेदन लिखने में की मदद, छप्पर में जीवन यापन करने वाले दर्जनभर लोगों के पास होगा अपना छत

- **ढाई माह से चक्कर काट रही महिला को तत्काल मिला राशन कार्ड**

पायनियर संवाददाता < रिसाली
www.dailypioneer.com

अंतिम छोर में रहने वाले कई ऐसे है जो छप्पर में परिवार के साथ रह रहे है। ऐसे ही 12 हितग्राहियों को योजना के तहत पक्का मकान बनाने निदान-40 के माध्यम से विधिवत आवेदन जमा कराया गया। वही बुधवार को डुंडेरा में आयोजित शिविर के माध्यम से महापौर शशि अशोक सिन्हा ने प्रीति महिलांगे को तत्काल राशन कार्ड उपलब्ध कराया।

दरअसल प्रीति ढाई माह से राशन कार्ड बनाने भटक रही थी। शिविर में पहुंची महिला की व्यथा सनने के बाद आयुक्त आशीष देवांगन ने न केवल आवेदन जमा कराया, बल्कि महापौर, निगम सभापति केशव बंछोर के माध्यम से वितरण भी कराया। शिविर स्थल में एमआईसी सद्स्य सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, गोविन्द चतुर्वेदी, विलास बोरकर, अनूप डे, चन्द्रभान सिंह ठाकुर, परमेश्वर समेत पार्षद रोहित धनकर, खिलेनद्र चंद्राकर, डॉ. सीमा साहू व पूर्व एल्डरमेन तरूण बंजारे उपस्थित थे।

इन्हे मिलेगा आवास : शासन की योजना के तहत डुंडेरा के दर्जनभर लोगों को पक्का मकान बनाने शीघ्र राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इनमें वार्ड 35 के शंकर लाल गजपाल, निर्मला बाई विश्वकर्मा, गांधी राम, कुलेश्वर, राधे लाल साहू, वार्ड 36 के कामेश्वरी बंजारे, उषा बाई, लक्ष्मणी बंजारे, प्रेमबाई टंडन, सुनिता देवांगन, वार्ड 37 की वीर सिंह, सीता बेहेरा शामिल है।

आयुक्त ने भरा आवेदन: निदान-40 शिविर में ऐसे लोगों की संख्या अधिक थी जो लंबी दूरी तय कर निगम कार्यालय पहुंचने में असमर्थ थे। कुछ ऐसे थे जो मजदूरी करने सुबह से निकल जाते थे। ऐसे लोगों में आश्रम नगर की कुमारी बाई थी। अक्षर ज्ञान नहीं होने से शिविर स्थल पर भटक रही थी। आयुक्त की नजर पड़ते ही उन्होंने न केवल आवेदन लिखा, बल्कि दस्तावेज संकलन कर महिला को पेंशन काउंटर तक पहुंचाया और समस्या का निदान किया।

36 राशन कार्ड तत्काल बनाए गए
शिविर में राशन कार्ड बनाने किसी तरह की समस्या न आए इसलिए खाद्य निरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है। शिविर में 36 हितग्राहियों के नाम सुधार, नाम काटने व नाम जोड़ने का कार्य तत्काल किया गया। वही 73 लोगों का पीडीएफ जिला खाद्य नियंत्रक कार्यालय भेजा गया। बुधवार को निदान-40 के तहत 302 आवेदनों का पंजीयन कर विभागवार वितरण कर 140 आवेदनों का निराकरण किया गया।

19.96 लाख के डामरीकरण कार्य से केलाबाड़ी में यातायात होगा सुगम

- **नागरिक सुविधाओं में वृद्धि के लिए लगातार लाई जा रही है राशि : वोरा**

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमान्तर्गत केलाबाड़ी जलाराम से मजार तक व त्रिलोचन बाल मंदिर के पीछे से होकर रानी लक्ष्मी बाई चौक तक का वार्ड 40 व 41 में 19,96 लाख की लागत से डामरीकरण सड़क का आज बुधवार को वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने सड़क डामरीकरण कार्य के शुभारंभ के लिए छग राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आर एन वर्मा,सभापति राजेश यादव, लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी, पार्षद हमीद खोखर, पार्षद नजहत परवीन व वार्ड के रहवासियों के मौजूदगी में भूमिपूजन किया।इस मौके पर वार्ड पार्षद व वार्ड के नागरिक गण ने विधायक व महापौर का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। भूमिपूजन के दौरान विधायक वोरा ने वार्ड नागरिको के बीच जिले में टॉपर 12 उत्तीर्ण में कुमारी माधुरी सारथी हरना बांधा निवासी व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली केलाबाड़ी निवासी कुमारी साइना नाज से मुलाकात कर उनका उत्साह वर्धन किया एवं परीक्षा में सफलता हेतु बधाई दी ।विधायक ने कहा निगम क्षेत्र के पूरे 60 वार्डो के अंदरूनी सड़को के लिए नागरिक सुविधाएं बेहतर करने लगातार राशि लाई जा रही है जिस कड़ी में डामरीकरण एवं उन्नयन कार्य हेतु राज्य शासन से 3 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करवाकर लाई गई है।

पार्षद व वार्ड की जनता की वर्षो पुरानी मांग पूरी होने पर भूमिपूजन का निर्माण कार्य प्रारंभ होने से वार्डवासियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला,कार्यक्रम के दौरान वोरा ने उपस्थित वार्ड वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि नगरवासियों की जरूरत एवं उपयोगिता के अनुसार कई ऐसे निर्माण कार्य करवाया जा रहे है जिससे आमजनों को सुविधा मिल रही है। उन्होंने मौके पर ठेका एजेंसी को भी निर्माण कार्य निर्धारित अवधि में बरसात आने के पूर्व पूरा करवाने के दिशा निर्देश दिए । इस अवसर पर गया जी पटेल, पार्षद एमआईसी सदस्य भोला महोबिया, मनदीप सिंह भाटिया, राजकुमार नारायण, ब्लाक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, कन्या ढीमर, एल्डरमेन रत्ना नारमदेव, देव सिन्हा, जगमोहन ढीमर, विकास यादव, प्रीति साहू, हाजी नवाब साहब अजहर जमील जी, शिवकांत तिवारी जी सुरेश भैंसाढे जी हसन भाई देबू यादव राकेश यादव बेग साहब छोटू भाई , इनामुल भाई, मोहम्मद उमरदीन, सय्यद शाकिर अली जी, इक़बाल अली, अमजद अली, अब्दुल वहीद, इरशाद रिजवी , अब्दुल लतीफ खान, रमीज़ रज़ा, अतीक अहमद मुस्तफा रज़ा, समीर अली, विकास यादव, आरिफ भाई, ज़मीरुदीन भाई अय्यूब भाई, आबिद चौहान, बाकर भाई, पाशी अली, वहीद चौहान,साबिर भाई, कय्यूम भाई,अल्ताफ कुरेशी, शेख नियजुद्दीन, हाजी हबीब, प्रकाश शिवांकर एवम सभी वार्ड वाशी उपस्थित रहे!

कार्यालय प्राचार्य (अग्रणी महाविद्यालय)
भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर
जिला-उत्तर बस्तर कांकेर (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/700/भूविज्ञान/डी.एम.एफ./2022 कांकेर, दिनांक 13/05/2022

// निविदा आमंत्रण //

जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत Lab Apparatus/Equipments, Analytical glassware, Furniture (Wooden Showcase), Books, Journals क्रय हेतु योग्य एजेंसी/फर्म/अधिकृत विक्रेता/प्रतिष्ठानों से सीलबंद लिफाफा में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म एवं अन्य विस्तृत विवरण महाविद्यालय से कार्यालयीन समय में दिनांक 13/06/2022 अपरान्ह 02.00 बजे तक रू. 1000.00/- के शुल्क का भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है। विस्तृत विवरण महाविद्यालय के वेबसाईट https://bpdpgcknk.edu.in से डाउनलोड किया जा सकता है परंतु निविदा के साथ 1,000.00/- का शुल्क जो किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमांड ड्राफ्ट के रूप में होकर **''प्राचार्य, भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर''** के नाम पर देय हो, संलग्न करना आवश्यक होगा।

निर्धारित प्रपत्र में निविदा कार्यालयीन समय में दिनांक 13/06/2022 अपरान्ह 03.00 बजे शाम तक महाविद्यालय में जमा कराया जाकर पावती प्राप्त करना आवश्यक होगा। डाक में विलंब अथवा समय पर प्राप्त नहीं होने वाले निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा तथा इसके लिए महाविद्यालय की कोई जवाबदारी नहीं होगी। निविदा अंतिम तिथि को 04.00 बजे शाम को खोला जायेगा, निविदाकार चाहें तो उपस्थित रह सकेंगे।

प्राचार्य
भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर (छ.ग.)

G- 91236/3

संपादकीय

कल्पना या तथ्य अदालतों से उम्मीद

मुगल काल में गिराए गए मंदिरों की बहाली के लिए आजकल कानूनी याचिकाओं का दौर चल रहा है। बाबरी मस्जिद का फैसला आ चुका है और राम मंदिर अयोध्या में उसी स्थान पर बन रहा है जहां एक समय मस्जिद थी। अब वाराणसी में विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद सामने आया है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद मामला भी इसी श्रृंखला में शामिल है। कहा जाता है कि मुगल बादशाह औरंगजेब ने अपने लंबे कार्यकाल में हजारों मंदिर गिरवा दिए थे। अब इन आंकड़ों की पुष्टि का कोई साधन नहीं है, लेकिन उसकी मृत्यु के 300 साल बाद आधुनिक भारत की अदालतें ऐसी याचिकायें निपटाने में व्यस्त हैं जो मुगलकाल में की गई 'गलतियां' ठीक करना चाहती हैं। देश भर में इस समय जो शोर-शराबा मचा हुआ है उसे बदला लेने या मुआवजे वाला न्याय कहा जा सकता है। याचिकायें पुराकल्पना आधारित अनुमानों, लोककथाओं, पूर्व-औपनिवेशिक काल में विजेताओं की वास्तुकला तथा मुगलकाल में सांप्रदायिक बदले की राजनीति पर आधारित हैं। लेकिन अदालतों से उम्मीद की जाती है कि वे अपने फैसले तर्क और तार्किकता के आधार पर देंगी। यह कैसे संभव होगा? वर्तमान समय में विवाद दो प्रकार के हैं। अयोध्या मामले में विवाद हिंदू देवता भगवान राम के जन्मस्थान पर था जो पूरी तरह विश्वास और आस्था का मामला था। वाराणसी में मुद्दा कथित रूप से एक हिंदू मंदिर गिराने तथा उसके स्थान पर मस्जिद बनाने का है। पहले मामले में न्यायशास्त्र के समक्ष उलझे हुए, अवैज्ञानिक व व्यक्तिगत आयाम शामिल थे जिनका संबंध विश्वास और आस्था से था। दूसरे मामले में लक्ष्य कथित रूप से 353 साल पहले की गई गलती ठीक करने का है।

न्यायपालिका के समक्ष दूसरे किस्म के सवाल हैं जिनसे वह ऐसे मामलों में निपट रही है। यदि किसी देश की जनता प्राचीन समय में की गई गलतियां ठीक करने के लिए शताब्दियों पीछे जाती है तो क्या इसे किसी देश की प्रगति का मानक समझा जा सकता है? यदि याचिकाकर्ताओं का विश्वास है कि अतीत में हजारों ऐसी गलतियां की गई हैं तो क्या सार्वजनिक कार्य विभाग धरती खोद कर प्राचीन हिंदू मंदिरों के अवशेष तलाशनें में व्यस्त हो जाएगा? क्या सैकड़ों-हजारों साल पहले किए गए धर्म-विरोधी अपराधों के लिए बिना किसी अवधि सीमा के याचिकायें दायर की जाती रहेंगी? लेकिन इन याचिकाओं में हिंदूवाद को धर्म क्यों बताया जा रहा है? इससे हम इस महत्वपूर्ण बिंदु पर पहुंचते हैं कि विधिक संदर्भ में हिंदूवद की क्या परिभाषा होगी? इस प्रकार हम इस समय एक अपरिभाषित क्षेत्र में हैं। 1966 में भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस पी.बी. गजेंद्रगडकर ने कहा था, 'हिंदू धर्म को उपयुक्त ढंग से परिभाषित करना या उसे बताना यदि असंभव नहीं तो कठिन अवश्य है। इसे व्यापक रूप से जीवन की एक शैली कहा जा सकता है, कुछ और नहीं।' 1996 में सर्वोच्च न्यायालय ने जोर देकर कहा कि 'हिंदूवाद अपने भीतर अनेक विविधतापूर्ण विश्वास, आस्थाओं, व्यवहारों व पूजा पद्धतियों को समाहित करता है कि ठीक-ठीक हिंदू शब्द को परिभाषित करना कठिन है।' छः साल बाद सर्वोच्च न्यायालय में सात न्यायाधीशों की एक पीठ ने पुनः इस सवाल पर विचार किया कि हिंदूवाद क्या है-जीवन शैली या धर्म? हो सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय वाराणसी व ऐसी ही अन्य याचिकाओं पर विचार करने के पहले हिंदूवाद की विधिक परिभाषा की समीक्षा करना चाहे। यदि हिंदूवाद सचमुच जीवन की शैली है तो इससे बहुत कुछ बदल जाता है।

रक्षा मुद्दों पर सरकार की नीति

भर्ती पर 26 महीने से जारी प्रतिबंध व सीडीएस के चरित्र पर पुनर्विचार से हमारी आपरेशनल क्षमतायें प्रभावित हो रही हैं।

अशोक के मेहता
(लेखक सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

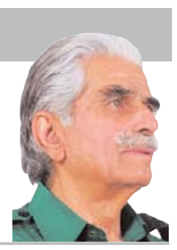

राष्ट्रवादी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा को अपना पवित्र देशभक्तिपूर्ण दायित्व मानती है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उसने रक्षा संबंधी दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर अनिर्णय तथा संभवतः पीछे हटने की नीति अपनाई है। ये मुद्दे हैं अधिकारी रैंक से नीचे वाले कर्मियों-पीबीओआर की भर्ती तथा प्रमुख रक्षा प्रमुख या चीफ आफ डिफेंस स्टाफ-सीडीएस की नियुक्ति। सीडीएस की नियुक्ति पर अपनाई रहस्यमय चुप्पी पर बहुत कुछ लिखा जा चुका है, लेकिन भर्ती रोकने पर ज्यादा चर्चा नहीं हुई है। मैंने इस विषय पर अनेक वरिष्ठ सेवारत अधिकारियों से बात की है तथा पिछले सप्ताह भी इस बारे में मेरी बात हुई है। मैंने उनसे जानना चाहा कि सरकार ने भर्ती पर पिछले 26 सप्ताह से पूरी तरह रोक क्यों लगा रखी है। यह सवाल पूछने पर एक ब्रिगेड कमांडर थोड़ा असहज दिखे और उन्होंने कहा, 'यह अत्यधिक गंभीर मामला है और इसका हमारी आपरेशनल क्षमताओं पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है जो पहले से ही कमजोर हैं।' यह मामला संसद में भी उठा, लेकिन वहां भी सभी लोग आश्चर्यजनक रूप से खामोश व गैर-प्रतिबद्ध लगे। इस पर उपरोक्त हाई-प्रोफाइल ब्रिगेडियर ने कहा, 'ऐसा लगता है जैसे सरकार ने रक्षा क्षेत्र में दिलचस्पी खो दी है।'

सरकार ने सीमापार किए हमलों, जैसे उरी सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक या म्यांमार में विद्रोही नगा समूहों का तेजी से पीछा करने की घटनाओं में सशस्त्र बलों का समुचित लाभ उठाया। सशस्त्र बलों की इन कार्रवाइयों से सरकार को काफी चुनावी लाभ भी मिले। लेकिन इसके बाद जैसे सरकार निष्क्रिय हो गई और उसने प्रमुख मुद्दों पर अनिर्णय की स्थिति प्रकट की। सीडीएस स्वर्गीय जनरल रावत ने ऐसे समय इतने लंबे समय के लिए भर्ती न रोकी होती जब चीनी पीएलए घुसपैठ के अनेक बिंदुओं पर हमारे सैनिकों के आमने-सामने डटी है और उसने इन स्थानों को खाली नहीं किया है। युद्धक तथा युद्ध-सहायक सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती रोकने की व्याख्या किसी तरह करना कठिन है। ब्रिगेडियर ने संकेत किया कि औसतन इन्फैंट्री बटालियनों में उपयुक्त युद्धक शक्ति की तुलना में 150-200 सैनिकों की कमी है। उपरोक्त ब्रिगेडियर ने पूछा, ऐसे समय जब चुनाव हो रहे हैं, धार्मिक त्योहार मनाए जा रहे हैं, मेले और यात्रायें आयोजित की जा रही हैं तथा राजनीतिक रैलियों में भारी भीड़ जुटाई जा रही है तब कोविड के कारण भर्ती रैलियों पर विराम क्यों लगाया गया है।

इस सरकार तथा खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सैनिकों तथा उनकी वीरता को सर्वोच्च स्थान पर रखा है, ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कहीं यह केवल कहने की बातें या छवि-निर्माण का प्रयास तो नहीं है। सेना में भर्ती रोकने के कारण बेरोजगार विजेता सैनिक बनने का अवसर नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं और उनमें निराशा व्याप्त है। सोशल मीडिया में ऐसी कहानियां भरी पड़ी हैं कि सैनिक बनने की इच्छा रखने वाले अनेक नौजवानों की आयु अधिक हो गई है और उन्होंने खोए हुए अवसरों के कारण शांतिपूर्वक विरोध करना शुरू कर दिया है। उन नौजवानों के बारे में अनेक कहानियां हैं जिन्होंने सेना में भर्ती होने के लिए मीलों लंबी दौड़ लगाई, लेकिन उनके प्रयासों को सफलता नहीं मिली। राजस्थान, मध्य प्रदेश व हरियाणा में अनेक स्थानीय अकादमीशियन संभावित नौजवानों को फौज में भर्ती के लिए तैयार कर रहे थे, पर आज वे बेरोजगार हो गए हैं। ऐसा देश में पहली बार हुआ है कि हमने सेना में भर्ती पर रोक ऐसे समय लगाई है जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। पड़ोसी नेपाल में भी भारतीय सेना में भर्ती न होने के कारण नाराजी के स्वर उठ रहे हैं जो भारतीय सेना की 40 गोरखा बटालियनों के लिए गोरखा उपलब्ध कराता है। गोरखपुर के प्रख्यात गोरखा भर्ती डिपो में भर्ती रैलियां नहीं हो रही हैं। अपना उत्साह बनाए रखने के लिए अनेक गोरखा नौजवान भर्ती के बारे में फर्जी पोस्टर लगा रहे हैं। वर्तमान समय में अधिकांश कोविड नियंत्रण हटाए जा चुके हैं और तीसरी लहर पर भी समुचित नियंत्रण लगाने में सफलता मिली है। ऐसे में सेना में भर्ती पर प्रतिबंध को क्या '3-5 टूर आफ ड्यूटी प्रस्ताव'-टीओडी जैसे हानिकारक विचार से जोड़ा जा सकता है? अथवा यह वेतन व पेंशन पर खर्च बचाने के माध्यम से राजस्व खर्च घटाने का तरीका है?

उपरोक्त विचारशील ब्रिगेडियन ने सुझाव दिया कि टीओडी को सीधे खारिज नहीं किया जाना चाहिए। इसका परीक्षण एक या दो इकाइयों में होना चाहिए। यह उसी प्रस्ताव की तरह है जिसे शुद्ध 'सिंगल क्लास रेजीमेंटों' के रूप में पेश किया गया था, पर बाद में 'आल-इंडिया क्लास' के रूप में इसका प्रयोग किया गया। ब्रिगेड के एक और अधिकारी ने बताया कि कोविड के दौरान सेना ने अपना अत्यधिक सेनीटाइजेशन किया तथा उसने सहायता के लिए सिविलियनों की सेवायें लेने से इनकार कर दिया। हालांकि, यह समय लोगों तक पहुंचने के लिए बहुत अच्छा था लेकिन यह विचार हावी हो गया कि 'हम अपनी छावनियों में पले-बढ़े हैं।' सेना का प्रयोग उन विस्थापितों की सहायता के लिए किया जाना चाहिए था जो अपने गांवों को वापस लौट रहे थे। सेना मूल्य-संवर्धन के माध्यम से भी अनेक लोगों की सहायता कर सकती थी।

रक्षा क्षेत्र में वर्तमान अव्यवस्था का कारण आंशिक रूप से सीडीएस की अनुपस्थिति है। लेकिन आखिरकार यह समस्या हमारे सामने आ गई है। छः महीने तक मामला लंबित रहने के बाद आखिरकार रक्षा विभाग के अधिकारी संकेत दे रहे हैं कि सीडीएस की नियुक्ति में विलम्ब के उचित कारण हैं। रणनीतिक समुदाय के कुछ लोगों का अनुमान है कि सरकार सीडीएस के चार्टर पर पुनः विचार कर रही है। वह खासकर रक्षा मामलों के विभाग के बारे में चिन्तित लगती है क्योंकि सेना पर रक्षा सचिव व उसके नौकरशाहों का पहले जैसा नियंत्रण अब नहीं रहा है। डीएमए के अनेक विभागों व सेक्शनों का हस्तांतरण हो गया है जो पहले रक्षा सचिव के आधीन थे।

इससे सिविलियन अधिकारियों का हाशियाकरण हो गया है। वर्तमान व्यवस्था में सीडीएस अत्यधिक शक्तिशाली हो गया है। वह रक्षा मंत्री को एक बिंदु पर सलाह देने वाला, चीफ आफ स्टाफ कमेटी का स्थाई अध्यक्ष तथा डीएमए का सचिव, नाभिकीय कमांड ग्रुप का सलाहकार, रक्षा अधिग्रहणों के निजीकरण में अंतिम निर्णय लेने वाला तथा थियेटर कमांडों का आपरेशनल प्रमुख होता है। हालांकि, सीडीएस सेना प्रमुखों में समान में प्रथम का दर्जा प्राप्त होता है, पर उसका कार्य चार्टर उसे औपनिवेशिक युग के सी-इन-सी से ज्यादा शक्तिशाली बना देता है जिसका गवर्नर जनरल से टकराव हो सकता था। जब जनरल बिपिन रावत को जल्दबाजी में 31 दिसंबर, 2019 को सीडीएस नियुक्त किया गया था तब उनका ड्यूटी चार्टर सीओएससी तथा खोजी डीएमए ने तैयार किया था। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार-एनएसए अजीत डोवाल ने स्वीकार किया था जो रक्षा नियोजन समिति के अध्यक्ष तथा वास्तव में सुरक्षा सुप्रीमो थे।

सेवानिवृत्त लेफ्टीनेंट जनरल वी.जी.वानखेड़े को पहली बार रक्षा सचिव का सैनिक सलाहकार बनाया गया था। वे पहले एनएसए के सैनिक सलाहकार थे। संभवतः इस कारण रक्षा सचिव व सीडीएस-डीएमए के बीच मतभेद पैदा हुआ। सीडीएस अस्तित्वमान हो या नहीं, रक्षा सेवायें रक्षा विभाग में सिविलियन नौकरशाही पर पूर्ण नियंत्रण पाना चाहती हैं। संभवतः यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए भी उचित है।

कांग्रेस को चाहिए नया विमर्श व स्पष्ट वैचारिकता

कल्याणी शंकर
(लेखिका वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

कांग्रेस उदयपुर चिंतन शिविर से कहां तक जाएगी? क्या कॉन्क्लेव व्यर्थ की कवायद थी, या यह पार्टी को पुनर्जीवित करेगा? यह सब सम्मेलन में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन पर निर्भर करता है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि शिवर को एक रस्म नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं यह सुनिश्चित करने में आपके पूर्ण सहयोग का अनुरोध करती हूं कि उदयपुर से जो एक प्रमुख संदेश स्पष्ट और स्पष्ट हो, वह हमारी पार्टी के त्वरित पुनरुद्धार के लिए एकता, एकजुटता, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता में से एक है।'' बेहद जरूरी कॉन्क्लेव नौ साल बाद आया है।

नेतृत्व संकट, संगठनात्मक सुधार, पुनरुद्धार और चुनाव रणनीति सहित लगातार हार के बाद जी-23 विद्रोहियों द्वारा उठाए गए गंभीर मुद्दों के बीच सम्मेलन का समय है। साथ ही पार्टी का आम आदमी से संपर्क टूट गया है. शायद इसे ठीक करने के लिए शिविर ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक फिर से जुड़ने के लिए पदयात्रा की घोषणा की है।

उदयपुर में, पार्टी छह व्यापक क्षेत्रों में सिफारिशों के साथ आई, जिसमें प्रत्येक समूह के छह वरिष्ठ नेता थे। वे संगठन सुधार, राजनीतिक मुद्दे, अर्थव्यवस्था, सामाजिक न्याय, कल्याण, शिक्षा और रोजगार हैं। कांग्रेस कार्यसमिति ने रविवार को संगठनात्मक सुधारों की अधिकांश सिफारिशों को मंजूरी दे दी। इनमें एक परिवार, एक टिकट नियम, सीडब्ल्यूसी सहित सभी स्तरों पर 50 वर्ष से कम आयु वालों के लिए 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व और सभी स्तरों पर पदों पर रहने वालों के लिए पांच साल की अवधि सीमा शामिल है। कहने की जरूरत नहीं है कि गांधी परिवार सभी नियमों से मुक्त हैं।

हालांकि, जो गायब है वह और अधिक चमकदार है। उदाहरण के लिए, सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक शीर्ष पर नेतृत्व संकट है। 2019 का चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी ने 6 अगस्त को पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया और

सोनिया अंतरिम पार्टी प्रमुख बन गईं। हालांकि गांधी के वफादारों ने मांग की कि राहुल को फिर से राष्ट्रपति बनना चाहिए, उदयपुर की घोषणा इसके बारे में चुप थी। दूसरा एक परिवार के बारे में है- एक टिकट का फैसला। किसी को याद करना चाहिए कि कैसे 2019 के चुनाव परिणामों के बाद राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं की आलोचना की थी।

अशोक गहलोत और पी चिदंबरम की तरह अपने परिवारों की सफलता के लिए काम करने के लिए। कांग्रेस को वंशवाद की राजनीति छोड़ देनी चाहिए। तीसरा संसदीय बोर्ड को पुनर्जीवित करने के बारे में है, जो विद्रोही समूह जी-23 की मांगों में से एक है। पी वी नरसिम्हा राव के प्रधान मंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद, उन्होंने 1992 में बोर्ड को बंद कर दिया। हालांकि उप-समूह ने संसदीय बोर्ड के पुनरुद्धार की सिफारिश की, सीडब्ल्यूसी ने इसे अस्वीकार कर दिया। महिला विंग, एनएसयूआई, सेवा दल और अन्य जैसे मौजूदा पार्टी घटकों को सक्रिय करने के बजाय, कॉन्क्लेव ने पार्टी को लड़ाई के लिए तैयार करने के लिए सार्वजनिक अंतर्दृष्टि, चुनाव प्रबंधन और कैडर प्रशिक्षण के नए विभागों का गठन करने का भी निर्णय लिया। चौथा, राजनीतिक संकल्प ने गठबंधनों के लिए एक दरवाजा खुला छोड़ दिया।

1998 से कांग्रेस अपनी सरकार नहीं बना सकी और क्षेत्रीय शक्तियों के उदय के बाद वह भाजपा का विरोध करने के लिए उनके साथ गठबंधन पर अधिक निर्भर है। कांग्रेस 1989 से यूपी, 1990 में बिहार, 1967 में तमिलनाडु, 1973 में पश्चिम बंगाल, बीजेडी के सत्ता में आने के बाद से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 2014 से सत्ता में नहीं थी। सोनिया गांधी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को सत्ता में लाई थीं। 2004 और 2009 में। लगभग 180 लोकसभा सीटों पर पार्टी की उपस्थिति लगभग नहीं है। एक कनिष्ठ साझेदार के रूप में भी, उसे एक मजबूत चुनौती देने के लिए गठबंधन बनाने की जरूरत है। विरोधाभास यह है कि कांग्रेस बिना लाभ के सत्ता में नहीं आ सकती, और फिर भी वह अपने सहयोगियों के साथ संघर्ष किए बिना ऐसा नहीं कर सकती।

कांग्रेस को यह पहचानना चाहिए था कि भाजपा कहां कमजोर है और 2024 के लिए गठबंधन के साथ या उसके बिना चुनावी रणनीति तैयार करनी चाहिए। भाजपा लगातार कोशिशों के बावजूद पूर्व और दक्षिण में प्रवेश नहीं कर पाई है। अंतिम लेकिन कम से कम, शिवर ने दिखा दिया है कि पार्टी गांधी के बिना नहीं हो सकती। इस साल, प्रारंभिक परीक्षा गुजरात और हिमाचल प्रदेश में होगी, और फिर कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में 2023 में चुनाव होंगे। ये प्रमुख राज्य हैं जहां कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन करना है और चुनाव जीतना है। 2024 के आम चुनाव में भाजपा को चुनौती देने के लिए। जबकि राहुल ने कहा, 'हम जीतेंगे', सोनिया ने अपने रैप-अप बयान में, पार्टी कार्यकर्ताओं को एक स्पष्ट आह्वान दिया और कहा, 'हम जीतेंगे। हमारी इच्छा शक्ति, वही हमारा संकल्प'।

लेकिन उसके लिए कांग्रेस को एक नए आख्यान, स्पष्ट विचारधारा, सामरिक गठजोड़, नेतृत्व और संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- इन सभी का उसके पास अभाव है। आगे बढ़ने और आगे बढ़ने के लिए कांग्रेस को बड़ी सर्जरी की जरूरत है, न कि केवल मेकओवर की।

फरमाया

भाजपा को बुलडोजर अभियान चलाने का क्या नैतिक अधिकार है?
- अरविंद केजरीवाल
दिल्ली के मुख्यमंत्री

यूक्रेन यह युद्ध जीत सकता है। यूक्रेनी वीरतापूर्वक अपनी मातृभूमि की रक्षा कर रहे हैं।
- जेन्स स्टोल्टेनबर्ग
नाटो प्रमुख

राहुल भट की हत्या लक्षित है। इसकी जांच एसआईटी करेगी।
- मनोज सिन्हा
जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।
www.dailypioneer.com

गलत इतिहास

हमें इतिहास ही गलत पढ़ाया जाता रहा है। वामपंथी लेखकों ने मुस्लिम आक्रांताओं का काफी गुणगान किया, उनके शौर्य की मनघड़ंत कहानियां सुनाई मगर सच कुछ और ही है! आठवीं सदी के बाद से ही भारतीय संस्कृति के मानकों को अपमानित करने का कुचक्र रचा गया। मुस्लिम आक्रान्ताओं ने भारत के वैभव व सम्पत्ति के लालच में भारतभूमि पर खून की होली खेलनी शुरू की और अत्याचारों का सिलसिला शुरू कर दिया। मुस्लिम सुलतान क्रूर लुटेरे थे, जिन्होंने धन, सत्ता की हवस में मंदिरों पर आक्रमण किया, लूट-पाट की और मंदिर तुड़वा कर वहां मस्जिद खड़े कर दिए। बात चाहे काशी विश्वनाथ कि हो या श्रीकृष्ण जन्मभूमि की या अधिकतम मस्जिदों की मूलरूप से वहा मंदिर ही हुआ करते थे। सच पराजित नहीं होता! भारत के मुस्लिम समाज को भी सच को स्वीकारना चाहिए, साथ ही गोरी, गजनी, खिलजी, बाबर, औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को अपना पूर्वज या प्रेरणास्त्रोत मानने से भी बचना चाहिए। भारत के मुस्लिम अरब, अफगानिस्तान, ईरान आदि से नहीं आए। वे तो यहीं के लोग थे, जिनके पूर्वज हिंदू थे। यह ठीक है कि उनके पूर्वजों ने अत्याचार से बचने के लिए इस्लाम स्वीकार कर लिया।

- विभुक्ति बुपक्या, आष्टा, मप्र

धरोहरों पर शोध एक सामान्य प्रक्रिया

ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण धरोहरों पर शोध की दृष्टि से पड़ताल एवं साक्ष्यों का एकत्रीकरण एक सामान्य प्रक्रिया है जिस पर किसी को आपत्ती नहीं होना चाहिए। हमारे भारतवर्ष में सैकड़ों ऐसे स्थान है जिस के इतिहास के बारे में कई गलतफहमियां है। मथुरा, काशी, अयोध्या एवं ताजातरीन ज्ञानवापी मस्जिद जैसे कई धर्म स्थल है जिनका इतिहास सनातन काल से हिंदुओं की मूल परंपरा एवं आस्था से जुड़ा हुआ है। जन सामान्य को वास्तविक तथ्यों से अवगत करवाना एवं भारत के गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाना सरकार के संस्कृति विभाग का नैतिक दायित्व है। हमारे देश ने पूर्व में सैकड़ों वर्षों तक गुलामी का दंश झेला है। मुगल काल और अंग्रेजों के शासन में हमारी सनातन सभ्यता के प्रतीक मंदिरों, विश्वविद्यालयों, साहित्य एवं विचारधारा को इस्लाम एवं ईसाइयत के रंग में रंगने का कुत्सित प्रयास किया गया है। पुरातात्विक सर्वेक्षण में ऐसे प्रमाण मिल रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद भी एक लंबे अर्से तक हमारे हुक्मरान पुरानी मान्यताओं को ही पल्लवित एवं पोषित करते रहे। वर्तमान सरकार अगर सही तथ्यों को सामने ला रही है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए।

- ललित महालकरी, इंदौर

भारत-नेपाल संबंध

महोदय, यह पत्र 'पी एम मोदी की नेपाल यात्रा के निहितार्थ' से सम्बंधित है। इसमें कोई संदेह नहीं है की नेपाल के साथ भारत के संबंधों की अपनी महत्वता है क्यूंकि जब हम चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों से घिरे हों और चीन की रूचि नेपाल में अपने पैर पसारने की हो वहां का इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करके तो भारत को तो नेपाल के साथ मधुर द्विपक्षीय सम्बन्धो को रखने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं है। इसके अतिरिक्त नेपाल के लिए भी यह अहम् है की वे इस बात पर विचार करे की चीन ने कैसे श्री लंका को अपने कर्ज के बोझ तले दबाकर उसे बर्बादी की कगार पर ला कर खड़ा कर दिया है। तो नेपाल को अपना अच्छा बुरा सही से समझ आ जाना चाहिए। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी ने जो भी भारत विरोधी माहौल खड़ा करने की कोशिश की हो पिछले कुछ वर्षों में उसे भूल कर हमें एक समझदार पड़ोसी की तरह दोबारा से नेपाल के साथ सम्बन्ध सुदृढ़ करने हैं इसमें नेपाल और भारत दोनों का भला निहित है।

- बाल गोविंद, सेक्टर 44, नोएडा

वन मंत्री अकबर ने आंगनबाड़ी भवन और माध्यमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष का किया लोकार्पण

अकबर ग्राम हरिनछपरा में ग्रामवासियों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं और मांगों को सुना

पायनियर संवाददाता ◀ कवर्धा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने विकासखंड बोड़ला के ग्राम हरिनछपरा में 12 लाख 90 हजार रुपए की लागत से निर्मित आंगनबाड़ी भवन और माध्यमिक शाला में अतरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया। ग्राम हरिनछपरा में 6 लाख 45 हजार रुपए की लागत से निर्मित नवीन आंगनबाड़ी भवन के निर्माण होने से बच्चों को सभी सुविधा मिलेगी। शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के लिए उचित वातावरण मिलेगा। बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होगा। वही माध्यमिक शाला परिसर में 6 लाख 45 हजार रुपए की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्ष से शाला के संचालन में सुविधा होगी। इसके निर्माण से स्कूल की विभिन्न गतिविधियां करने में आसानी होगी। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के लिए शासन लगातार कार्य कर रही है।इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है। वही कुपोषण मुक्ति के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आए है। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य किए जा रहे हैं। अंग्रेजी में शिक्षा उपलब्ध कराने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ किए गए हैं। जहां बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही है।

वन मंत्री अकबर ग्राम हरिनछपरा के नागरिकों से हुए रूबरू

वन मंत्री अकबर ने ग्राम हरिनछपरा गांव के निवासियों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों से चर्चा की और उनकी समस्या, शिकायतों तथा मांगो को सुना। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य में धन की खरीदी की जा रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत राशि प्रदान की जा रही है। सभी परिवारों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है। 8 हजार 500 राशन कार्ड वितरित किए गए है। उन्होंने कहा कि जिनका राशन कार्ड नहीं बना है वे आवेदन दे सकते हैं। उनका राशन कार्ड बनाया जाएगा। साथ ही विभिन्न मांगों को लेकर आवेदन प्राप्त हुए है, उनका अवलोकन कर आगे कार्रवाई के लिए विभागों को भेजा जाएगा। इस अवसर पर कन्हैया अग्रवाल, कलीम खान, होरी साहू, जिला पंचायत सदस्य मुखीराम मरकाम, नगर पंचायत अध्यक्ष बोड़ला सावित्री साहू, पांडातराई फिरोज खान, पार्षद अशोक सिंह, पीताम्बर वर्मा, राजेश शुक्ला, चोवराम साहू, गोरे चंद्रवंशी, नीलकंठ साहू, सुनीता हेमंत साहू, विजय राजपूत, परमेश्वर मानिकपुरी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

जिले में पहली बार रबी फसल लेने के बाद किसानों ने किया पैरादान

दुर्ग। मुख्यमंत्री द्वारा गौठानों में पशुओं के चारे के लिए पैरादान की जो अपील खरीफ फसल के वक्त की गई थी उसका सकरात्मक असर रबी की फसलों में भी देखने को मिल रहा है। ऐसा पहली बार हुआ है कि रबी की फसल के पश्चात् बचने वाले पैरे का उपयोग ग्रामीणों द्वारा पैरादान में किया गया। पीपरछेड़ी, खपरी, थनौद और अंजोरा (ख) के किसानों ने इस प्रक्रिया में अपने हिस्सेदारी प्रदर्शित कर पैरादान को एक नई दिशा दी है। आज जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन उक्त गांव में ही नरवा, गौठान और चारागाह का निरीक्षण करने के लिए गए थे। भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने गौठानों में पशुधन के रख-रखाव के बारे में सचिवों से जानकारी ली। इस अवसर पर गौठान में उपस्थित सचिवों ने उन्हें बताया कि किसानों द्वारा किए जा रहे पैरादान से पशुओं के पर्याप्त चारा उपलब्ध है और पानी की भी उचित व्यवस्था की गई। इसके अलावा उन्होंने आने वाली खरीफ फसल को ध्यान में रखते हुए वर्मी कंपोस्ट खाद के उत्पादन की स्थिति का भी जायजा लिया और गौठानों में कार्य कर रही स्व सहायता की महिलाओं को निर्देशित किया कि गोबर की खरीदी को निरंतर जारी रखकर वर्मी कंपोस्ट खाद की उत्पादन क्षमता को बढ़ाना है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ग्राम से प्रदेश में आयेंगी जल क्रांति: निकोलस ऑब्स्बेर्ट

पायनियर संवाददाता ◀ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के द्वारा ग्राम देवादा में जल सभा आयोजित की गई। इस जल सभा के आयोजन में यूनिसेफ वाश के भारत प्रमुख निकोलस ऑब्स्बर्ट के देवादा आगमन पर ग्रामीणों ने उनका जमकर स्वागत किया। गांव की सरपंच सुश्री उर्वशी वर्मा समेत उनके जलबहिनियों के समूह ने ग्राम में जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यो से अवगत कराने के साथ ही जल संरक्षण व शुद्ध पेयजल की उपयोगिता, आपूर्ति के बारे में उन्हें जानकारी दी। कांकेर से आई हुई जलबहिनियों ने देवादा के ग्रामीणों के साथ मिलकर जल जीवन मिशन के तहत प्राप्त जल परीक्षण किट के द्वारा जल की गुणवत्ता जांच कर अशुद्ध पेयजल के नुकसान की जानकारी दी। यूनिसेफ वाश के भारत प्रमुख श्री निकोलस ऑब्सबर्ट ने ग्राम देवादा के ग्रामीणों व जलबहिनीयों से मिलकर कहा कि फ्रीडम फाइटर की भूमि में आना मेरा सौभाग्य है जिस तरह से यहाँ के पूर्वजों ने स्वतंत्रता की क्रांति से देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका निभाई थी, मुझे विश्वास है कि यहाँ के ग्रामीण भी उसी तरह जलक्रांति लाकर शुद्ध पेयजल का महत्व हर घर पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। निकोलस ऑब्स्बेर्ट ने ग्रामीण महिलाओं के समूह को जलबहिनी के सम्मान से सम्मानित किया और ग्रामवासियों की तरफ से सरपंच उर्वशी वर्मा यूनिसेफ की पूरी टीम को जलदूत की उपाधि प्रदान की। ग्रामीणों ने निकोलस ऑब्स्बेर्ट से उनके देश फ्रांस स्थित शहर में पेयजल व्यवस्था के बारे में पूछा कि किस तरह उनके देश में जल का उपयोग किया जाता है और संरक्षण को लेकर उनके देश के लोग कितने जागरूक है, जिस पर उनका जवाब था कि वो फ्रांस की राजधानी पेरिस के ओल्ड सिटी के निवासी है वो सेन नदी से फिल्टर होकर आने वाला शुद्ध पीते है और उनके देश में लोग जल के संरक्षण को लेकर बहुत ही जागरूक है क्योंकि इसका स्तर लगातार कम हो रहा है।

इसी वजह से लगातार जल को बचाने के लिए पूरी दुनिया मे कोशिश की जा रही है उन्होंने यहाँ के ग्रामीणों का आभार व्यक्त करने के साथ ही स्कूल, भवन और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उद्यान का भ्रमण किया।

पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं महिलाओं/बच्चो संबंधी अपराधों की समीक्षा बैठक

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में नोडल अधिकारी (महिला एवं बच्चों के विरूद्ध घटित अपराध) पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेरला तेजराम पटेल के द्वारा समस्त थाना/चौकी प्रभारियो की एवं विवेचको की पीडित क्षतिपूर्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं महिला/बच्चो संबंधी अपराधों की समीक्षा मीटिंग लिया गया। जिसमें यौन उत्पीडन/अन्य अपराधों से पीडित महिलाओं/ उत्तरजीवियों के लिए क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत आने वाले अपराधों धारा 326क, 354क से 354घ, 376क, से 376ड, 304ख, 498क (इस योजना अंतर्गत शारीरिक क्षति के मामले में शामिल है) के कारित होने पर राज्य/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रकरण प्रस्तुत कर पीडिता को न्याय और पीडित को पीडित क्षतिपूर्ति योजना का लाभ मिल सके। तथा थानावार महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों की जानकारी लेकर महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों को एक अभियान चलाकर यथाशीघ्र निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में समस्त थाना/चौकी प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस पूजा कुमार, निरीक्षक अंबर सिंह भारद्धाज, अंजोर लाल चतुवेदी, उप निरीक्षक बी.आर. ठाकुर, अंजोर सिंह साहू, राकेश साहू, टी.आर. कोसिमा, नासिर खान, रंजित प्रताप सिंह, घनश्याम चिन्डा , माहिला सेल प्रभारी नीता राजपूत, सउनि मोहन साहू, ताण्डेकर, डी.एल. सोना, सुभाष सिंह, भानू प्रताप पटेल, संतोष ध्रुर्वे एवं एसपी रीडर विनोद शर्मा, आरक्षक मिथलेस साहू सहित पुलिस के अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बेमेतरा पुलिस की कार्यवाही- अश्लील वीडियो प्रसारित करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

16 अप्रैल को प्रार्थी ने थाना हाजिर आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि चंद्र कुमार यादव का तथा एक महिला का शरीरिक संबंध बनाते हुए अश्लील विडियो नगर में वायरल होने के संबंध में उल्लेख करते हुए अश्लील विडियो वायरल करने वाले चन्द्रकुमार यादव के विरूद्ध कार्यवाही बाबत उल्लेख करने पर थाना नवागढ में अपराध सदर धारा 67,67ए आईटी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के द्वारा थाना नवागढ प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिन्हा एवं थाना स्टाफको आरोपी के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी चंद्रकुमार यादव द्वारा एक महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने के दौरान अपने मोबाईल से विडियो रिकाडिंग किया, जिसे उसके जान पहचान के व्यक्ति पृथ्वीराज ऊर्फ मंत्री सेन के द्वारा अपने मोबाईल में ट्रांसफर कर, अश्लील विडियो को नगर में वायरल कर देना बताया। आरोपी पृथ्वीराज ऊर्फ मंत्री सेन से पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करते हुए चंदराम यादव के मोबाईल में रिकाडिंग हुए विडियो को प्राप्त करना तथा अन्य व्यक्तियो को ट्रांसफर करना बताया। आरोपी चंदराम यादव ऊर्फ चंद्रकुमार यादव पिता स्वं. गैंदुराम यादव उम्र 47 साल साकिन ग्राम टेमरी थाना नांदघाट जिला बेमेतरा 2. पृथ्वीराज सेन ऊर्फ मंत्री पिता धनीराम सेन उम्र 25 साल साकिन नेवसा, थाना नवागढ जिला बेमेतरा को दिनांक 17.05.2022 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना नवागढ प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिन्हा, सउनि मोहन साहू, आरक्षक राहुल दुबे, राजेन्द्र साहू, जितेन्द्र धनकर एवं अन्य स्टाफकी सराहनीय भुमिका रही।

सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए आईआरएडी के संबंध में प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह एवं अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, अति. पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन के निर्देशन एवं डीएसपी कमल नारायण शर्मा के मार्गदर्शन पर 18 अप्रैल दिन बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में सडक सुरक्षा में सुधार के लिए आईआरएडी के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें डिस्टीक रोल आउट मनेजर आईआरएडी बेमेतरा मुकुल धुरंघर के द्वारा जिले के थाना/चौकी प्रभारियो, विवेचको एवं थानो में पदस्थ सीसीटीएनएस आपरेटरो को आईआरएडी के संबंध में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। आईआरएडी प्रोजेक्ट भारत सरकार के पुलिस सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश में सडक सुरक्षा में सुधार करना है। छत्तीसगढ के पुरे जिले में इस प्रोजेक्ट की 1 जुलाई 2021 से संचालन और आईआरएडी ऐप ट्रेनिंग की शुरूआत हो चूकी है। आईआरएडी से जुडे सभी विभागो के लिए सिंगल यूनिट प्लेट फार्म है, जिसमें दुर्घटना की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त किया जाता है आईआरएडी ऐप में किसी भी नयी दुर्घटना स्थल पर जाकर एंट्री किया जाता है, उसके बाद पुलिस विभाग दुर्घटना से जुडे वाहन का परिवहन एवं जिस रोड में दुर्घटना हुई है उस विभाग को रिकवेस्ट भेजता है और इससे जुडे जानकारियों को भरा जाता है। दुर्घटना से जुडे मरीज की जानकारी स्वास्थ विभाग के डाक्टर द्वारा ऐप में भरा जाता है। उक्त प्रशिक्षण के दौरान निरीक्षक अंबर सिंह भारद्धाज, अंजोर लाल चतुवेदी, उप निरीक्षक बी.आर. ठाकुर, अंजोर सिंह साहू, राकेश साहू, टी.आर. कोसिमा, नासिर खान, रंजित प्रताप सिंह, घनश्याम चिन्डा, माहिला सेल प्रभारी नीता राजपूत, सउनि मोहन साहू, ताण्डेकर, डी.एल. सोना, सुभाष सिंह, भानू प्रताप पटेल, संतोष ध्रुर्वे, राजेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक सुखेलाल बंजारे, दिनेश मंडावी, चंद्रशेखर सिंह, दिनेश साहू, खेमु वर्मा, ठाकुर राम घृतलहरे, अशोक तीर्की, आरक्षक नरेन्द्र सिंह, रोशन, देवेन्द्र साहू, प्रमोद बंजारे, अर्जुन ध्रर्वे, ऋतुराज सिंह, राजेश कुर्रे, सौरभ सिंह, भुषण राजपूत, रोहित ध्रुर्वे, नरेन्द्र बंजारे एवं अन्य सीसीटीएनएस आपरेटरो सहित पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बाबा से जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी के चर्चा के घण्टे भर में ही जारी हो गया पुराने जनपद के नीलामी रोकने का आदेश

जनपद अध्यक्ष के चुनाव तक रुकें, इतनी जल्दबाजी भी क्या: प्रज्ञा

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जनपद पंचायत के पुराने भवन को नीलामी पर उठे विवाद के बाद ,सोशल मीडिया पर भी इसके टाइमिंग और उद्देश्य को लेकर तरह तरह के विरोध के स्वर उठ रहे थे,जनपद पंचायत के कुछ सदस्यों ने जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी से मिल अपना विरोध दर्ज कराते हुए इसे स्थगित कराने की मांग की, बहुसंख्यक सदस्यों का मानना था कि जब नए अध्यक्ष का चुनाव में सिर्फ 4 दिन शेष हैं,तो नीलामी की जल्दीबाजी समझ से परे है,वैसे भी बेमेतरा जिला मुख्यालय होने के कारण वर्तमान नवीन जनपद भवन में भी जनपद सदस्यों और पंच सरपंचों की बैठने कोई कक्ष नही है, ऐसे में पुराने जनपद को इस तरीके से बनाया जाए कि ग्रामीण प्रतिनिधियों के अपने इस सचिवालय में वो जब आये तो कम से कम उनके बैठने के लिए कोई स्थान तो हो, जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी ने बेमेतरा के प्रभारी और पंचायत मंत्री टी एस सिंह देव से दूरभाष पर चर्चा कर सारी परिस्थितियों से अवगत कराते हुए नीलामी को रोकने का आग्रह किया विभागीय मंत्री टी एस बाबा से चर्चा के उपरांत घण्टे भर में ही नीलामी रोकने सबंधी आदेश जारी हो गया,जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी और जनपद सदस्यों ने पंचायत मंत्री टी एस बाबा का आभार व्यक्त किया, प्रज्ञा निर्वाणी ने सवाल उठाया की क्या जनपद की तरह ग्राम पंचायत भी अपने जमीन को खुली नीलामी दुकान बनाने के लिए कर सकती है, यह पंचायत के किस अधिनियम के तहत किया जाएगा,और जब अध्यक्ष को 4 दिन बाद चुना ही जाना है तो क्यों इतनी हड़बड़ी और क्या इसके लिए सभी सदस्यों ने कोई प्रस्ताव या अपनी लिखित सहमती दी थी, बहरहाल नीलामी थमने से जनपद सदस्यों में खुशी का माहौल है।

अंधाधुंध पेड़ कटाई से परेशान पक्षियों को बनाना पड़ा है विद्युत खंभे में आशियाना

बेमेतरा। पेड़ पौधे की अन्धाधुंध कटाई से पशु पक्षियों को अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। छोटे-मंझले एवं बड़े शहरों में कांक्रिट के जंगल उग आने से पक्षियों का अस्तित्व विलुप्त के कगार पर है। जहां पेड़ पौधे होना चाहिए वहां अब नये-नये भवन, मकान, गोदाम बन रहे हैं। पक्षियों को घोसला बनाने के लिए शहरों में पेड़ नहीं मिलने से वे विद्युत खम्भा में अपना आशियाना बना रहे हैं। वतज़्मान में मोबाईल टावर से निकलने वाले रेडिएशन के कारण गौरैया पक्षी जिसे छत्तीसगढ़ी में बाम्हन चिरई भी कहते हैं का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पयाज़्वरण का संतुलन बनाने, कीट पंतगों एवं चूहों के प्रकोप से फसल नुकसान होने से बचाने में कृषक मित्र का काम करते है, पयाज़्वरण संतुलित रखते है। कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से पक्षियों की संख्या कम होती जा रही है वहीं कुछ प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं जो कि चिन्ता का विषय है। यह तस्वीर बेमेतरा से हमारे घुमन्तु सुधि पाठक ने भेजी है जो जनपद पंचायत दफ्तर के पीछे ट्रांजिट हॉस्टल के समीप एक विद्युत खम्भे की है जहां सलई चिड़िया ने बारिश से बचने एवं नन्हे परिंदों की सुरक्षा के लिए अपना घोसला बनाया है।

शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी : संभागायुक्त कावरे

पायनियर संवाददाता ◀ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्ट्रेट सभागार में संभागायुक्त महादेव कावरे की अध्यक्षता में सभी विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संभागायुक्त ने प्रशासन और आम नागरिक को जोड़ने वाली कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल और केवल अंतिम हितग्राही तक शासन की योजनाओं को पहुंचाना है और सभी अधिकारियों को इसी मूल मंत्र के साथ कार्य करना चाहिए। बढ़ती हुई भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने नगरी निकाय अमले को जल प्रदाय व्यवस्था पर सतत मॉनिटरिंग के लिए अलर्ट रहने और सभी नगरी वार्डों को टैंकर मुक्त करने दिशा में कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने बैठक में कुछ विशेष बिन्दुओं पर भी चर्चा की। इसमें ग्रामीणों को वृद्धा व अन्य पेंशनों का न मिल पाना शामिल था। इसके लिए उन्होंने ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर लगाने की बात कही और खाते को आधार के साथ लिंक करने के लिए कहा ताकि ग्रामीणों को डीबीटी का बेनिफिट बिना किसी बाधा के मिल सके। इसके अलावा उन्होंने गर्मी में ओवरलोडिंग की समस्या के चलते विभिन्न स्थलों पर आने वाली बिजली की समस्याओं के निराकरण के लिए सीएसपीडीएल के संबंधित अधिकारियों को समस्या के निराकरण के लिए कहा। कई जगह नगरिकों को सरकार की हॉफ बिजली योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है इसके लिए उन्होंने चेक लिस्ट बनाएं जाने का सुझाव दिया ताकि लोगों को बढ़े हुए बिजली बिल से मुक्ति मिल सके। इसके अलावा उन्होंने शासन की प्रमुख योजनाओं का लाभ हितग्राही के पास सुलभ तरीके से कैसे पहुंचे इसके लिए अधिकारियों को पारदर्शिता बरतने के लिए कहा।उन्होंने गौठानों में स्वसहायता समूह की महिलाओं को उनके कार्यों के लिए तुरंत भुगतान हो और गौठानों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार उन्मुख कार्य किया जायें इस बात पर ज्यादा जोर दिया।गौठानों को सोलर उपकरणों के माध्यम से ईकोफ्रेंडली दिशा में आगे बढ़ाने, मछली पालन, नर्सरी कार्य, कुकुट पालन के साथ-साथ एलईडी बल्ब और गोबर से लॉग जैसी गतिविधियों संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सरकारी योजनाओं के लिए एक ऐसा ईको सिस्टम बनाने की बात कही जिससे कि बाहरी मार्केट की निर्भरता खत्म हो जाए।

मेघावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

कभी असफलता मिले तो निराश न हों, आपकी सफलता को कोई छीन नहीं सकता: विधायक आशीष छाबड़ा

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी के मेधावी छात्र-छात्राओं का विधायक कार्यालय बेमेतरा मे आशीष छाबडा विधायक बेमेतरा द्वारा विद्यार्थि सम्मान समारोह का आयोजन किया। विधायक आशीष छाबड़ा ने विद्यार्थियों को बधाई देते कहा कि जीवन में सफल होने हमेशा बड़ा लक्ष्य रखें तथा लक्ष्य को हासिल करने रणनीति बनाकर तैयारी करें। सपने एक दिन में पूरा नहीं होता है। इसके लिए सतत मेहनत और लगन की आवश्यकता होती है। आप लोगों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर बेमेतरा विधानसभा का मान और शान बढ़ाया है, जिससे बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र गौरवान्वित है, ऐसे देखने में आता है कि निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं होने पर विद्यार्थी निराश हो जाते हैं जो उचित नहीं है। सफलता और असफलता जीवन के दो पहलू हैं, अपनी क्षमता और किसी विषय पर लगाकर सफल हुआ जा सकता है, हर व्यक्ति में विलक्षण प्रतिभा होती है और अपनी प्रतिभा के अनुसार सही दिशा देने से ही जीवन में सफल हो सकता है,सपने देखिए, आपके सपने तभी पूरे होंगे जब सपने देखेंगे। कोई भी लड़ाई सकारात्मक भाव से लड़ने पर जीती जा सकती है। नाकारात्मक भाव कभी न रखें। जितना अपने सोचा है उसे पूरा करने के बारे में हमेशा सोचते रहें इस अवसर पर शकुंतला मंगत साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा, सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, रश्मि मिश्रा स्भापति, मनोज शर्मा सभापति, राम ठाकुर सभापति, रानी सेन पार्षद, रेहाना रवानी सभापति, रवि रजक, प्रशांत तिवारी एल्डरमैन शंकर चौहान एल्डरमैन, रावेंद्र देवांगन एल्डरमैन, चंदू शीतलानी एल्डरमैन, रहे उपस्थित इस अवसर पर सम्मानित होने वाले विद्यार्थिगण स्वामी आत्मानंद बेमेतरा नुरीचा साहू, संस्कृति साहू, प्रजाल मिश्रा, खिलेस्वरी साहू, सौमया ठाकुर, अंकिता सोनी, शास.बालक उ. म. विद्यालय बेमेतरा, टीकेस्वर बजारे, अनिल साहू, सतीश रात्रे, गीरिराज सोनी, चतुर, धनेश्वर, शास.कन्या उ.म.विद्यालय बेमेतरा प्रीती बंजारे, आशा राजपूत, देविका यादव, इंडीयन पब्लिक स्कूल बेमेतरा, मुस्कान देवांगन, विदिया पाटकर ,अंजल सिंह, हितेश रात्रे, होमेस्वरी साहू, मुस्कान वर्मा, सरस्वती शिशु मंदिर उ. मा. विद्यालय बेमेतरा, डोमेंद्र कुमार देवागन, शैलेंद्र कुमार साहू, दीव्या पांडे, पल्लवी बाधे, वैभन कुमार सोनी,मेघा यादव, साथ ही शिक्षक सम्मान सुदेशा चटर्जी प्राचार्य स्वामी आत्मानंद विद्यालय बेमेतरा, कु.वर्षा साहू प्रधान पाठक, अनामिका रणजीत प्रधान पाठक, स्मृती अग्रवाल, अंजुलता, दलेस्वरी साहू, सुधीर कुमार, विशाल जगवानी, श्रवण साहू, प्रेमलता वैष्णव हुए सम्मानित।

जनदर्शन से 24 घंटों के भीतर दिव्यांग को मिला समाधान

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने सभी विभागाध्यक्षों को जनदर्शन में प्राप्त होने वालें आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने का निर्देश दिया है। सप्ताह में संचालित होने वाले दो दिवसीय जनदर्शन के प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन सतत रूप से कार्य कर रहा है और इसी का परिणाम है कि एक आवेदक की समस्या का निराकरण समाज कल्याण विभाग द्वारा मात्र 24 घंटे के भीतर कर दिया गया। आवेदक ने मंगलवार को अपनी समस्या कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की थी, जिसे कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक को प्रेषित किया था। प्रकरण में आवेदक संतोष वर्मा द्वारा अपने दिव्यांग पुत्र शुभम वर्मा को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान किए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। वर्तमान में दिव्यांग शुभम वर्मा कक्षा पांचवी का छात्र है और उसकी उम्र 12 वर्ष है। आवेदक का पुत्र दिव्यांगता की मुकबधिर श्रेणी में आता था परंतु उसे शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। जब कलेक्टर के समक्ष आवेदन आया तो उन्होंने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक को उसकी पात्रता स्पष्ट करने के लिए निर्देशित किया था।

कलेक्टर डॉ. गौरव ने ग्राम बैजना व मद्कू में लगाई चौपाल, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

■ **बैजना से खम्हरिया मार्ग पर स्थित नाला में पुल निर्माण हेतु कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश**

पायनियर संवाददाता ‹ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान पथरिया विकासखण्ड के ग्राम बैजना ग्राम मद्कू पहुंचे और उन्होंने ग्राम बैजना में नीम के पेड़ और ग्राम मद्कू में गुलमोहर पेड़ के नीचे बैठकर चौपाल लगाई। उन्होंने चौपाल में ग्रामीणों की नागरिक केन्द्रित सेवाओं यथा पेयजल, बिजली, राशन, पेंशन, सड़क, आवास, राजस्व प्रकरण आदि से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुना और समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सिह ने कहा कि ग्राम के विकास में ग्रामीणजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। छोटी-छोटी समस्याओं का निराकरण ग्राम पंचायत के माध्यम से ग्रामसभा की बैठक में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामसभा की बैठक में ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल होकर ग्राम के विकास के संबंध में चर्चा करें और महत्वपूर्ण निर्णय लेकर ग्राम के विकास में भागीदार बने। कलेक्टर डॉ सिंह ने जनचौपाल में ग्राम बैजना के ग्रामीणों की मांग पर ग्राम बैजना से खम्हरिया मार्ग पर स्थित बिरना नाला में पुल निर्माण हेतु कार्ययोजना बनाने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। इससे आमजनों को आवागमन में सुविधा होगी।

बैठक में उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत मद्कू क्षेत्र के 34 ग्रामों के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मद्कू समूह जल प्रदाय योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत 43 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना के पूर्ण हो जाने पर 34 ग्रामों के लोगों को पाईपलाईन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगी। तत्पश्चात् उन्होंने ग्राम बैजना में शासन की महत्वाकांक्षी सुराजी ग्राम योजना के तहत निर्मित गौठान में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, आजीविकामूलक गतिविधि, चारागाह, बाड़ी विकास के कार्य का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्राथमिक शाला भवन बैजना के निरीक्षण के दौरान नए सत्र में स्कूल प्रारंभ होने के पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी तरह कलेक्टर डॉ. सिंह ने ग्राम मद्कू में स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान के निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न का भण्डारण, वितरण, राशन कार्ड धारकों की संख्या आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की और हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न सामाग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डी. एस. राजपूत, पथरिया एस.डी.एम. प्रिया गोयल सहित संबंधित विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में किया गया साइकिल वितरण

पायनियर संवाददाता ‹ चांपा
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के तहत चांपा के महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नगर पालिका चांपा के पूर्व अध्यक्ष व पार्षद राजेश अग्रवाल तथा पार्षद नागेंद्र गुप्ता की उपस्थिति में साइकिल वितरण सम्पन्न हुवा। बता दें कि आज भी हमारे देश में बेटियों को बेटों के समान शिक्षा प्राप्त करने के लिए अवसर प्राप्त नहीं होते थे। इसका सबसे बड़ा कारण परिवार का आर्थिक रूप से कमजोर होना होता था। इसका एक और कारण यह भी होता है कि शिक्षण संस्थान जो अधिकतर दूरी पर होते हैं। छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अपने निवास स्थान से बहुत दूर यात्रा करनी पड़ती थी। माता-पिता परिवार में बच्चों की पढ़ाई के लिए उनकी यात्रा पर होने वाले खर्च को नहीं वाहन कर पाते हैं। इसकी वजह से छात्र-छात्राओं के होनहार होने के बावजूद भी उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ती है।बेटी के मामले में अक्सर यह मामला ज्यादा देखने को मिलता है। माता-पिता सुरक्षा कारणों की वजह से अपनी पुत्री को विद्यालय नहीं भेज पाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी द्वारा इस योजना को पूरे राज्य में क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना का नाम छत्तीसगढ़ सरस्वती साइकिल योजना है। योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा शिक्षा विभाग के अंतर्गत बेटियों को स्कूल तक जाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिन बेटियों को घर से दूर विद्यालय तक लाने सरकार द्वारा मुफ्त साइकिल मुहैया कराई जा रही है। सरस्वती साइकिल योजना के तहत नवमीं कक्षा में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य वर्ग के बीपीएल परिवार की बालिकाओं को साइकिल दी जाती है। ये योजना एक ऐसी महत्वाकांक्षी योजना है जो ना सिर्फ बेटियों को स्कूल आने-जाने में मदद करती है बल्कि बेटियों की शिक्षा की राह भी आसान करती है। इस योजना के संचालित से स्कूलों में छात्राओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।

साइकिल मिलने से छात्राओं के चेहरे में आई मुस्कान

नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष व पार्षद राजेश अग्रवाल ने साइकिल विरतण कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरस्वती साइकिल वितरण योजना छात्राओं के पढ़ाई को निरंतर जारी रखने व दूरी को पाटने मिल का पत्थर साबित हो रहा। आगे कहा कि हमने इस कार्यक्रम में देखा कि छात्राओं के चेहरे में काफी खुशी झलक रही थी। यही इस योजना की सफलता है।

बेटियां समाज का भविष्य है, इन्हें जरूर पढ़ाएं

पार्षद नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि बेटियां समाज का भविष्य है,उनकी शिक्षा को न छीना जाए। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भविष्य में अपना एक अलग नाम बनाएं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता ‹ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाएं। लंबित राजस्व प्रकरणों का शतप्रतिशत निराकरण निर्धारित समय सीमा में करें। कलेक्टर डॉ सिंह आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में मुंगेली अनुविभाग के राजस्व अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने पटवारी प्रतिवेदन, आधार प्रविष्टि, नामांतरण, सीमांकन, बटांकन, आय, जाति, निवास, डायवर्सन, किसान-किताब, डिजिटल हस्ताक्षर, फौती आदि के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण शीघ्र किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी राजस्व प्रकरण के निराकरण एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्य को जिम्मेदारीपूर्वक करें। कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही बरतने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर एसडीएम मुंगेली अमित कुमार सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी उपस्थित थे।

29 किलो गांजा सहित आरोपी को किया गया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ‹ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले में पुलिस अधिक्षक के निर्देश के बाद से लगातार जुआ गांजा सट्टा पर कसाव लाने पुलिस द्वारा कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है, जिसके चलते कुछ दिनों पुर्व जहां जरहागांव पुलिस द्वारा अवैध शराब परिवहन पर कार्यवाही की गई थी, वही बीते कल सीटीकोतवाली पुलिस द्वारा से 29 किलो 33 ग्राम गांजा पकडा गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली, मुंगेली द्वारा टीम गठित कर किरण फयूल बाईपास रायपूर रोड मुंगेली के पास पर घेराबंदी कर चेकिंग के दौरान मुंगेली की ओर से एक काले रंग की मो0सा0 सीजी 10 एनए 4755 में दो व्यक्ति को गांजा रखे पकडे, जिन्होने अपना नाम आयुष देवांगन पिता रामनारायण देवांगन उम्र 23 वर्ष व संजय देवागंन पिता कृष्णा देवांगन उम्र 25 वर्ष साकिनान विवेकानंद वार्ड मुंगेली का रहने वाला बताया , उसके कब्जे से 29 किलो 33 ग्राम गांजा, एक मो0सा0स्पलैडर, दो नग मोबाईल, जुमला कीमती 164650/रुपये को जप्त कर आरोपीयो के विरुद्ध 20 बी एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत विधिवत कार्यवाही किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली मुंगेली के प्रभारी निरीक्षक केसर पराग, उप निरीक्षक आलोक सुबोध, प्रआर 355 राजेश बंजारे, प्रआर 177 मुकेश कुर्रे, आरक्षक योगेश यादव, बुंदेल पटेल, टिकेश्वर ध्रुव का कार्य सराहनीय रही।

शालिनी ने दसवीं मे 77.5 प्रतिशत प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल और परिवार का बढ़ाया मान

पायनियर संवाददाता ‹ चांपा
www.dailypioneer.com

वर्तमान समय मे एक ओर साधारण व्यक्ति अपने बच्चों को अच्छी और ऊंची शिक्षा दिलाने के लिए निजी स्कूलों मे दाखिला कराते हैं तो वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं जो शासकीय स्कूलों मे अपने बच्चों को दाखिला करा कर उसे अच्छी शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हैं और अक्सर देखने में आता है कि उच्च अंक हासिल करने वाले छात्राएं ज्यादातर निजी विद्यालय के विद्यार्थी होते हैं यही नहीं वे नामी-गिनामी कोचिंग क्लास में अपनी उपस्थिति देने के बाद भी अच्छा प्रदर्शन बड़ी मुश्किल से कर पाते हैं जबकि एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले पत्रकार राजू साहू ने अपनी बेटी शालिनी को चांपा के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हाईस्कूल मे दाखिला कराया है जहां कक्षा दसवीं की छात्रा शालिनी ने अपने माता पिता की इच्छा को ध्यान में रखते हुए खुब लगन से पढ़ाई की जिसका बेहतरीन परिणाम शालिनी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 77.5 प्रतिशत प्रतिशत अंक प्राप्त कर शाला एवं परिवार का गौरव बढ़ाया है छात्रा शालिनी के द्वारा अभाव के बीच शिक्षा अध्ययन करते हुऐ बिना किसी कोचिंग क्लास के जो सफलता हासिल की है वह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं कही जा सकती जो आज अपने अन्य दो छोटे बहनों के लिए किसी मिसाल से कम नहीं है जहां एक ओर शालिनी ने अपने विद्यालय का नाम को गौरवान्वित किया है तो वहीं अपने गुरुजनो एवं माता पिता के आशा अनुरूप अंक हासिल कर अभिभावकों का नाम रोशन कर दिखाया है शालिनी की शानदार सफलता पर मुहल्लेवासियों और पत्रकारों ने उत्साहवर्धन करते हुए ऐसे ही शिक्षा अध्ययन कर अपने माता-पिता सहित जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया और अच्छे भविष्य की कामना की।

आईएएस एसडीएम एवं जिला शिक्षा अधिकारी ने किया स्टेट टॉपर चिराग अग्रवाल का सम्मान

पायनियर संवाददाता ‹ सक्ति
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल 2022 की बोर्ड परीक्षाओं में कक्षा 12वीं में प्रदेश स्तर पर राज्य मेरिट सूची में स्थान बनाने वाले शक्ति शहर के अनुनय कॉन्वेंट स्कूल के छात्र चिराग अग्रवाल पिता- प्रकाश अग्रवाल को 18 मई को स्थानीय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आईएएस श्रीमती रेना जमील, जिला शिक्षा अधिकारी बी एल खरे सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारियों द्वारा सम्मान किया गया, इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद थे,तथा इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रैना जमील एवम जिला शिक्षा अधिकारी बी एल खरे ने कहा कि हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारे शक्ति जिले से भी बच्चो ने स्टेट मेरिट सूची में स्थान बनाया है,जिसके लिए हम उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते है, इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहायक सांख्यिकी अधिकारी राकेश अग्रवाल, चिराग अग्रवाल के अभिभावक उनके पिता प्रकाश अग्रवाल माता श्रीमती संगीता अग्रवाल एवं अनुनय कन्वेंट स्कूल के प्रबंधन समिति के सदस्य मौजूद रहे।

संस्कार स्कूल जैजैपुर की छात्रा कु. रेणुका चन्द्रा को मिला प्रदेश में तीसरा स्थान

पायनियर संवाददाता ‹ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

जयजयपुर के संस्कार स्कूल के छात्राओं ने पूरे प्रदेश में अपना नाम स्थापित किया जहां पर संस्कार स्कूल जैजैपुर 2022 को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा कक्षा 10 वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्कार स्कूल जैजैपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें कक्षा 12वीं (अंग्रेजी) की छात्रा कु. रेणुका चन्द्रा ने छ.ग. माध्य शिक्षा मंण्डल की प्राविण्य सुचि में 95.80प्रतिशत अंको के साथ तीसरा स्थान एवं जांजगीर जिला में प्रथम स्थान प्राप्त कर नगर पंचायत जयजयपुर के संस्कार विद्यालय जैजैपुर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया। वहीं कक्षा 12 वीं अंग्रेजी माध्यम में गोपेश चन्द्रा ने 84प्रतिशत के साथ द्वितीय, प्रथम चौबे ने 83 प्रतिशत के साथ तृतीय कु समृद्धि दुबे ने 824 प्रतिशत चतुर्थ स्थान हाई स्कूल सर्टि परीक्षा 2022 अंग्रेजी माध्यम में मुकेश कुमार जयसवाल में स्कूल में 94.83प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान, कु काजल चन्द्रा ने 93.33प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान कु दिव्या चन्द्रा ने 93प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान मुकेश चन्द्रा में 91.33प्रतिशत एवं भव्य कुमार नेताम ने 90.33प्रतिशत

हाई स्कूल सर्टि. परीक्षा 2022 हिन्दी माध्यम में कु अंशु आदित्य में स्कूल में 90.83प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान, कु. प्राची चन्द्रा ने 88.5प्रतिशत अंको में साथ द्वितीय कु अंजली खाण्डे 88.33प्रतिशत तनु गवेल ने 87प्रतिशत हर्ष चन्द्रा 86 प्रतिशत, गरिमा चन्द्रा एवं साक्षी चन्द्रा 83.33प्रतिशत निवेदिता चन्द्रा ने 82.16प्रतिशत हायर सेकेण्डरी सर्टि परीक्षा 2022 हिन्दी माध्यम में टेलेश्वर खुटें 88प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान कु अंजली चन्द्रा ने 838प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान कु. साक्षी चन्द्रा ने 81प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान एवं नविन कुमार चन्द्रा 80.8प्रतिशत अंक अर्जित किया छ.ग. मा.शि.म. रायपुर द्वारा आयोजित हाई एवं हायर से सर्टि परीक्षा 2022 के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम आने पर विद्यालय के प्राचार्य आर. एस. वैष्णव एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक / शिक्षिकाओं ने छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकमनाए दियें तथा छात्र / छात्राओं के मेहनत पालकों के सहयोग व जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती बी एल खरे व विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय सिदार सर के विशेष मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किये।

लंबे समय के अंतराल के बाद धमाकेदार छत्तीसगढ़ी फिल्म आई चल हट कोनो देख लिहि को दर्शको ने सराहा

■ **फिल्म के स्टार कास्ट ने प्रेस क्लब चाम्पा से प्रेसवार्ता कर दी जानकारी**

पायनियर संवाददाता ‹ चांपा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ी सिनेमा में सतीश जैन का नाम जब भी आता है तो सिर्फ धमाकेदार धमाकेदार फिल्म के लिए ही और एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया है कि सतीश सतीश जैन क्यों छत्तीसगढ़ी सिनेमा के नंबर वन डायरेक्टर हैं आज रिलीज हुई फिल्म ÷चल हट कोनो देख लेही÷ एक कंपलीट एंटरटेनमेंट पैकेज फिल्म है, सतीश जैन की फिल्म में ढाई घंटे का भरपूर मसाला होता है फिर चाहे गानों की बात करें एक्शन सीक्वेंस की बात करें इमोशन की बात करें कॉमेडी की बात करें फिल्म में हर वह एलिमेंट मौजूद है जो दर्शकों को बांध कर रखता है हीरो की एक्टिंग की बात करें तो एक्शन स्टार छवि वाले दिलेश साहू ने बहुत ही जबरदस्त अभिनय किया है रजनीश झांझी और अंजली सिंह चौहान फिल्म की जान जान है अनिकृति चौहान अपनी खूबसूरती अदायगी से दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाब रही है, वहीं हंसी का खजाना लिए हमेशा की तरह लोगो को गुदगुदाने में कामयाब रहे हेमलाल कौशल, फिल्म में दिखाए गए सभी किरदारों ने अपने किरदारों पर पर जान डाली है फिल्म का संगीत बैकग्राउंड म्यूजिक,सिनेमैटोग्राफी इसका मजबूत पक्ष है.. जो दर्शको की उम्मीदों में खरे उतरते दिखाई देते है। क्यों देखनी चाहिए यह फिल्म

इसका सीधा सा जवाब है जुबली डायरेक्टर सतीश जैन की फिल्म मेकिंग जिस स्टाइल स्टाइल और तरीके से फिल्म निर्माण करते हैं वह बहुत ही यूनिक और अलग रहता है है और हर बार की तरह इस बार भी बहुत ही जबरदस्त फिल्म परिवारिक ड्रामा इमोशन, नारी सशक्तिकरण पर बनाई है जो छत्तीसगढ़ी दर्शकों के मन में उत्साह संचार करती है। इस सम्बंध में फिल्म के स्टार कास्ट हीरो दिलेश साहू, अंजली सिंह चौहान, छोटेलाल साहू व पीआरओ दिलीप तामपल्लीवार ने प्रेस क्लब चाम्पा से प्रेसवार्ता कर दी जानकारी, फिल्म चाम्पा के मुकुंद मल्टीप्लेक्स एवं पदमिनी मल्टीप्लेक्स में देखी जा सकती है।

नवीन शक्ति जिले में कलेक्ट्रेट कार्यालय संचालन के लिए 25 कर्मचारियों की हुई नियुक्तियों के आदेश जारी

पायनियर संवाददाता ‹ सक्ति
www.dailypioneer.com

नवीन जिला शक्ति के गठन के बाद शक्ति में ओएसडी के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी नूपुर राशि पन्ना की नियुक्ति की गई है,तथा इसी श्रृंखला में कार्यालय कलेक्टर जिला जांजगीर चांपा के आदेश क्रमांक- 6188/ स्थापना/ 2022 जांजगीर दिनांक-18 मई 2022 के परिपेक्ष में कार्यालय विशेष कर्तव्य अधिकारी जिला शक्ति ने दिनांक 19 मई 2022 को अपने पत्र क्रमांक- 15/ 2022 के अनुसार एक आदेश जारी कर 25 कर्मचारियों को जिला शक्ति के कार्यालय में संचालन हेतु नियुक्त किए जाने की जानकारी देते हुए समस्त कर्मचारियों को डीपीआरसी भवन जिला पंचायत में प्रशिक्षण हेतु दिनांक 23 मई से 25 मई तक सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं, साथ ही प्रशिक्षण का समन्वय डॉक्टर ज्योति पटेल संयुक्त कलेक्टर जिला जांजगीर चांपा के मार्गदर्शन में होने की बात कही गई है। नवीन जिले सकती के लिए जिन 25 कर्मचारियों को जिला संचालन हेतु नियुक्त किया गया है उसमें पुष्पेंद्र कुमार सिंह सहायक ग्रेड 2 वित्त शाखा एवं लाइसेंस शाखा का कार्य देखेंगे, डिगेश्वर प्रसाद बरेठ सहायक ग्रेड 3 वित्त शाखा एवं लाइसेंस शाखा सहायक, राजेंद्र प्रसाद साहू सहायक ग्रेड 2 स्थापना शाखा, आशुतोष शर्मा सहायक ग्रेड 3 स्थापना शाखा सहायक, गणेश राम साहू सहायक ग्रेड 2 सांख्य लिपि शाखा, संतोष कुमार बंजारे सहायक ग्रेड 2 प्रोटोकॉल शाखा, संतोष कुमार पांडे सहायक ग्रेड 2 वरिष्ठ लिपिक शाखा एक, कालेश्वरनाथ श्रीवास सहायक ग्रेड दो वरिष्ठ लिपिक दो, हर्षवर्धन सिंह चंद्रा सहायक ग्रेड 2 व्यवहारवाद शाखा, सौरभ शर्मा सहायक ग्रेड 2 व्यवहारवाद शाखा सहायक, परदेशी राम यादव सहायक ग्रेड 2 शिकायत शाखा जनसंपर्क शाखा, अतुल पटेल सहायक ग्रेड 3 शिकायत शाखा सहायक, उपेंद्र कुशवाहा सहायक ग्रेड 2 नजूल आबंटन शाखा, युवराज नायक सहायक ग्रेड 3 निर्वाचन शाखा सहायक, बीरबल साहू सहायक ग्रेड 3 जनगणना, 20 सूत्रीय, विशेष, विवाह, अश्वनी कुमार यादव सहायक ग्रेड 3 नजूल भु आबंटन शाखा का कार्य देखेंगे। उपरोक्त आदेश नवीन शक्ति जिले की ओएसडी नुपुर राशि पन्ना ने 19 मई 2022 को जारी किए हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बीजापुर
Tel. No.:- 07853-220082 Email ID:- eebij-phe-cg@nic.in

निविदा क्र./03/त.शा./का.अ./लो.स्वा.यां./खण्ड 2022 बीजापुर, दिनांक 04/05/2022

// संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से समूहवार मुहरबंद निविदाएं प्रपत्र ''अ'' प्रतिशत दर पर बीजापुर जिले के विकासखण्ड भो.पटनम के ग्रामों में भवन/रूम निर्माण कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.स्वा.यां. खण्ड बीजापुर में दिनांक 30.05.2022 तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य की लागत क्रमशः रू. 15.63, 6.99, 1.39 लाख एवं अमानत राशि क्रमशः रू. 11723/-, 5244/-, 2000/- है। निविदा कार्य में प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छ.ग. के द्वारा जारी एस.ओ.आर. (Building Work) दिनांक 01.01.2015 समस्त संशोधनों सहित लागू होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 25.05.2022 तक है।

टीप – निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण नियम व शर्ते आदि की जानकारी कार्यालयीन अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में दिनांक 26.05.2022 तक देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बीजापुर (छ.ग.)

G-91246/4

जशपुर में विधायक विनय ने किया सी-मार्ट का शुभारंभ समूह की महिलाएं देसी हैंडमेड सामग्री का करेंगी कारोबार

सी-मार्ट से 3 हजार स्व-सहायता समूह के सदस्य को लाभान्वित करने का लक्ष्य

पायनियर संवाददाता जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन के सार्थक प्रयास से राज्य के प्रत्येक जिले में सी-मार्ट की स्थापना की जा रही है। इस कड़ी में गुरुवार को जशपुर विधायक विनय भगत ने जशपुर जिले के सी-मार्ट का शुभारंभ किया। पशुपालन विभाग कार्यालय के पास सी-मार्ट का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रयास से गौठानों को मल्टीएक्टीविटी के रूप में विकसित किया जा रहा है और समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पाद को विक्रय कराने के लिए जिला मुख्यालय में सी-मार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि महिलाओं को अच्छा बाजार मिल सके और आर्थिक लाभ ले सके।

काजू, ग्रीन-टी आदि की बिक्री

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देश में जिले में सी-मार्ट का संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर स्व सहायता समूह महिलाओं और कृषक उत्पादक संगठन द्वारा तैयार विभिन्न सामग्रियों के लिए बाजार उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से सी-मार्ट के माध्यम से महिलाएं मुख्य रूप से काजू, ग्रीन-टी, रागी, कुकीज, आचार, जीरा फूल चावल, जवा फुल चावल, सी.टी.सी. चाय, महुआ लड्डू, हल्दी, मिर्च मसाला सहित विभिन्न प्रकार के 100 से ज्यादा उत्पाद बिक्री के लिये रखे गये हैं। सी-मार्ट में स्थानीय चित्रकारों, कुम्भकारों आदि को उचित बाजार उपलब्ध कराया गया है। इस अवसर पर विधायक विनय भगत द्वारा सी-मार्ट से सामग्री भी क्रय की गई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सचिन भूतड़ा, संयुक्त कलेक्टर योगेन्द्र श्रीवास, अमित महतो, सूरज चौरसिया, खुड़िया रानी फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी के अध्यक्ष कमला विश्वकर्मा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जशपुर के जिला प्रभारी विजय शरण प्रसाद और स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

4207 वर्गफुट का मार्ट

सी-मार्ट का कुल क्षेत्रफल 4207 वर्ग फुट है जिसमें समूह की महिलाओं को चौपाटी की भी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि महिलाएं चार्ट ठेला में स्वयं के बनाए गए व्यंजन आदि को बाजार में विक्रय कर सके और उनको चौपाटी से भी अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो सके। जिला प्रशासन के अंतर्गत् संचालित सी-मार्ट में मां खुड़िया रानी कृषक उत्पादक संगठन में 1068 महिलाएं जुड़ी हैं। सी-मार्ट खुड़िया रानी कृषक उत्पादक संगठन द्वारा चलाया जा रहा है। जिले के कुल 205 गौठान ग्राम पंचायतों से कुल 317 स्व सहायता समूह द्वारा उत्पादित सामग्रियों को सी-मार्ट के माध्यम से विक्रय कराया जा रहा है और लगभग 3 हजार स्व-सहायता समूह के सदस्य को लाभान्वित हो रही है। इसके अतिरिक्त सी-मार्ट में कार्यरत अटेण्डर भी समूह के सदस्य हैं और जिला प्रशासन द्वारा फूड लैब का निर्माण किया गया है जहां उत्पाद का निर्माण और पैकेजिंग की व्यवस्था की जाती है। यहां पर कुल 20 महिलाएं कार्य कर रही है। साथ ही पंचक्की में समूह की महिलाओं के द्वारा कच्ची घानी सरसों तेल, रागी पाउडर, आचार, चटनी, आदि निर्माण में कुल 15 महिलाएं कार्य कर रही हैं।

सरकारी-वाहन कंडम प्राइवेट-वाहनों के किराए में लाखों रुपए-फूंककर अपने 'अरमान' पूरे किए जा रहे हैं

पायनियर संवाददाता करगीरोड-कोटा
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय-ग्रामीण-स्वास्थ्य-मिशन के अंतर्गत 14-करोड़ 34-लाख-12-हजार 06-सौ पैंतीस रुपए का लेखा-जोखा सहित कोविड-कॉल में जीवनदीप-समिति को राज्य-व केंद्र सरकार द्वारा मिलाकर 22-लाख की राशि..सरकारी वाहनों के कंडम-होने के बाद दूसरी लहर से लेकर तीसरी-लहर के आशंकाओं के बीच पूर्व व वर्तमान समय में सतत-रूप से चलने वाली ट्रेवल्स की प्रायवेट-वाहनों में लाखों-रुपए का किराया स्वास्थ-विभाग के मातहतों के द्वारा जो कि फूंक दिया गया और वर्तमान में भी सतत-रूप फूंका जा रहा है..इन वाहनों की सेवाएं-आमजनों के स्वास्थ-सेवाएं में कम अपने और अपने समकक्ष-मातहतों के सेवाए में ज्यादा उपयोग हो रहा है..राज्य-सरकार द्वारा आमजनों के लिए प्रदान की जानी वाली राशि का आपसी-बंदरबांट कैसे होता है..अगर ये देखना है..तो राज्य सरकार के वर्तमान मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के स्वास्थमंत्री-स्वास्थ-सचिव को बिलासपुर-सीएचएमओ-कार्यालय सहित कोटा-सीएचसी में तत्कालीन-सरकार के समय से लेकर वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सालो से अंगद की पैर की तरह जमे रेगुलर-अधिकारी-कर्मचारी सहित खासकर कोटा-सीएचसी में 'मदाम' संविदा-अधिकारी-कर्मचारीयो व अन्य मातहतों के संपति की जांच के लिए आर्थिक-अन्वेषण-ब्यूरो सहित एंटी-करप्शन-ब्यूरो को जांच के लिए सौप देना चाहिए जिसके बाद कौन-कौन बना है। करोड़पति की जानकारी बाहर निकल आएगी।

सूचना-के अधिकार से मिली जानकारी से हुआ पूरा खुलासाः-

कोटा-सीएचसी के समस्त पीएचसी के जीवनदीप-समिति में कुल जमा-राशि 'है-या-थी' सहित कोटा-सीएचसी में चल रहे ट्रेवल्स के प्रायवेट-वाहनों के शासकीय-कार्यों में कम व्यक्ति गत-कार्यों के लाखों-रुपए भुगतान की राशि शासन के मत्थे-फोड़कर अपने-अपने 'अरमान' पूरे किए जा रहे हैं कोविड-कॉल में कोटा सीएचसी में सतत रूप से चलने वाली 'अरमान-ट्रेवल्स' की वाहन Tata-zest क्रमांक-CG-10-AC-3122 16-जुलाई-2020 से लेकर 15-अक्टूबर-2020 तक लगभग 92-दिन 14030-किलोमीटर चली..लॉगबुक के हिसाब से जिसका की प्रतिदिन 1496/? के हिसाब से 9200/km को 1,37,632/? वहीं पर अतिरिक्त किलोमीटर चले 4830/km को 8.75/? की दर से 42,262/? कुल राशि 1,79,894/? वहीं पर अरमान ट्रेवल्स की दूसरी वाहन क्रमांक-CG-10-AJ-0830 26-मई-2020 से 15-अक्टूबर-2020 लगभग 112-दिन 14300-/km-का प्रतिदिन 1496/? की दर से 2,13,928,00/? वहीं पर अतिरिक्त-किलोमीटर 2289/km चले वाहन का 8.75/? की दर से अतिरिक्त -किराया 20028.75/? कुल राशि 2,33,956/? कुल मिलाकर दोनों वाहनों का 4-लाख 13-हजार 849-? 'अरमान-ट्रेवल्स' को भुगतान किया गया। मजेदार बात ये है..कि बिल के आधार पर दोनों वाहनों 30998-किलोमीटर चली है और इसी आधार पर भुगतान किया गया है..वहीं अगर हम लॉगबुक के आधार पर हिसाब लगाए तो कुल-11135-किलोमीटर दोनों वाहने चली है मतलब 19263-हवा में चला दी गई, आरटीआई से मिली जानकारी के बाद लगातार इस पूरे मामले की खबर का खुलासा होने के बाद सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली कि 'अरमान-ट्रेवल्स' के चलने वाले कोविड-वाहनों के लॉगबुक में हस्ताक्षर टेंगनमाडा के स्वास्थ-कर्मी से कराया जाता रहा है..जो कि जानकारी मिलने के बाद उस स्वास्थ-कर्मी ने कोटा-सीएचसी में उपस्थित होकर इस बारे में आपत्ति दर्ज कराई ..साथ ही ट्रेवल्स-के संचालक पर कानूनी-कार्यवाही करने की बात कही गई।

जेके लक्ष्मी सीमेंट ने जनवरी-मार्च'22 में 161.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया

रायपुर। भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनियों में से एक, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड ने जनवरी-मार्च 22 में 1497.64 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया जोकि जनवरी-मार्च 21 की इसी तिमाही में किये गए 1321.99 करोड़ रुपये के कारोबार से 13त्न ज्यादा है। पेटकोक और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि के बावजूद, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने अपनी कार्यप्रणाली क्षमता, ऊर्जा लागत, उत्पाद मिश्रण और बिक्री की मात्रा में निरंतर सुधार करके यह वृद्धि अर्जित की है। अन्य आय से पहले जेके लक्ष्मी सीमेंट का एबिटा जनवरी-मार्च.22 में बढ़कर रु 276.23 करोड़ हो गया, जो जनवरी- मार्च.21 में रु 267.88 करोड़ था। ब्याज, मूल्यह्रास और असाधारण मद प्रदान करने के बाद, जनवरी-मार्च.22 में पीबीटी 197.93 करोड़ रुपये रहा, जबकि जनवरी-मार्च.21 में यह 186.53 करोड़ रुपये था। कर और अन्य व्यापक आय प्रदान करने के बाद, जेके लक्ष्मी सीमेंट का लाभ जनवरी-मार्च 22 में 161.26 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 138.27 करोड़ रुपये था। अप्रैल 21-मार्च 22 के बारह महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री 15% बढ़कर 5040.78 करोड़ रुपये (4384.71 करोड़ रुपये) और एबिटा 868.52 करोड़ रुपये (864.22 करोड़ रुपये) हो गई। इस अवधि के दौरान पीएटी स्तर पर जेके लक्ष्मी सीमेंट का लाभ 14% बढ़कर रु 417.56 करोड़ पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में रु 366.24 करोड़ का लाभ हुआ था। इस तिमाही के दौरान, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने अपने सिरोही संयंत्र में 10 मेगावाट वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना शुरू की है, जिससे कंपनी की कुल वेस्ट हीट रिकवरी क्षमता 33 मेगावाट हो गई है। बोर्ड ने 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 100% लाभांश (डिविडेंड) की सिफ ारिश की है।

कोलगेट स्ट्रॉंग टीथ हमें बताता है कि अच्छे पोषण की शुरुआत मजबूत दांतों से होती है

रायपुर। शाहिद कपूर और राणा डग्गूबती ने स्ट्राँग टीथ के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए कोलगेट के साथ गठबंधन किया,भारत, 2022ः ओरल केयर में मार्केट लीडर, कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड ने अपने लेटेस्ट कैम्पेन, 'दांत स्ट्राँग तो मैं स्ट्राँग' के साथ भारत के सबसे बड़े टूथपेस्ट ब्रांड- कोलगेट स्ट्राँग टीथ की नई पहचान प्रस्तुत की है। ब्रांड ने स्ट्राँग टीथ और पोषण के बीच संबंध पर रोशनी डालते हुए बताया है कि खाने को ठीक से चबाने में दांत की कितनी महत्वपूण'भूमिका है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर बनती है और शरीर पोषक तत्वों को बेहतर रूप से ग्रहण कर पाता है। इस कैम्पेन के माध्यम से यह ब्रांड पहली बाद देश के चहेते, शाहिद कपूर और राणा डग्गूबती को लेकर आया है, जो नए युग के डैडी के किरदार में अपने बच्चे के स्वास्थ्य के प्रति संलग्न दिखाई देंगे। इस कैम्पेन में वो बता रहे हैं कि उनकी बेटियों की शक्ति उनके स्ट्राँग टीथ के कारण है, क्योंकि कोलगेट स्ट्राँग टीथ टूथपेस्ट दांतों में नैचुरल कैल्शियम की कमी को पूरा करने में मदद करता है। नए कोलगेट स्ट्राँग टीथ की आधुनिक पैकेजिंग में एक युवा लड़की शक्ति एवं स्ट्राँग टीथ के प्रतीक के रूप में दिखाई देती है। इस नए कैम्पेन के बारे में अरविंद चिंतामणि, वीपी, मार्केटिंग, कोलगेट-पामोलिव इंडिया ने कहा, ''हम भारतीय खाने को अच्छी तरह से चबाने के महत्व को अच्छी तरह जानते हैं और बचपन में हमारे माता-पिता निगलने से पहले खाने को 36 बार चबाने के बारे में हमें कहते रहे हैं। लेकिन फिर भी लोग इस बात को अक्सर नजरंदाज कर जाते हैं कि पाचन की क्रिया के सबसे पहले अंग हमारे दांत होते हैं।

भारतीय वुडवर्क एवं फर्नीचर निर्माण उद्योग का सबसे महत्वपूर्ण मंच नए बेंचमार्क स्थापित करने के लिए तैयार

रायपुर। डॉलर तक पहुंचाने तथा देश को इस क्षेत्र में विश्वस्तर पर अग्रणी बनाने का लक्ष्य, एशिया में वुडवर्क और फर्नीचर निर्माण उद्योग के प्रतिष्ठित कार्यक्रम इंडियावुड के 12वें संस्करण का आयोजन 1 से 6 जून 2022 के बीच बैंगलुरू के बैंगलोर इंटरनेशनल एग्ज़ीबिशन सेंटर में किया जाएगा। नुरेनबर्ग मेस्से इंडिया द्वारा आयोजित यह पांच दिवसीय कार्यक्रम आधुनिक उत्पादों की व्यापक रेंज पेश करेगा, साथ ही इस क्षेत्र में हुए आधुनिक तकनीकी विकास पर जानकारी उपलब्ध कराएगा। कारपेंटरी, कौशल, इनोवेशन, ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण के नए विश्वस्तरीय रूझानों पर ध्यान केन्द्रित करते, हुए इंडियावुड 2022 ने भारतीय फर्नीचर निर्माण एवं वुडवर्क उद्योग को 2025 तक 27 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है, ताकि भारत को फर्नीचर निर्माण की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ गंतव्यों की सूची में शामिल किया जा सके। उम्मीद है कि संगठित फर्नीचर उद्योग 2025 तक एक बिलियन डॉलर की उपलब्धि तक पहुंच जाएगा। सिवकुमार, वेनुगोपाल, ग्रुप डायरेक्टर, मैनेजमेन्ट बोर्ड के सदस्य, नुरेनबर्ग मैस्से इंडिया वुडवर्क एवं फर्नीचर निर्माण उद्योग को लेकर बेहद आश्वस्त हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा, ''उद्योग जगत के विकास के बीच इंडियावुड पिछले सालों के दौरान तेज़ी से विकसित हुआ है और साल 2022 इस आयोजन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।' कार्यक्रम के दौरान जर्मनी, यूएसए, कनाडा, तुर्की, मलेशिया, फिनलैण्ड, एस्टोनिया, ताईवान, गैबॉन देशों के पैविलियन स्थापित किए जाएंगे। यह पांच दिवसीय आयोजन आधुनिक उत्पादों की व्यापक रेंज पेश करेगा और इस क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी विकास पर जानकारी उपलब्ध कराएगा।

रायपुर में सैमसंग स्मार्ट स्कूल का उद्घाटन, छात्रों और शिक्षकों के लिए डिजिटल लर्निंग को दे रहा है मजबूती

रायपुर। टैब, एक प्रिंटर, एक सर्वर पीसी, एक टैबलेट चार्जिंग स्टेशन और पावर बैकअप है। मई, 2022-भारत के सबसे प्रशंसितब्रांड सैमसंग ने आज रायपुर के जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) स्कूल में अपने फ्लैगशिप ग्लोबल सिटिजनशिप प्रोग्राम सैमसंग स्मार्ट स्कूल का उद्घाटन किया। यह स्मार्ट स्कूल छात्रों को डिजिटल लर्निंग के मौके प्रदान करता है, इसके साथ ही उनकी सीखने की क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करता है। सैमसंग स्कूल के शिक्षकों के इंटरैक्टिव टीचिंग मैथड को और बेहतर बनाने के लिए उन्हें प्रशिक्षण भी दे रहा है। सैमसंग स्मार्ट स्कूल का उद्देश्य सैमसंग के|#39;टुगेदर फॉर टुमॉरो! इनेबलिंग पीपल|प्र39; विजन के तहत भारत में मूलभूत सुविधाओं से दूर रहे छात्रों को डिजिटल शिक्षा और परिवर्तन लाने वाले अपने स्वयं के इनोवेशन का लाभ पहुंचाना है, जिससे देश में कल के युवा लीडर्स तैयार हो सकें।

एचसीएल की रोशनी नादर मल्होत्रा का कहना है कि मांग का माहौल मजबूत, डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने वाली कंपनियां

रायपुर। एचसीएल टेक्नोलॉजीज की अध्यक्ष रोशनी नादर मल्होत्रा ने कहा कि बीते दो वर्षों में आई कई चुनौतियों के बावजूद प्रौद्योगिकी की मांग का माहौल अच्छा बना हुआ है और वैश्विक ग्राहकों का पूरा ध्यान तेज गति से डिजिटल रूपांतरण करने पर है। नाडर ने संवाददाताओं से कहा कि उत्तर एशिया, मध्य अमेरिका, पूर्वी यूरोप और अफ्रीका कंपनी के लिए नए क्षेत्र हैं जहां भविष्य में वृद्धि करने की योजना है। उन्होंने कहा, ''बीते दो साल अप्रत्याशित रूप से चुनौतीपूर्ण रहे हैं। इसके बावजूद मांग संबंधी वातावरण मजबूत बना हुआ है।'' यूरोप और अमेरिका में अपने विभिन्न ग्राहकों से चर्चा का जिक्र करते हुए नादर ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता पूरी दक्षता के साथ डिजिटल रूपांतरण कार्यक्रमों की गति तेज करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी की ज्यादातर बहुत ही निरंतर एवं मजबूती वृद्धि मौजूदा स्थलों और संसाधनों के जरिए आई है और इसी पर कंपनी का पूरा ध्यान है।

मजदूरों की समस्या से लड़ने मजदूर नेताओं ने बंगाल की धरती से खाई शपथ

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस पश्चिम बंगाल के द्वारा बीडी रोड में आयोजित पंडित जवाहरलाल नेहरु मजदूर रतन अवार्ड से देश के 150 से अधिक मजदूर नेताओं और मजदूरों को सम्मानित किया। इस दौरान बच्ची बंगाल की पूर्व सांसद और छह बार निर्वाचित हुए तड़ीतवरण तोपदार के अलावा एआईसीसी सदस्य और की बोर्ड के अध्यक्ष तपन अग्रवाल विशेष रूप से शामिल हुए। फिंगेश्वर के राष्ट्रीय सचिव अश्विनी कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्हें पूर्व सांसद और टी बोर्ड के चेयरमैन और पश्चिम बंगाल की राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमनाथ पटेल कुर्मी ने मंच पर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों मे इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईश्वर कुमार पासी, वरिष्ठ महासचिव हौशिला प्रसाद शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अश्विनी कुमार मिश्रा, एससीएमयू के नेता देवाशीष दत्तो, सीआईटीयू/एआईटीयूसी के अनादि शाहा और आरसीएमयू के नेता दीनानाथ प्रसाद, महिला विंग राष्ट्रीय सचिव पार्वती साहू, राष्ट्रीय सचिव सांतनु, राजकुमार र ाकर, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मनीष सिंह मीणा, मध्य प्रदेश अध्यक्ष दिनेश खटीक, पश्चिम बंगाल पुलिस अध्यक्ष प्रेमनाथ पटेल कुर्मी, जवाहर चौधरी महासचिव, गिरधारी पासवान और विजय कुमार साव संगठन सचिव, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष राज किशोर, पत्रकार साथियों में स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक चैनल और प्रिंट मीडिया के लोगों का सम्मान किया गया। मंच से पूर्व सांसद तड़ीतवरण तोपदार, आईसीसी सदस्य श्री अग्रवाल ने नेहरु जी के द्वारा किए गए कार्यों को सराहा और कहा कि देश की समृद्धशाली अर्थव्यवस्था जो भारत की रही जिसे भर के लोग खुशहाल थे।

हरा सोना की धरमजयगढ़ वनमण्डल में रिकॉर्ड खरीदी, वनवासी परिवारों में भारी हर्ष

रायगढ़। धरमजयगढ़ वन मण्डल में वर्ष 2022 तेन्दूपत्ता सीजन में रिकार्ड तेन्दूपत्ता की खरीदी से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है वन मण्डल में 59 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में 53 लाट अग्रिम निविदा में अच्छी दर विक्रय हुये है, एवं वन मण्डल में 82500 मानक बोरो का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसके विरूद्ध 17 मई तक 80185.565 मानक बोरा का संग्रहण हो चुका है। संग्रहण लक्ष्य का सत-प्रतिशत पुर्ति हेतु अभिषेक जोगावत भाव से वन मण्डलाधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक महोदय के कुशल मार्गदर्शन में तेन्दूपत्ता का संग्रहण जारी है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तेन्दूपत्ता का मूल्य राशि 2500 रू. प्रति मानक बोरा से 4000 रू. प्रति मानक बोरा किये जाने का सीधा लगभग 52000 संग्राहक परिवार को लाभ होगा। वन मण्डल धरमजयगढ़ में लगभग राशि रू. 33.00 करोड़ का संग्रहण पारिश्रमिक भुगतान होने से वनवासी संग्राहक परिवार समृद्ध होगा।

NOTICE

U/s 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT,1932

Notice is hereby given to all concerned of re-constitution of partnership firm "ADB & Company" with Registration No. 222202289929 Dated 19/05/2022 that has been altered on 31/12/2021.

That Rajesh Kumar Chawda, Shikhar Chand Jain, Arun Kumar Agrawal, Rishabh Jain, Rashmi Goverdhan Garg, Anil Kumar Agrawal, Rahul Agrawal, Chinmay Agrawal, Aniket Jain, Sapna Jain, B.Subramanyam, Jagdish Agrawal joined the partnership Firm.

That Shri Daljeet Singh Sando has seized to be a partner of the partnership firm.

For, **ADB & Company**
Place: Raipur
Date: 19/05/2022

(Bankim Shukla)
Partner

न्यायालय तहसीलदार मुंगेली, जिला मुंगेली (छ.ग.)

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक-अ-6/2020-21
ग्राम मुंगेली पहन 29

एतद द्वारा ग्राम मुंगेली के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सफुरा बाई पति माखन लाल जाति उरांव निवासी ढोढमा तहसील पथरिया जिला मुंगेली द्वारा ग्राम मुंेली हल्का नं 29 तहसील व जिला मुंगेली स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 340, 351 रकबा 0.186, 0.259 हे. को वारिसान के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30/05/22 को समय 11:00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/04/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
मुंगेली

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), केशकाल जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./202205200400004/अ-2/2021-22
ग्राम बोरगांव प.ह.नं.17 तहसील केशकाल

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक लितेशसिंह ठाकुर पिता नारायणसिंह जाति क्षत्रीय उम्र 27 वर्ष निवासी बोरगांव द्वारा ग्राम बोरगांव प.ह.नं. 17 रा. नि.म. केशकाल तहसील केशकाल में लितेशसिंह ठाकुर पिता नारायणसिंह जाति क्षत्रीय के स्वामित्व में दर्ज भूमि खसरा नं. 22/4 रकबा 0.027 हेक्टेयर कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 27/05/2022 तक न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। म्याद बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/05/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुद्रा के जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
केशकाल
जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

कार्यालय नायब/तहसीलदार बोड़ला, जिला कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम पंचायत-**धवईपानी** के समस्त आश्रिम ग्राम **धवईपानी** को सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शित कॉलम नम्बर-03 के आवेदकों द्वारा कॉलम नम्बर-04 के निम्नांकित हितग्राही/हितग्राहियों का जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पेश किया गया है:-

ग्राम का नाम- धवईपानी, **आवेदक का नाम-** राकेश, **हितग्राही का नाम-** राकेश, **आनलाईन आवेदन क्रमांक-**070401221 4001347, **जिस जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाना है-** अगरिया।

अतः उक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 02/06/2022 तक प्रमाणित दस्तावेजी साक्ष्य के साथ दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक में दावा/आपत्ति प्रस्तुत न करने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 19/05/2022 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 19/05/2022
पेशी दिनांक - 02/06/2022

मुहर

नायब/तहसीलदार
बोड़ला जिला कबीरधाम (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला रायपुर (छ.ग.)

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

वार्ड का नाम - संत कबीर दास
वार्ड क्र. 17, वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है निम्नानुसार भवन/भूमि/जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में कॉलम 3 अनुसार अधिभोगी के नाम से दर्ज है, कॉलम 4 में दर्ज अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत द्वारा वंशानुक्रम/बिक्रीनामा के आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **18.06.2022** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम, बिरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

नामांतरण प्र.क्र. एवं दिनांक - 115/19.05.2022, **निगम अभिलेख (संपतिकर मांग पंजी) में दर्ज** - 480/17, **निगम अभिलेख में अभिलिखित वर्तमान अधिभोगी का नाम** - हुलसिया यादव W/o दुखित राम यादव, **प्रस्तावित अधिभोगी का नाम-** भागवत प्रसाद साहू S/o स्व. बिसेलाल साहू.

मुहर

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
बीरगांव

कार्यालय, नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला रायपुर (छ.ग.)

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

वार्ड का नाम - ठाकुर देव वार्ड
वार्ड क्र. 18, वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है निम्नानुसार भवन/भूमि/जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में कॉलम 3 अनुसार अधिभोगी के नाम से दर्ज है, कॉलम 4 में दर्ज अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत द्वारा वंशानुक्रम/बिक्रीनामा के आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **18.06.2022** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम, बिरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

नामांतरण प्र.क्र. एवं दिनांक - 116/19.05.2022, **निगम अभिलेख (संपतिकर मांग पंजी) में दर्ज** - 67/18, **निगम अभिलेख में अभिलिखित वर्तमान अधिभोगी का नाम** - नरेन्द्र कुमार सोनी S/o भूखनलाल सोनी, **प्रस्तावित अधिभोगी का नाम-** डेबिना सेती W/o जय प्रकाश सेती.

मुहर

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
बीरगांव

कार्यालय, नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला रायपुर (छ.ग.)

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

वार्ड का नाम -शहीद चंद्रशेखर आजाद
वार्ड क्र. 31, वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है निम्नानुसार भवन/भूमि/जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में कॉलम 3 अनुसार अधिभोगी के नाम से दर्ज है, कॉलम 4 में दर्ज अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा वंशानुक्रम/बिक्रीनामा के आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **18.06.2022** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम, बिरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

नामांतरण प्र.क्र. एवं दिनांक - 117/19.05.2022, **निगम अभिलेख (संपतिकर मांग पंजी) में दर्ज** - 345/81, **निगम अभिलेख में अभिलिखित वर्तमान अधिभोगी का नाम** - प्रदीप पटेल S/o पुनीतराम पटेल, **प्रस्तावित अधिभोगी का नाम-** (1) रावेन्द्र सिंह S/o हनुमान सिंह (2) खोमलाल देवांगन S/o धन्नुराम देवांगन.

मुहर

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
बीरगांव

कार्यालय, नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला रायपुर (छ.ग.)

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

वार्ड का नाम -शहीद चंद्रशेखर आजाद
वार्ड क्र. 31, वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है निम्नानुसार भवन/भूमि/जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में कॉलम 3 अनुसार अधिभोगी के नाम से दर्ज है, कॉलम 4 में दर्ज अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा वंशानुक्रम/बिक्रीनामा के आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19.05.2022** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम, बिरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

नामांतरण प्र.क्र. एवं दिनांक - 118/19.05.2022, **निगम अभिलेख (संपतिकर मांग पंजी) में दर्ज** - 345/31, **निगम अभिलेख में अभिलिखित वर्तमान अधिभोगी का नाम** - (1) रावेन्द्र सिंह S/o हनुमान सिंह, (2) खोमलाल देवांगन S/o धन्नुराम देवांगन. **प्रस्तावित अधिभोगी का नाम-** (1) रावेन्द्र सिंह S/o हनुमान सिंह (2) खोमलाल देवांगन S/o धन्नुराम देवांगन.

मुहर

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
बीरगांव

कार्यालय, नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला रायपुर (छ.ग.)

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

वार्ड का नाम - ठाकुर प्यारेलाल
वार्ड क्र. 11, वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है निम्नानुसार भवन/भूमि/जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में कॉलम 3 अनुसार अधिभोगी के नाम से दर्ज है, कॉलम 4 में दर्ज अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत द्वारा वंशानुक्रम/बिक्रीनामा के आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **18.06.2022** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम, बिरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

नामांतरण प्र.क्र. एवं दिनांक - 119/19.05.2022, **निगम अभिलेख (संपतिकर मांग पंजी) में दर्ज** - 271/11, **निगम अभिलेख में अभिलिखित वर्तमान अधिभोगी का नाम** - विजय गुप्ता S/o तेरस गुप्ता **प्रस्तावित अधिभोगी का नाम-** विन्ध्याचली देवी W/o अरविन्द सिंह.

मुहर

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
बीरगांव

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर-02-A के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202205113800086/202205113800086

मामले की श्रेणी-राजस्व

विषय- अ-6 सन- 2021-2022
तेलीबांधा प.ह.नं. 00064 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- उत्पल भट्टाचार्य, अनावेदक पक्षकार- सुनील कुमार सूर

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदगण (1) उत्पल भट्टाचार्य पिता स्व. श्री एस. के. भट्टाचार्य (2) रजा भट्टाचार्य पति श्री उत्पल भट्टाचार्य दोनों निवासी-अवंति विहार, तेलीबांधा, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि उनके द्वारा ग्राम तेलीबांधा प.ह.नं. 64, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि जिसका खाता क्रमांक 866, खसरा नंबर 366/2 का भाग रकबा 2400 वर्गफुट भूमि को विक्रेता सुनील कुमार सूर पिता श्री कालीपद सूर पता-शुभम विहार, अवंति विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27/11/2012 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। यह है कि उक्त भूमि को आवेदकगण के विक्रेता सुनील कुमार सूर पिता श्री कालीपद सूर ने पूर्व विक्रेतागण (1) श्रीमती ज्योति शर्मा पति श्री ए. के. शर्मा निवासी-अमलीडीह, रायपुर (2) श्री आकाश त्रिपाठी पिता श्री राजेश त्रिपाठी निवासी-समता कालोनी, रायपुर से पंजीकृत बैनामा दिनांक 15/02/2007 के माध्यम से क्रय किया था। अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत बैनामा एवं क्रयबद्ध श्रृंखला के आधार पर अपने नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु आवेदकगण का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई में दिनांक 10/06/2022 को होगी।

अतएव उक्त भूमि को आवेदक के नाम नामांतरण किये जाने से जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 10/06/2022 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति पर इस न्यायालय द्वारा कोई विचार नहीं किया जावेगा।

1. माल जमादार तहसील कार्यालय रायपुर को सूचनार्थ एवं तामिली की कार्यवाही हेतु प्रेषित। 2. सर्वाधिक प्रसार वाले स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में ईश्तहार का प्रकाशन करवाने हेतु आवेदक को प्रेषित. 3. हल्का पटवारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित। आप आवेदित भूमि के नामांतरण के संबंध में वर्तमान स्थिति एवं पटवारी अभिलेख का अवलोकन कर प्रश्नाधीन भूमि शासकीय सीलिंग, शासकीय पट्टे की भूमि तो नहीं है? आदि के संबंध में स्थल जांच कर वस्तुस्थिति विस्तृत प्रतिवेदन बी-1 सहित पेश करें।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/05/2022 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

क्र./822/सं.अधि./21 राजनांदगांव/दिनांक : 17/05/2022

-: आम सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा निर्मित टेड़सरा, जिला राजनांदगांव में दीनदयाल आवास योजनांतर्गत भवन क्र. एल.आई.जी. 44 स्ववित्तीय योजनांतर्गत श्री मेहताब सिंह भाटिया पिता श्री गुरूशरण सिंह भाटिया के नाम पर आबंटित है। मूल आबंटी श्री मेहताब सिंह भाटिया पिता श्री गुरूशरण सिंह भाटिया द्वारा उक्त भवन फ्रीहोल्ड की कार्यवाही निष्पादन के पश्चात आबंटित भवन को विक्रय बायनामा के आधार पर श्रीमती भोलेश्वरी सोनबोईर पति श्री खिलानंद सोनबाईर निवासी ग्राम टेड़ेसरा तहसील व जिला राजनांदगांव को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता श्रीमती भोलेश्वरी सोनबोईर पति श्री खिलानंद सोनबोईर के द्वारा आवेदन एवं निष्पादित विक्रय बायनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त भवन को मण्डल अभिलेख में अपने नाम पर नामांतरण करने का अनुरोध किया गया है।

अतः आवेदक के पत्र में उनके अनुरोध पर मण्डल द्वारा नामान्तरण की कार्यवाही से किसी व्यक्ति, परिवार के सदस्य, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था, बैंक, या अन्य वित्तीय संस्थान को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन तिथि से पंद्रह दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर सह प्रमाणीत दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त होने वाले कोई भी आपत्ति आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होगी तथा कार्यालय द्वारा नामान्तरण की कार्यवाही की जावेगी।

मुहर

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजनांदगांव

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छग गृह निर्माण मण्डल, संपदा, प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

क्रं/820/सं.अधि./22 राजनांदगांव/दिनांक 17/05/22

-: आम-सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, राजनांदगांव द्वारा जनता कॉलोनी लखोली, जिला राजनांदगांव में सामान्य आवास योजनांतर्गत् भवन क्र. एच.आई.जी.बी.-20, श्रीमती नाफीसा बड़गुजर पति श्री मो. इस्लामुद्दीन बड़गुजर निवासी आजाद चौक तेलीपारा, वार्ड नं. 32, राजनांदगांव जिला राजनांदगांव के नाम पर आबंटित है। रजिस्ट्री दिनांक 13.03.2013 उक्त भवन का फ्रीहोल्ड निष्पादन दिनांक 30.12.2011 हो चुका है। तत् पश्चात् उक्त भवन को दिनांक 11.02.2022 में पंजीयन कार्यालय से श्रीमती पूजा सोनी पति श्री आकाश सोनी को विक्रय कर चुके हैं। श्रीमती पूजा सोनी द्वारा इस कार्यालय में दिनांक 23.02.2022 को आवेदन प्रस्तुत कर उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु अनुरोध किया गया है।

अतः आवेदिका के नाम पर नामांतरण की कार्यवाही से किसी व्यक्ति परिवार के सदस्य, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था, वित्तीय संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधी में आपत्ति प्राप्त न होने पर मण्डल द्वारा श्रीमती पूजा सोनी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी।

मुहर

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजनांदगांव

मार्ट से निगम को घाटा, एक तो किराया नहीं मिला रहा ऊपर से सामुदायिक भवन में होने वाले कार्यक्रमों का भी किराया हुआ बंद

निगम के बजट में केवल आय बढ़ाने की बातें, जबकि घाटे पर कोई ध्यान नहीं, मार्ट के संचालन के नियम शर्त दरकिनार

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित स्व सहायता समोहन , शिल्पियों , बुनकरों , दस्तकारों एवं पारम्परिक कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों का समुचित मूल सुनिश्चित करने हेतु इनके व्यवसायिक ढंग से मार्केटिंग किये जाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा शहर में सी मार्ट के नाम से आधुनिक शोरूम की स्थापना की गई है लेकिन उक्त सी मार्ट में ना तो संचालन के नियम शर्तों का पालन किया जा रहा है और ना ही उन मापदंडों को पूरा किया जा रहा है जो सी मार्ट के संचालन के समय जारी किये गए विज्ञापन में उल्लेखित किये गए हैं । जिला प्रशासन ने सी मार्ट खोलने के नाम पर सृस्टि कालोनी स्थित नीलगिरि सामुदायिक भवन को दे दिया है जो कि निगम के कब्जे में था और आम जनता को तरह तरह को कार्यक्रमों के लिए कम किराए पर उपलब्ध कराया जाता था लेकिन अब ना तो निगम इसे किसी को दे पा रहा है और ना ही सी मार्ट से निगम को किसी प्रकार का कोई किराया मिल रहा है। कुल मिलाकर हर बजट में निगम का आय बढ़ाने की बात करने वाली निगम प्रशासन अब खुद ही घाटे का सौदा करने पर आमादा है और वो ऐसा कर भी रही है । वैसे तो इस सी मार्ट में छत्तीसगढ़ में उत्पादित खाद्य वस्तुओं, रेडीमेड वस्त्र, साबुन, अगरबत्ती, हस्तशिल्प वस्तुएं, हेंडलूम उत्पाद इत्यादि के विक्रय किये जाने के उद्देश्य से इसे स्थापित किया गया है और स्थानीय स्तर पर उत्पादित सामग्रियों के प्रोसेसिंग , पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग में सहोग किया जाना इनका लक्ष्य है लेकिन इस तरह की कोई भी बातें सी मार्ट में देखने को नहीं मिलतीं । संचालन की शर्तों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि यहाँ रखे गए कुल स्टॉक का 70% सामान स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद होगा जबकि केवल 30% स्वयं की सामग्री संचालनकर्ता बेच सकेगा लेकिन मामला ठीक इसक उल्ट है और सी मार्ट के केवल 30% उत्तपाद ही स्व सयहयता समूह के हैं जबकि बाकी 70% स्टॉक अन्य सामग्रियों का भरा पड़ा है ।सी मार्ट की संचालन की शर्तों में तो इस बात का उल्लेख भी है कि कार्य एजेंसी द्वारा ग्राहकों के घर बैठे आर्डर किये जाने हेतु एक मोबाइल नंबर सी मार्ट के बाहर एवं शहर के विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग्स लगा कर प्रचार प्रसार किया जाएगा जिससे ग्राहक घर बैठे सामग्री का आर्डर कर सकें लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं किया जा रहा है।

निगम को सालाना लाखों का घाटा, सी मार्ट नहीं दे रहा एक रुपये भी किराया

सी मार्ट खोले जाने से नगर निगम को फायदा तो कुछ नहीं है बल्कि उलटे नगर निगम को सालाना लाखों का घाटा उठाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि सृस्टि कालोनी स्थित नीलगिरि सामुदायिक भवन को पहले आम जनता को वैव्हाहिक , जन्मदिन सहित अन्य कार्यक्रमों के लिए 12700 रुपये एक दिन के किराए के हिसाब से दिया जाता था और प्रतिवर्ष तक़रीबन पंद्रह चौबीस से पच्चीस बुकिंग यहाँ आती थी जिससे निगम को फायदा होता था । लेकिन अब यहाँ सी मार्ट खुलने से वहां स्थित कमरे और हाल आम जनता को नहीं दिए जाते जिससे बुकिंग आना कम हो गया है और सीधे सीधे निगम को घाटा हो रहा है। सी मार्ट के संचालन करता से भी नगर निगम को एक रुपये भी मासिक किराया प्राप्त नहीं होता वो भी निगम को नुकसान ही है।

पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग में महिला समूहों को कोई सहायता नहीं

सी मार्ट में वस्तुओं के विक्रय के अलावा महिला समूहों व स्थानीय उत्पादों के पैकेजिंग , ब्रांडिंग व् मार्केटिंग को भी बढ़ावा देना है लेकिन सी मार्ट में जो उत्पाद बेचे जा रहे हैं उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तेल सिर्फ प्लास्टिक के बोतलों में बिना ब्रांड के बेचे जा रहे हैं , बड़ी , पापड व् अन्य खाद्य सामग्रियों को केवल पॉलीथिन में पैक कर के बेचा जा रहा है । सी मार्ट की नियम शर्तों के हिसाब से किसी भी प्रकार की ना तो कोई ब्रांडिंग की जा रही है और ना ही महिला समूहों को पैकेजिंग व् मार्केटिंग में मदद किया जा रहा है ।

जिला पंचायत सीईओ व निगम आयुक्त को फोन उठाने की फुर्सत नहीं

सी मार्ट के संचालन में नगर निगम ने केवल अपने अधिकार क्षेत्र का भवन दिया है जबकि इसका संचालन जिला पंचायत के माध्यम से किया जा रहा है। सी मार्ट के के भवन की जानकारी के लिए जब निगम आयुक्त आशुतोष चतुर्वेदी से संपर्क किया गया तो उन्होंने दो दिनों तक मीटिंग में रहने की बात कह कर बात को टाल दिया जबकि जिला पंचायत सीईओ लोकेश चंद्राकर ने कई दफे फोन करने पर भी जवाब नहीं दिया । लोकेश चंद्राकर को शायद आम जनता के हित से कोई मतलब नहीं है और इसीलिए वो फोन उठाने की जहमत नहीं उठाते ।

इस सम्बन्ध में नगर निगम के यू. के. रामटेके ने पायनियर को बताया कि शासन की योजना है इसलिए नगर निगम कोई भी किराया नहीं ले रहा है । यदि भविष्य में कोई पॉलिसी बनेगी तो भले किराया लिया जा सकता है । बाकी डिटेकल आप संदीप तिवारी से ले सकते हैं ।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा : परीक्षा तिथि घोषित, 19 जून और 3 जुलाई को होगी परीक्षा

- बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में मिलेगा प्रवेश

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

प्रदेश के नर्सिंग महाविद्यालयों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित हो गया है। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा तिथि की घोषणा कर दी गई है। बीएससी नर्सिंग में प्रवेश के लिए परीक्षा 19 जून 2022 को और एमएससी नर्सिंग तथा पोस्ट बेसिक बीएससी निर्सिंग में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 3 जुलाई 2022 को होगी। इन परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के फैसले को अमल में लाते हुए इस बार इन परीक्षाओं के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी परीक्षार्थियों से किसी प्रकार का परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले राज्य के मूल निवासी सभी विद्यार्थियों को परीक्षा फीस पटाने से छूट मिलेगी।

व्यावसायिक परीक्षा मण्डल से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएससी नर्सिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 मई निर्धारित की गई है। एमएससी और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 मई तक लिए जाएंगे। आवेदन पत्रों में त्रुटि-सुधार के लिए भी समय सीमा निर्धारित कर दी गई है। बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन पत्रों में त्रुटि-सुधार 27 से 29 मई तक किया जा सकेगा। एमएससी और पोस्ट बेसिक नर्सिंग प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन पत्रों में त्रुटि-सुधार 30 मई से एक जून तक ही हो सकेगा। बीएससी नर्सिंग, एमएससी और पोस्ट बेसिक नर्सिंग प्रवेश परीक्षाओं के लिए अलग-अलग प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे।

रेणु जोगी की हालत में सुधार, विजय बहादुर ने मुलाकात कर जाना कुशलक्षेम

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कोटा विधायक डॉ. रेणु जोगी को 17 मई को ब्लड प्रेशर अत्यधिक बढ़ जाने की वजह से रायपुर के श्री नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के क्रिटिकल केअर हेड डॉ. पंकज ओमर, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. छत्रपाल सिंह साहू, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मनोज गुप्ता और टीम की ओर से उनकी सघन जांच की जा रही है। डॉ. जोगी की इको, एमआरआई-एनजीओ, कैरोटिड डॉप्लर एवं अन्य जांचे की गई हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ने का मूल कारण पता चल सके। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभी डॉ. जोगी का ब्लड प्रेशर नियंत्रण में है। उन्हें 19 मई की शाम अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आई सी यू) से प्राइवेट कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है। अमित जोगी ने सभी लोगों से डॉ. जोगी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करने का निवेदन किया है। बीते बुधवार जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के नेता विजय बहादुर सिंह डाक्टर रेणु जोगी का कुशलक्षेम जानने रायपुर पहुंचे । इस दौरान उन्होंने अमित जोगी से मुलाक़ात की व् रेणु जोगी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की ।

कोविड से मौत बाद 34 मृतकों के परिजनों को मिलेगा 17 लाख का मुआवजा

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने आपदा राहत मद अंतर्गत वर्ष 2022-23 में जिले में कोविड संक्रमण से 34 व्यक्तियों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 17 लाख रूपए की सहायता राशि की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत सहायता राशि संबंधित तहसीलदारों को पुर्नबंटित कर दिया गया है। तहसीलदारों को प्रत्येक मृतक के परिजनों को 50-50 हजार रूपए भुगतान करने कहा गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोविड संक्रमण से मृत 1 हजार 348 व्यक्तियों के परिजनों को 6 करोड़ 74 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। जिले में अब तक कोविड संक्रमण से 1 हजार 382 व्यक्तियों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 6 करोड़ 91 लाख रूपए का भुगतान की स्वीकृति दी गई है।

पुराने हॉस्पिटल भवन का नल कनेक्शन विच्छेद

- स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने निकाय में निकाली भड़ास

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत ने बकाया वसूली के लिए अभियान तेज कर रखी है। इस कार्रवाई से शासकीय कार्यालय भी अछूते नही है। दरअसल गत दिनों स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नल कनेक्शन भी काट दिया गया था। हालांकि विभाग द्वारा बकाया जमा कर दिए जाने के बाद भी नल कनेक्शन नही जोड़ने का हवाला देते हुए निकाय पहुंचकर अपनी भड़ास निकालने की खबर है। उल्लेखनीय है कि अनुभाग मुख्यालय स्थित समस्त शासकीय व गैर शासकीय कार्यालयों में नल कनेक्शन निकाय द्वारा प्रदान की गई है। अतः बकाया जलकर वसूली भी की जा रही है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक लंबे अरसे से बकाया रखने पर शासकीय हॉस्पिटल के पुराने भवन का नल कनेक्शन भी विच्छेद कर दिया गया था। निकाय पहुंचे स्वास्थ्य कर्मचारियों की माने तो विभाग द्वारा 10 मई को 5040 हजार की बकाया जलकर राशि जमा कराने के बाद भी रहवासी कर्मचारी व स्टॉफको पानी नसीब नही हो रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में समस्त कर्मचारीगण निकाय पहुंचे थे।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कहा कि कोविड टीकाकरण एवं मातृत्व शिशु स्वास्थ्य संरक्षण के इलाज के लिए आने वाले हितग्राहियों को भी पीने के पानी के लिए जुझना पड़ रहा है। अतिशीघ्र नल कनेक्शन बहाल नही करने पर कर्मचारियों ने रोड़ पर उतरने की चेतावनी दी।उक्त अवसर पर भोज कुमार साहू, भावना बाजपेयी, राकेश कुर्रे, विशाल खत्री, केपी साहू, रवि वैष्णव, किरण गायकवाड़, श्रीमती सुशीला मंडावी, उमेश साहू सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे।

डोंगरगांव इलाके का शातिर मवेशी तस्कर गिरफ्तार

- मवेशी तस्करी व अवैध शराब के कारोबारी को जेल

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

अंचल के कुख्यात अपराधी माने जाने वाले डोंगरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम आतरगांव निवासी खेमेश्वर साहू को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की माने तो कई वर्षो से मवेशी तस्करी के जुर्म में जेल जा चुके अपराधी को समाज द्वारा मना करने पर भी मवेशी तस्करी करने की वजह से साहू समाज द्वारा सामाजिक बहिस्कार भी किया जा चुका है।

पुलिस ने आधिकारिक जानकारी में मीडिया को बताया कि मवेशी तस्करी करने की शिकायत मिलने पर त्वरित प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए खमेश्वर साहू पिता अर्जुन साहू को धारा 151 जाफौ के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को एसडीएम के न्यायालय में पेश किया गया। बहरहाल आदतन अपराधी पर कार्रवाई के बाद मवेशी तस्करी के लिए कुख्यात इलाके में मवेशी तस्करी की घटनाओं में कमी आने के संकेत है।

बार-बार समिति का गठन पर नतीजा सिफर : चंद्रशेखर अग्निवंशी

ठोस नतीजा आने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल रहेगी जारी

पायनियर संवाददाता ◄ छुरिया
www.dailypioneer.com

मनरेगाकर्मियों की 2 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। इसी बीच राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मनरेगा कर्मचारियों की मांग पर विचार करने के लिए समिति का गठन किये हुए 13 दिन बीत चुके हैं। जिसकी अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के द्वारा की जाएगी, जिसमें 7 सदस्य हैं।

समिति के गठन के बाद छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर अग्निवंशी का कहना है जब तक कोई ठोस कदम सरकार कर्मचारियों के हित में नहीं उठाती तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। नियमितीकरण की मांग को लेकर 29 अप्रैल को मनरेगा महासंघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात भी की थी। मुलाकात के बाद दंतेवाड़ा से चल रही दांडी यात्रा को 4 मई की जगह पर 30 अप्रैल को रायपुर में समाप्त करने की घोषणा महासंघ ने की, किंतु शासन द्वारा मनरेगा कर्मियों के नियमितीकरण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाएं जाने के कारण महासंघ द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखी गई।

कई बार कमेटी का गठन नतीजा सिफर

मनरेगा की अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान राज्य शासन द्वारा कमेटी का गठन किया गया है यह कोई पहली बार नहीं है। इसके पहले भी कई बार कमेटी का गठन हो चुका है। यह कमेटी अलग-अलग अधिकारियों की अध्यक्षता में बनाई गई लेकिन नतीजा आज तक इन कमेटियों का सिफर ही रहा है। प्रतिवेदन के आधार पर ना अब तक नियमितीकरण मिला है ना कोई ठोस कदम राज्य सरकार द्वारा उठाया गया है जिससे कर्मचारियों में रोष की स्थिति बनी हुई है।

विधानसभा में पूछा गया था प्रश्न

विधानसभा 8 मार्च 2022 को सदन में प्रश्न पूछा गया था कि संविदा, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का नियमितीकरण को लेकर जो कमेटी तैयार की गई है उसमें कर्मचारियों को कब तक नियमित किया जाएगा। इस पर मुख्यमंत्री ने जानकारी दी थी कि समिति की बैठक 9 जनवरी 2020 को संपन्न हुई थी। बैठक के उपरांत सभी जिलों से दैनिक वेतन भोगी, संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी मांगी गई थी। माननीय मुख्यमंत्री ने बताया था कि समिति को यथाशीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है । संघ पदाधिकारियों कहना है कि अब तक नियमितीकरण को लेकर इस संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त नहीं हुई। हड़ताल के बाद जरूर 6 मई को कमेटी का गठन किया गया है लेकिन जब तक कोई ठोस कदम सरकार कर्मचारियों के लिए नहीं उठाती है तब तक हड़ताल अनिश्चितकालीन तक जारी रहेगी। मनरेगाकर्मियों का शासन द्वारा जल्द ही मांग पूरा न करने की स्थिति में मनरेगाकर्मियों के द्वारा राम वन गमन पथ यात्रा सरगुजा से चंदखुरी रायपुर कौशिल्या माता के मंदिर तक किया जायेगा।

राजीव गांधी न्याय योजना के तहत पहली किस्त किसानों के खाते में की जाएगी अंतरित

- जिले में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत होंगे शामिल

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर 21 मई 2022 को पद्मश्री गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आयोजित कार्यक्रम में राजीव गांधी न्याय योजना के तहत पहली किस्त किसानों के खाते में अंतरित की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों से जुड़े रहेंगे और उन्हें संबोधित करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत एवं जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं किसान कार्यक्रम में शामिल होंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के लिए किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की प्रथम किस्त की राशि अंतरित की जाएगी। जिले के किसानों को उनकी फसल की उपज का उचित मूल्य देने तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि के लिए तथा फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए इस योजना के तहत प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मानसून 2022 के संबंध में बैठक 24 को

राजनांदगांव। मानसून 2022 में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था के संबंध में 24 मई 2022 को समय सीमा की बैठक के बाद जिला कार्यालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संबंधितों को आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित होने कहा गया है।

मंत्री अकबर ने नपं बोड़ला में 122 लोगों को बांटे स्वेच्छानुदान

पायनियर संवाददाता ✓ बोड़ला
www.dailypioneer.com

मंत्री मोहम्मद अकबर ने नगर पंचायत बोड़ला जनप्रतिनिधि एवं जनता की मांग पर बोड़ला के सर्वांगीण विकास की कड़ी में एक नये अध्याय जोड़ दिया है । मंत्री अपने एक दिवसीय प्रवास पर बोड़ला विकास खण्ड के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों में शिरकत किये । वही नगर पंचायत बोड़ला में विकास का एक नया सोपान रच दिया । माननीय मंत्री जी ने 122 हितग्राहियों को स्वेच्छानुदान से 5000 हजार की राशि चेक के माध्यम से भेंट की चेक पाते ही हितग्राहियों की चेहरों पर खुशी का ठिकाना नही था ।

अपने बीच अपने चहते जननायक को पाकर बोड़ला नगर की जनता प्रफुल्लित हो उठी । उपस्थित जनता का प्यार देखकर मंत्री जी गदगद हो गये । मंत्री जी ने अपने सादगीपन से सभी से रु-ब-रु होकर सभी का कुशल क्षेम जाना एवं लोगो की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने अधिकारियों को निर्देशित किया । गौठान निर्माण कार्य 19.50 लाख की लागत से, बैगाटोला में 400 मीटर सीसी रोड निर्माण 18.16 लाख की लागत से, ओवरहेड टैंक निर्माण/ सोलर सिस्टम युक्त 2 एचपी 9 लाख की लागत से एवं वार्ड नम्बर 10 में सामुदायिक भवन एवं बोर खनन कार्य लागत राशि 6.50 लाख की सौगात माननीय मंत्री जी द्वारा दी गयी । जिसका भूमि पूजन मंत्री अकबर नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री रामचरण साहू, उपाध्यक्ष संतोष अवस्थी एवं नगर पंचायत परिवार एवं वार्ड वासियों के साथ भूमिपूजन किया। अध्यक्ष ने मंत्री का बहुत-बहुत आभार जताया इस विकास की गति को लगातार बढ़ाते हुए मंत्री ने बोडला नगर के विकास के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया और नगर की समुचित विकास के लिए मंत्री जी का साथ और नगर पंचायत परिवार जनता की सेवा के लिए समर्पित है।

इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष पीताम्बर वर्मा, होरी राम साहू, रामकुमार पटेल जी, मन्नू चंद्रवंशी डाकोर चंद्रवंशि ईश्वर शरण वैष्णव, परमेश्वर मानिकपुर, अमर वर्मा रामचरण साहू ओमप्रकाश शर्मा, अर्जुन पटेल शमशाद बेगम संतोषी साहू, भरत गुप्ता, बिसर्जन धुर्वे, शशि खरे, परेटन धुर्वे, दयाराम, पुरन मानीकपुरी, लव मानिकपुरी, तुलसी पटेल उमेश चंद्रवंशी, गोरेलाल चंद्रवंशी, चोवा साहू, बंटी खान, गंगु पटेल राम साहू, पुन्नी साहू अशोक पटेल कृष्णा साहू श्याम मेश्राम बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे । इस सौगात के लिए अध्यक्ष समेत वार्डवासियों ने मंत्री का बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ।

गिरफ्तारी के भय से फरार हुआ गांजा तस्कर

रायगढ़। ओडिसा के सोनुपुर से मादक पदार्थ गांजा लाकर छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य कई प्रदेशों में गांजा की तस्करी करने वाले फरार आरोपी को आज सरिया पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गत 26 दिसंबर को थाना प्रभारी सरिया उप निरीक्षक कमल किशोर पटेल के नेतृत्व में सरिया पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर कंचनपुर बेरियर के पास नाकेबंदी कर सफेद रंग के सेवरलेट कार में ओडिसा से अवैध गांजा लेकर आ रहे आरोपी डीकेश्वर प्रसाद चंद्रा उम्र 28 वर्ष साकिन पिहरीद थाना माल खरौदा जिला जांजगीर चांपा, बादल राणा उम्र 44 वषज़ साकिन देवलडुंढा थाना भठली जिला बरगढ (ओडिसा) को पकड़ा गया था। आरोपियों एवं वाहन तलाशी में कार के डिक्की के अंदर 25 प्लास्टिक पैकेट मादक पदाथज़ गांजा वजन 25 किलो गांजा किमती 12,5000 रूपये एवं कार की जप्ती किया गया था। आरोपियों ने मेमोरंडम पर सोनपुर ओडिसा के रितुराज से गांजा खरीद कर गोपाल चंद्रा साकिन बेलादुला जैजेपुर के पास लेकर जाना बताये थे। गिरफ्तार दो आरोपी डीकेश्वर प्रसाद चंद्रा एवं बादल राणा सहित गांजा के अवैध कारोबार में लगे रितुराज निवासी सोनपुर ओडिशा एवं गोपाल चंद्रा साकिन बेलादुला जैजेपुर पर थाना सरिया में धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कारज़्वाई की गई।

इंदिरा चौक से इंदिरा की प्रतिमा हटकर बगल में होगी स्थापित, चौड़ी होगी सड़क

पायनियर संवाददाता ✓ पत्थलगांव
www.dailypioneer.com

यातायात को व्यवस्थित करने के लिए बस स्टैंड स्थित इंदिरा चौक को हटाया जाएगा।स्व इंदिरा गांधी की प्रतिमा को सडक किनारे स्थापित किया जायेगा,शहर के अव्यवस्थित यातायात को दुरुस्त करने के लिए बस स्टैंड स्थित इंदिरा चौक को हटाया जाना है। दरअसल शहर के हृदय स्थल पर एव तीनो शहर से होकर गुजरने वाली प्रमुख शहर अम्बिकापुर,रायगढ़ एव जशपुर जाने वाले मार्ग का संगम स्थल पर स्थापित इंदिरा चौक पर यातायात बेहाल होने से लोगों को भारी असुविधा हो रही है। लिहाजा ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कमर कस चुके जशपुर कलेक्टर रितेश अग्रवाल ने बीते दिनों चौक का निरीक्षण कर यातायात बाधित होने के कारणों को जाना। उन्होंने आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। इंदिरा चौक पर अक्सर जाम की स्थिति निर्मित होने के साथ हादसे का भी खतरा बना रहते देख कलेक्टर ने चौक को हटाकर हटाकर अन्यत्र स्थापित करठ्द्र की निर्देश दिए ,इससे यातायात जाम से छुटकारा मिलने के साथ व्यवस्था सुधरेगी। जिस पर प्रशासन ने अमल करते हुवे चौक को स्थानातरित करने की कार्ययोजना बनानी शुरू कर दी है।

कार्यक्रमों में इस चौक को सजाने की होड़

दरअसल बस स्टैंड के हृदय स्थल पर मौजूद गोलाकार इंदिरा चौक को शहर वासियों द्वारा प्रत्येक अलग-अलग कार्यक्रमों में आकर्षक साज-सज्जा के साथ सजाया जाता है हालांकि हाल के दिनों में साज सज्जा के दौरान सजावट के सामान को हटाने के दौरान एक मजदूर की ऊपर से गुजर रहे हाइटेंशन करंट वायर की चपेट में आकर मौत भी हो चुकी है।

बिजली खंबा बन रही बाधा

दरअसल कुछ वर्षों पूर्व इंदिरा चौक के से सट कर खड़े खंबे को हटाकर जल विभाग द्वारा बगल में खंबा को स्थापित कर शहर की बिजली व्यवस्था एवं चौक के समीप बेतरतीब बिजली के जालो को व्यवस्थित एवं सुचारू किया गया था वर्तमान में इंदिरा चौक को हटाकर यहां लगे खंबे की जगह स्थापित किया जाना है एवं खंभों को अन्यत्र स्थापित किया जाना है फिलहाल खंभों को नवीन जगह पर स्थापित किए जाने को लेकर अड़चनें आ रही है जिसे देखकर प्रशासनिक आला अधिकारी द्वारा खम्बे लगाने हेतु नागरिकों के मध्य चर्चा परिचर्चा का दौर जारी है।

रायगढ़ व जांजगीर जिले में वाहन चोरी में सक्रिय आरोपी के साथ तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ✓ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोतरारोड पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल व कार चोरी में सक्रिय आरोपी को पकड़ा गया है जो रायगढ़ के साथ सीमावतीज़ जांजगीर-चांपा में भी चोरियों को अंजाम दे रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद गांजा तस्करी में सक्रिय तीन और आरोपी को पकड़ा गया, चारों मिलकर गांजा तस्करी के लिए भगवानपुर, कोतरारोड़ से कार की चोरी कर ओड़िशा गये थे। गिरफ्तार आरोपियों से 2 कार, 2 बाइक की बरामदगी कर आरोपियों को चोरी के अपराध में जेल भेजा जा रहा है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 16 मई को भगवानपुर उपर बस्ती के हदयराम पटेल के किराये के मकान में रहने वाला उमाशंकर चैधरी (38 साल) थाना कोतरारोड में रिपोटज़ दजज़ कराया कि बड़े गुमडा घरघोड़ा का रहने वाला है, भगवानपुर में किराया मकान लेकर मेन रोड में किराने का दुकान खोला है। करीब 04 साल ईको मारूति गाडी क्रमांक सीजी 13 सी - 7410 को सुनील पटेल निवासी भगवानपुर के पुरानी गाडी को खरीदा था, जिसे 14 मई की रात्रि 10 बजे किराना दुकान के सामने गाडी को लाक कर खडी किया था। 15 मई की सुबह 05 बजे सोकर उठा तो देखा गाड़ी वहां नही था। आसपास पता तलाश किया कोई पता नहीं चला। चोरी की रिपोटज़ पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 379 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है।

थाना प्रभारी कोतरारोड एवं प्रशिक्षु आईपीएस प्रभात कुमार द्वारा कार चोरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथीज़ एवं आसपास रहने वालों से पूछताछ कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा का फुटेज चेक करते हुए जांजगीर जिले के ग्राम करिगांव पहुंचे।

यादव समाज की मांग- आबकारी निरीक्षक आनंद वर्मा की गिरफ्तारी और सहायक आयुक्त पर कार्रवाई हो

पायनियर संवाददाता ✓ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

यादव समाज ने शासन से मांग की है कि ग्राम चिल्हाटी निवासी स्वर्गीय छोटेलाल यादव की मौत के मामले में आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर आनंद वर्मा को गिरफ्तार कर उनके साथ गए कर्मचारियों और उन्हे सहयोग करने वाली सहायक आयुक्त पर तत्काल कानूनी कार्यवाही की जाए।

ज्ञात हो की आनंद वर्मा अपने साथ 15,20 लोग लेकर छोटेलाल के घर गए और छोटेलाल के साथ मारपीट की और घर की महिलाओं के साथ गाली गलौच की और उन्हे मारने की धमकी दी गई इनके साथ दो संदिग्ध व्यक्ति भी थे जो अपने चेहरा को कपड़े से ढंके हुए थे। आनंद वर्मा को तत्काल गिरफ्तार कर उसके साथ गए दो संदिध्ध व्यक्ति के बारे भी जानकारी लेकर शासन करवाही करे। उसी प्रकार सेंट्रल जेल बिलासपुर में छोटेलाल यादव के साथ की गई मारपीट और मृत्यु पर शासन दोषी अधिकारियों पर तुरंत हत्या करने का दोषी मान कार्यवाही करे। यादव समाज ने डीन सिम्स बिलासपुर से मांग की है कि डाक्टर द्वारा दी गई एमएलसी रिपोर्ट पर जांच समिति बनाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। छत्तीसगढ़ यादव समाज ने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि स्वर्गीय छोटेलाल यादव के छोटे छोटे तीन बच्चे है उन्हे तत्काल आर्थिक मदद की जाए और मृतक की पत्नी को किसी विभाग में नौकरी दी जाए। छत्तीसगढ़ यादव समाज ने उम्मीद जताई है कि शासन इस ओर ध्यान देते हुए उपरोक्त मांगों पर जल्द फैसला लेगी। मांग करने वालों में पद्मश्री फूलबासन यादव, महापौर बिलासपुर रामशरण यादव, पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डा सोमनाथ यादव, जिला पंचायत बिलासपुर के पूर्व अध्यक्ष भुनेश्वर यादव,जिला अध्यक्ष बिलासपुर जितेंद्र यादव,शिवशंकर यादव,युवा अध्यक्ष अमित यादव,अनिल यादव,शैलेंद्र यादव,नीरज यादव,जिला पंचायत सदस्य संदीप यादव,वीनू सुमंत यादव, पार्षद अजय यादव,लक्ष्मी यादव,विजय यादव, संगठन सचिव जितेंद्र यादव,देसहा यादव समाज के अभिलेष यादव,कृष्ण कुमार यादव, झेरिया यादव समाज के दीपक यादव,मनोज यादव, अठोरिया यादव समाज के सुनील यादव,मनोज यादव,नवीन यादव, ढढोड़ यादव समाज के डा आई पी यादव, मनीष यादव, ठेठवार यादव समाज से डा गोविंद यादव,लक्ष्मण यादव आदि समाज प्रमुख शामिल हैं।

लुड़ेग में शॉर्ट सर्किट के कारण स्कॉर्पियो गाड़ी में लगी भीषण आग, धू-धूकर जली गाड़ी

पायनियर संवाददाता ✓ पत्थलगांव
www.dailypioneer.com

पत्थलगांव थाना क्षेत्र के लुड़ेग के तेंदुपारा जंगल के समीप बुधवार की दरम्यानी रात करीब 1.30 बजे एक स्कोर्पियो गाड़ी में अचानक आग लग गई । आगलगी का मुख्य वजह शार्ट सर्किट बताया जा रहा है । बताया जाता है कि ग्राम पंचायत रघुनाथपुर के टुकुपखना गांव निवासी यदुचंद बारीक पिता वृंदावन बारीक जो अपने भाई दयानिधि यादव के साथ स्कोर्पियो गाड़ी स्4 क्रमांक संख्या छ्त्त-13-॥-0227 से बुधवार को बेलडेगी स्थित अपने ससुराल गए हुए थे । लौटने के क्रम में बेलडेगी से महज कुछ दूर एनएच-43 लुड़ेग तेंदुपारा के समीप करीब 1ञ्30 बजे अचानक गाड़ी के आगे की हिस्सा से धुआं निकलने लगा। चालक दयानिधि यादव ने जब गाड़ी रोककर देखा तो इंजन से आग की लपटें उठ रहा था। जिसके बाद उन्होंने आग को आस पास से धूल व पत्ता से बुझाने का काफी कोशिश की जंगल के आस पास पानी की व्यवस्था नही होने के कारण गाड़ी में धीरे धीरे आग विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते गाड़ी धु धुकर जलकर राख हो गया । घटना के बाद लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी । घटना की सूचना पत्थलगांव पुलिस को दी गई । जहां पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया।

केंद्रीय जेल में फिर एक कैदी की मौत का मामला, जेल वालों ने कहा उसे कुत्ते ने काटा

पायनियर संवाददाता ✓ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

सेंट्रल जेल में दाखिल फिर एक कैदी की मौत का मामला सामने आया है, जिसमें परिजनों ने मौत के कारणों को लेकर सवाल उठाए है, गुरुवार को सिम्स मरच्यूरी में मौजूद परिजनों ने जांच की मांग की है और इस मौत को संदिग्ध बताया है। मिली जानकारी के अनुसार सेंदरी निवासी विदेशी केंवट को पुलिस ने रेलवे क्षेत्र में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसकी सूचना मृतक के छोटे भाई मन्नू केंवट को दी गई थी, जिसके बाद मृतक को जेल दाखिल कर दिया गया था, परिजनों के अनुसार 14 मई को गिरफ्तारी हुई फिर 16 मई को सिम्स में भर्ती किया गया और फिर 18 मई को मृत्यु की सूचना दी गई, इस दौरान उसके साथ जेल में क्या हुआ, सिम्स में भर्ती के दौरान भी सूचना नही दी गई ऐसे तमाम सवाल परिजनों के पास है। वही इस मृत्यु के बाद परिजन न्याय की मांग कर रहे है और सेंट्रल जेल प्रबंधन पर आरोप लगा रहे है। जब परिजनों को सिम्स चौकी से सूचना मिली कि विदेशी केंवट की मौत हो गई है तो परिजन सिम्स पहुँचे जहाँ चौकी से जानकारी मिली कि कुत्ते के काटने की वजह से उसकी मौत हुई है, परिजनों को यह कारण समझ मे नही आ रहा कि आखिर जेल दाखिल व्यक्ति को कुत्ते के काटने से तबियत बिगड़ी और उसे सिम्स में भर्ती कराया गया तो परिजनों को सूचना क्यो नही दी गई। कुछ छुपाया जा रहा था शायद यही वजह रही होगी, मृतक के भाई ने तो मारपीट से ही मौत होने का आरोप लगाया है और जांच की मांग की है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बिर्रा में प्रवेश प्रक्रिया प्रांरभ

पायनियर संवाददाता ✓ बिर्रा
www.dailypioneer.com

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने अग्रसर संस्था कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बिर्रा में 15 मई से कक्षा 6 वीं से 8 वीं के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रांरभ हो चुकी है। जिसमें सभी कक्षाओं में शाला अप्रवेशी,शाला त्यागी, अधिक उम्र की बालिका जिनकी शिक्षा पूरी नहीं हुई हो ऐसे अविभावक अपनी बालिकाओं को प्रवेश दिला सकते हैं। इस संबंध में विद्यालय की अधीक्षीका पुष्पा पटेल ने बताया कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने आर्थिक रूप से कमजोर,निश्शक्त या जो किसी कारणवश अपनी बालिकाओं को जो शिक्षा से वंचित हो ऐसी बालिकाओं को प्रवेश दिया जाएगा। जहां निःशुल्क, आवास, भोजन, पुस्तकें, कापी पेन, शाला गणवेश (ड्रेस) व खेलकूद सामग्री प्रदान की जाएगी।

दीप प्रज्वलन के साथ बालिका सशक्तिकरण अभियान 2022 का उद्घाटन

पायनियर संवाददाता ✓ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

एनटीपीसी सीपत में नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गतबालिका सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । इस अवसर पर गरिमा द्विवेदी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर,मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित थी । बालिका सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओ ने उनका स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया।

एसवीडी रवि कुमार, विभागाध्यक्ष, मानव संसाधन ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागीबालिकाओं का स्वागत करते हुए बालिका सशक्तीकरण मिशनका परिचय दिया। कमलाकर सिंह, मुख्य महाप्रबंधक सीपीजी-2 ने सभी को बालिका सशक्तिकरण अभियान से जुड़ने के लिए ढेर सारी बधाइयाँ दी।

घनश्याम प्रजापति, मुख्य महाप्रबंधक (सीपत), ने प्रतिभागीबालिकाओ को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उनके अभिभावकों को इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सराहना की।

गरिमा दिवेदी ने बालिका सशक्तिकरण अभियान के रूप मे मिल रहे इस अवसर के महत्व के बारे मे बताते हुए सभी बालिकाओं को पूरी मेहनत के साथ इस अवसर का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होने एनटीपीसी के इस अभियान की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ दीं कि यह कार्यक्रम बालिकाओं के व्यक्तित्व के विकास की दिशा में अहम पड़ाव साबित होगा। इस दौरान रमानाथ पुजारी, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), अन्य सभी महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, सरोज प्रजापति, अध्यक्षा, संगवारी महिला समिति, अनीता सिंह, उपाध्यक्षा संगवारी महिला समिति, समिति के अन्य पदाधिकारीगण, यूनियन एसोसिएशन के प्रतिनिधि, प्रतिभागी बालिकाएँ, एवं प्रबंधन समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। अंत मे बालिका सशक्तिकरण अभियान से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाला युवक गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ✓ रायगढ़
www.dailypioneer.com

नाबालिग को प्रेमजाल में फंसकर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के मामले में पीड़िता के परिजनों की रिपोटज़ पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करते हुए जेल दाखिल करा दिया है, उक्त मामला खरसिया चैकी क्षेत्र की है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कल पुलिस चैकी खरसिया में क्षेत्र में निवासरत व्यक्ति उसकी नाबालिग लड़की के साथ मदनपुर खरसिया में रहने वाले अक्षय उर्फ यादराम चैहान पिछले सितम्बर माह से लड़की का शारीरिक शोषण करना बताकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया। चैकी प्रभारी खरसिया उप निरीक्षक नंदकिशोर गौतम द्वारा पीड़ित बालिका का महिला पुलिस अधिकारी से कथन कराया गया जिसमें बालिका ने बताया कि 8वीं तक पढाई कर घर का काम काज करती है। सितम्बर 2021 से अक्षय शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बना रहा है। 16 मई को भी अक्षय घर से खरसिया ले जाकर दुष्कर्म किया और शादी से मुकर रहा है, तब घरवालों को बताई।

कबीर आश्रम में हुआ संत समागम मेला

पायनियर संवाददाता ✓ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

संत सम्राट सत्येश्वर श्री सदगुरू कबीर साहेब की असीम कृपा से कबीर आश्रम बम्हनीडीह में परम आदरणीय मठाधीस महंत संतोष दास साहेब के सानिध्य में भव्य दो

दिवसीय संत समागम मेला का आयोजन किया गया जिसमें अनेक प्रांत से सोलह मठाधीस महंत साहेब जन पहुंचे थे जिसके द्वारा एक साथ सत्संग,प्रवचन एवं सोलह सुत चौका आरती गुरु पूजन का कार्यक्रम किया गया कार्यक्रम के दौरान संतोष साहेब जी ने कहा हंसा दूरमति दूर करो अच्छा जनम बनाओ काग गवन गति छाड़ के ,,हंस गवन चली आओ हंस जीव का प्रतीकार्थ है हंस मन रूपी सरोवर के स्वच्छ जल में तैरता रहता है वह आनंद रूपी मोती को अपने स्वच्छ विचार रूपी जल से चुनता रहता है इस आनंद रूपी मोती को छोड़कर वह किसी दूसरी जगह नहीं जाना चाहता है उसी प्रकार आप सभी हंस जनों को भी बनना चाहिए।

कपिस्दा में बहेगी श्रीराधे-कृष्णा भक्ति की रसधारा 21 मई से

जांजगीर-चांपा। बम्हनीडीह विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कपिस्दा में पटेल परिवार द्वारा मोक्ष कामना (वार्षिक श्राद्ध निमित्त) संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 21 मई को कलशयात्रा के साथ होने जा रहा है। व्यासपीठ पर राष्टीय कथावाचिका पूजा किशोरी होंगी। कथा का समय

दोपहर दो बजे से हरिकृपा तक। आचार्य किशोर महराज जी होंगे। जिसमें 21 मई को भब्य कलशयात्रा (शोभायात्रा), वेदी पूजन व कथा महात्म्य,22 को परीक्षित जन्म,सुकदेव आगमन,कपिल चरित्र की कथा,23 को सती चरित्र, भक्त ध्रुव व प्रहलाद चरित्र,24 को वामनावतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव,25 को बाललीला, गोवर्धन पूजा,26 को श्री महारास, रूक्मणी मंगल (विवाहोत्सव),27 को श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र के साथ कथा विश्राम,28 को तुलसीवर्षा,यज्ञ-हवन-पूर्णाहुति, सहस्त्रधारा, वार्षिक श्राद्ध आदि। आयोजन को लेकर बहुरा पटेल,लतेलीन पटेल,अनिल पटेल, अनुराधा पटेल सहित पटेल परिवार ग्राम पंचायत कपिस्दा (बम्हनीडीह) जूटे हुए हैं।

साइकिल सवार चार मजदूरों को रौंदकर निकल गया वाहन, एक की दर्दनाक मौत

आरोपी चालक वाहन लेकर फरार, पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

नेशनल हाईवे पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार की सुबह 9 बजे चार मजदूरों को अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया। इस हादसे में ग्राम किरगी निवासी परमेश्वर निषाद की मौत हो गई। वहीं किरगी के ही संजय साहू, टूपेश पटेल और बांकल निवासी मोहित खरे घायल हैं। ये सभी मजदूरी के लिए कारखाने जा रहे थे। इस घटना के बाद अज्ञात मालवाहक का चालक वाहन सहित फरार है। पुलिस वाहन और आरोपी की खोजबीन में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हादसे की खबर घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने डायल 112 को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस जवानो ने घायलों को पेंड्री स्थित मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। मेडिकल अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने परमेश्वर निषाद को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद यहां पहुंचे मृतक के परिजनों में चीख पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, चारों सायकल सवार को नागपुर की दिशा से राजनांदगांव की ओर आ रहे एक वाहन ने पीछे से अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सायकल सवार दूर जा गिरे। वहीं मृतक परमेश्वर को गंभीर चोटें आई थी।

शव ले जाने से किया इंकार

इधर, हादसे मे मृतक के परिजनों ने पोस्ट मार्टम के बाद शव ले जाने से इंकार कर दिया। परिजन व ग्रामीण आरोपी ड्राईवर के गिरफ्तार न होने पर शव नहीं ले जाने की बात पर अड़ गए। यहां आसपास के जनप्रतिनिधि भी हादसे की खबर मिलते ही पहुंच गए थे। आखिर में अस्पताल प्रबंधन, पुलिस और जनप्रतिनिधियों की समझाईश के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

नेशनल हाईवे पर बढ़े हादसे

नेशनल हाईवे में लगातार जानलेवा हादसे हो रहे हैं। शहर के दूसरी ओर बीते 16 मई को पारीनाला के पास नेशनल हाईवे में ट्रक ने एक बाईक को चपेट में ले लिया था। इस हादसे में भी एक युवक की मौत हो गई थी। वहीं इस हादसे में एक महिला बाल बाल बची थी। यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं और आए दिन ये दोहराए जा रहे हैं। कुछ इसी तरह चिचोला क्षेत्र में भी सड़क हादसे लगातार बढ़े हैं।

जिपं सदस्य ने दिया मदद का आश्वासन

ग्राम किरगी के ग्रामीणों ने इस हादसे की सूचना जिला पंचायत सदस्य व प्रदेश किसान कांग्रेस महामंत्री महेंद्र यादव को दी। जानकारी मिलते ही श्री यादव पेंड्री स्थित मेडिकल कॉलेज पहुंचे। अस्पताल पहुंचे यादव ने यहां मृतक के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। वहीं घायलों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने सभी पीड़ितों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने की बात कही। वहीं उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि नेशनल हाईवे में हो रहे लगातार हादसों के मद्देनजर यातायात व्यवस्था बनाई जाए।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारे को रिहा किया जाना दुर्भाग्यजनक : मरकाम

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के हत्यारे जो आजीवन कारावास की सजा भोग रहे थे ऐसे हत्यारों को रिहा करना दुर्भाग्यजनक है। केंद्र में मोदी भाजपा की सरकार बनने के बाद से राजीव गांधी के हत्यारे को जेल से रिहा कराने का निरन्तर प्रयास किया गया। मोदी पहले तमिलनाडु के राज्यपाल को हत्यारे को रिहा करने सिफारिश भेजा जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेज दिया। जिस पर कोई निर्णय नहीं हुआ तो सुप्रीम कोर्ट का ये कहते हुए कि बनवरीलाल पुरोहित, जो भाजपा के पूर्व वरिष्ठ नेता हैं, राष्ट्रीय कार्यकारिणी और शायद महासचिव उपाध्यक्ष भी रहे हैं, वो गवर्नर तमिलनाडु थे और राष्ट्रपति ने भी इस विषय में कोई निर्णय नहीं लिया, इसलिए भारत सरकार के नॉमिनी गवर्नर और राष्ट्रपति के ना निर्णय लेने के कारण को देखते हुए उन्होंने राजीव गांधी के एक हत्यारे को रिहा कर दिया है। स्वाभाविक तौर से अब सब हत्यारे रिहा हो जाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे करोड़ों-करोड़ों भारतीय, उनकी आत्मा आहत हुई है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी के एक हत्यारे को आज रिहा कर दिया। तथ्य बड़े स्पष्ट हैं और जिम्मेदार सीधे मोदी सरकार है। मोदी, कांग्रेस और भाजपा छोड़िए, क्या यही आपका राष्ट्रवाद है? क्या यही आपका तौर-तरीका है कि कोई निर्णय ही ना लो और आखिर में अदालत उस आधार पर राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा कर देती है? अगर हर वो व्यक्ति जिसको आजीवन कारावास हुआ है, उसे छोड़ना है, तो फिर हजारों भारतीय जेलों में बंद हैं उन्हें आजीवन कारावास की सजा मिली है उन्हें भी रिहा कर दीजिए और हिंदुस्तान की जेल में आजीवन कारावास के कैदी हैं, उन्हें भी छोड़ दीजिए और कानून एवं संविधान भी छोड़ दीजिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश के लिए दुखद है। कांग्रेस के हर साथी में अथाह दुख और रोष है, पर इस देश के हर एक व्यक्ति को जो भारत और भारतीयता में विश्वास रखता है, जो उग्रवाद के खिलाफ लड़ने में विश्वास रखता है, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने वाली हर ताकत को मुँह तोड़ जवाब देना चाहता है, आज उस हर व्यक्ति की आत्मा छलनी हो गई है, क्योंकि ये कांग्रेस के नेता का सवाल नहीं, इस देश के प्रधानमंत्री थे राजीव गांधी, जिन्होंने इस देश के लिए कुर्बानी दी थी। राजीव गांधी ने कांग्रेस नहीं, देश के लिए कुर्बानी दी थी और अगर उनके हत्यारों को आज की सरकार अपनी छोटी और सस्ती राजनीति के लिए रिहा करवाने में अदालत को हालात पैदा कर देगी, तो ये अपने आपमें अति दुर्भाग्यपूर्ण है।

बालको में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रतिभा विकास शिविर का धूमधाम से समापन

बालकोनगर। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के मानव संसाधन विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रतिभा विकास शिविर धूमधाम से संपन्न हुआ। शिविर में 10 से 16 वर्ष के लगभग 100 बच्चों ने हिस्सा लिया। बालको के ग्रीष्मकालीन प्रतिभा विकास शिविर का उद्देश्य बच्चों को ऐसे कार्यों से जोड़ना है जिनसे उनमें रचनात्मकता का सृजन तथा विभिन्न कलाओं की बारीकियों से परिचित कराना और कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करना है। 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रतिभा विकास शिविर में बालको प्रशासन प्रमुख मेजर विश्व आनंद ने बच्चों को टेबल एटिकेट्स और गुड़िया कुमारी ने कूकिंग के हुनर सिखाएं। प्रतिभागियों ने ट्रेजर हंट में हिस्सा लिया जिसमें बच्चों ने प्रगति भवन से नेहरू गार्डन के बीच सीमित समय में गुत्थी सुलझाई। जंगल ट्रेल में बच्चों को फूटहामुड़ा के घने वन में चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में सूझबूझ भरा निर्णय लेना, गांठ बांधना, जंगल के संसाधन से आग जलाना और आग बुझाने के गुर सिखाए गए। उन्हें मितान भवन में प्रेरक मूवी द लायन किंग, तारें ज़मीन पर, चिल्लर पार्टी और चक दे इंडिया दिखाई गई। ग्रीष्मकालीन शिविर प्रतिभाओं को निखारने का एक बेहतरीन मंच है। कार्यक्रम में व्यक्ति त्व विकास कार्यशाला से लाभान्वित प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार दिए गए। पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिविर के सभी प्रशिक्षकों तथा प्रतिभा विकास शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पौधे भेंट किए गए। मुख्य अतिथि बालको महिला मंडल की सचिव सिमरन कौर ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कौर ने शिविर में अनुशासन बनाए रखने और उत्कृष्ट आयोजन में भागीदारी के लिए प्रतिभागियों की खूब प्रशंसा की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

श्री रावतपुरा सरकार आश्रम रायपुर में आज होगा लक्ष्यार्चन अनुष्ठान

माँ राजराजेश्वरी 'ललिताम्बिका'' के नाना प्रकार की सामग्रियों से 1 लाख अर्चन

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार आश्रम, रायपुर में सायं 6.30 बजे, अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज ''श्री रावतपुरा सरकार'' द्वारा माँ राजराजेश्वरी ''ललिताम्बिका'' के एक लाख अर्चन का लक्ष्यार्चन अनुष्ठान किया जाएगा। परम् पूज्य महाराज श्री रविशंकर जी महाराज ''श्री रावतपुरा सरकार'' ने इस अनुष्ठान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि माँ राजराजेश्वरी ''ललिताम्बिका'' के अर्चन का विशेष महत्व है। ललिता सहस्त्रनाम में माँ के 1008 नामों का वर्णन है। ललिता सहस्त्रनाम को शिव-पार्वती ने गाया है, देवताओं ने भी उसका श्रवण और पठन-पाठन किया है, जिसके पश्चात् जीवन को एक सकारात्मकता देने वाली ये युक्ति मानवों को मिली है। दक्षिण भारत में ललिता सहस्त्रनाम का पाठ एवं अर्चन किया जाता है। लेकिन उत्तर भारत में इसका आभाव है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से इसे जन-जन तक ले जाने का लक्ष्य है इसलिए माँ राजराजेश्वरी ''ललिताम्बिका'' के लक्ष्यार्चन अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। दैवीय शक्ति से परिपूर्ण ललिता सहस्त्रनाम अनुष्ठान मनुष्य के विकारों को नष्ट कर नए सकारात्मक विचारों को सृजित करता है। जिससे प्राणियों को असीम शांति का अनुभव होने के साथ उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ललिता सहस्त्रार्चन माँ लक्ष्मी की आराधना है। इस अवसर पर महाराज श्री के अलावा 100 भक्त जोड़े से माँ राजराजेश्वरी ''ललिताम्बिका'' का अर्चन करेंगे। सभी भक्त पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में उपस्थित होकर पूरे भाव और समर्पण के साथ माँ का अर्चन करेंगे। आयोजन में श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था भी की गई है।

धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों को भी समितियों से ऋण की सुविधा

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे के मार्गदर्शन में कृषि, सहकारिता, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और उद्यानिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सेवा सहकारी समितियों में चौपाल व शिविर आयोजित कर जिले में धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं राजेन्द्र कुमार राठिया ने बताया कि आयोजित चौपाल के माध्यम से धान के बदले अन्य फसल जैसे मक्का, सोयाबीन, टमाटर, गन्ना, हल्दी, अदरक, पपीता, कपास, मशरूम, सब्जी आदि फसल लेने वाले किसानों को भी शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर समितियों से ऋण सुविधा आदि की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि चौपाल में कृषकों को ऋण वितरण, वर्मी कम्पोस्ट वितरण, केसीसी कार्ड, सदस्यता वृद्धि, गौपालन, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, समिति/बैंक स्तर के विभिन्न प्रकार के ऋण वितरण की तकनीकी ज्ञान एवं प्रक्रियात्मक आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर ऋण की समिति स्तर पर त्वरित निराकरण कर धान के बदले अन्य फसल लेने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

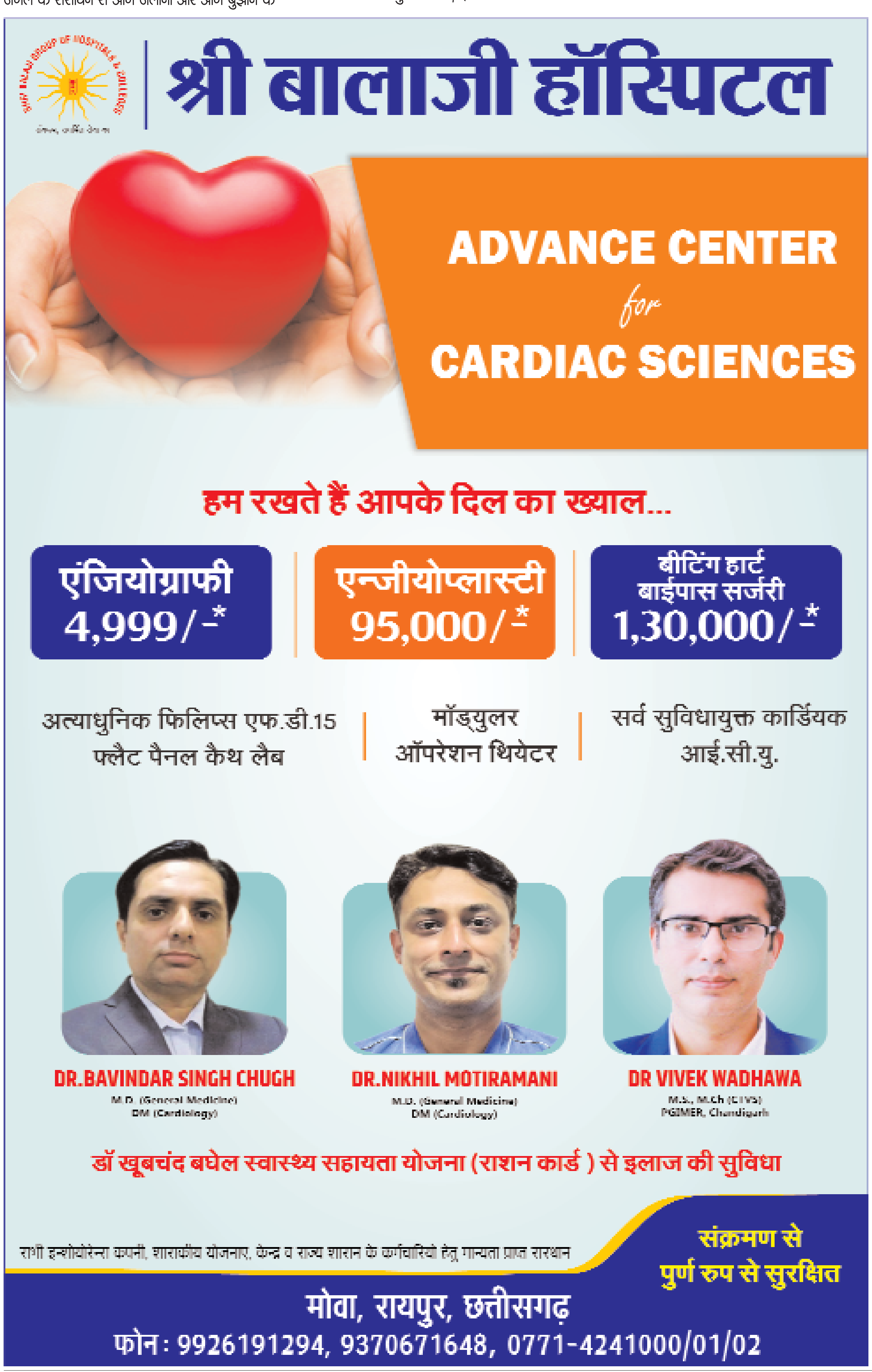

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403